राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 06 जून 2026
वर्ष 07, अंक 240, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मालवीय रोड स्थित 7th हेवन रेस्टोरेंट में चल रहे अवैध हुक्का बार पर पुलिस का बड़ा छापा...02

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं 'जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट' के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित...11

जज बनाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस! सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक ड्राफ्ट 2026...

● AI सिर्फ एक असिस्टेंट, फैसला जज का!

● क्या आने वाले समय में अदालतों से इंसानी जजों की छुट्टी हो जाएगी? क्या अब कोई कंप्यूटर कोडिंग या सॉफ्टवेयर तय करेगा कि किसे जमानत मिलेगी और किसे जेल?

● सुप्रीम कोर्ट ने 'रेगुलेशंस फॉर यूज़ ऑफ एआई इन कोर्ट्स 2026' का ड्राफ्ट जारी कर इस बड़े कयास पर से पर्दा उठा दिया है

टेक्नोलॉजी जिस तेजी से बदल रही है, उसने हमारी न्याय प्रणाली के दरवाजों पर भी दस्तक दे दी है. भारतीय अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के औपचारिक इस्तेमाल की ओर एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में एआई के इस्तेमाल को लेकर साल 2026 का पहला आधिकारिक ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इस पर आम जनता और सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं. हम आपको बताएंगे कि इस ड्राफ्ट में क्या नियम हैं, सुरक्षा के क्या उपाय हैं और क्या वाकई एआई भविष्य में जजों की जगह ले सकता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी इस मसौदे का सबसे मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में मानवीय प्रधानता, जवाबदेही, डेटा सुरक्षा और न्यायिक स्वतंत्रता को बनाए रखना है. कोर्ट का साफ मानना है कि तकनीक का स्वागत है, लेकिन वह न्याय की मूल आत्मा को नहीं बदल सकती. इस ड्राफ्ट रेगुलेशन में साफ तौर पर कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग हर समय इंसानी निर्णय और न्यायिक अधिकार के पूरी तरह अधीन रहेगा. इसका मतलब यह है कि कोर्ट रूम के भीतर आखिरी और सर्वोच्च शक्ति सिर्फ और सिर्फ एक इंसान यानी माननीय जज के पास ही सुरक्षित रहेगी।

भविष्य में एआई सिस्टम खुद फैसले सुनाने लगेंगे?

इस ड्राफ्ट ने उन सभी आशंकाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि भविष्य में एआई सिस्टम खुद फैसले सुनाने लगेंगे. नियमों के मुताबिक, प्रत्येक एआई प्रणाली केवल एक सहायक यानी 'असिस्टेंट' की हैसियत से काम करेगी. यह किसी भी विधिवत नियुक्त न्यायिक अधिकारी यानी जज का स्थान कभी नहीं ले सकती. एआई का काम कानूनी रिसर्च को आसान बनाना, दस्तावेजों को खोजना और तारीखों को मैनेज करना हो सकता है लेकिन किसी भी मामले में दिमाग लगाने और न्याय करने का काम सिर्फ इंसानी जज ही करेंगे।

कानून, तथ्यों और न्याय से संबंधित किसी भी मामले का निर्धारण करने का अंतिम और पूर्ण अधिकार केवल न्यायाधीशों के पास ही सुरक्षित रखा गया है. ड्राफ्ट रेगुलेशन यह स्पष्ट करता है कि कोई भी एआई सिस्टम किसी भी मामले में, बिना मानवीय हस्तक्षेप के, न तो कोई निर्णय दे सकता है और न ही किसी दोषी को सजा सुना सकता है. ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसी तकनीकी खराबी, एल्गोरिदम की गलती या डेटा बायस (पूर्वाग्रह) के कारण किसी बेगुनाह को सजा न मिल जाए. न्याय में करुणा, विवेक और मानवीय समझ की जरूरत होती है, जो किसी मशीन के पास नहीं हो सकती।

इंसान की अंतरात्मा से चलता है इंसाफ का तराजू

तकनीक कितनी भी आधुनिक हो जाए, वह अदालतों के काम को रफ्तार तो दे सकती है, लेकिन इंसाफ का जो तराजू एक इंसान की अंतरात्मा से चलता है, उसकी जगह कभी नहीं ले सकती. इसी जज्बात को बयां करते हुए मशहूर शायर अल्लामा इकबाल का एक शेर याद आता हैः

**'दिल-ए-बीना भी कर ख़ुदा से तलब,
आँख का नूर दिल का नूर नहीं।'**

यानी कि सिर्फ आंखों की बाहरी और तकनीकी रोशनी काफी नहीं है, इंसाफ के लिए दिल की आंतरिक समझ और विवेक का होना सबसे जरूरी है, जो केवल इंसान के पास है. साफ है कि सुप्रीम कोर्ट का यह ड्राफ्ट रेगुलेशन 2026 भविष्य की न्याय प्रणाली को सुरक्षित और आधुनिक बनाने का एक बेहतरीन खाका है, जहां तकनीक मददगार तो होगी लेकिन मालिक नहीं।

मौलाना तौकीर रजा को बड़ा झटका, बरेली कोर्ट के बाद अब इलाहाबाद HC से भी जमानत अर्जी खारिज

● मौलाना तौकीर रजा खान को बरेली हिंसा मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है।

● जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की बेंच ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी।

● यह फैसला बरेली कोर्ट द्वारा पूर्व में अर्जी खारिज होने के बाद आया है।

● इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल प्रमुख तौकीर रजा फिलहाल जेल में ही रहेंगे।

मौलाना तौकीर रजा खान को बड़ा झटका लगा है. बरेली हिंसा को लेकर बारादरी थाने में दर्ज मामले में तौकीर ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की सिंगल बेंच ने जमानत अर्जी खारिज कर दी है. इत्तेहाद- ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख और बरेली हिंसा के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा को फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

बरेली में 26 सितंबर 2025 को हिंसा हुई थी. इसी दिन पुलिस ने बरेली के बारादरी, कोतवाली, कैंट, किला और प्रेम नगर थाने में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें तौकीर रजा को मास्टरमाइंड बताया गया. इसके बाद तौकीर ने बरेली कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थो जो कि खारिज हो गई थी. फिर उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की थी।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, बरेली में मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर जुटे लोगों ने आई लव मोहम्मद के मुद्दे को लेकर नारेबाजी की थी. पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बावजूद लोग सड़क पर उतरे और प्रदर्शन किया. इतना ही नहीं पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए. फिर पुलिस ने लाठीचार्ज किया. इससे लोगों में आक्रोश बढ़ गया. फिर भड़काऊ नारे लगाते हुए भीड़ ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज किया. आगे बढ़ने पर अड़े रहे. इससे स्थिति और बिगड़ गई।

पुलिस पर हमला

आरोप है कि इसके बाद भीड़ में शामिल लोगों ने पुलिस बल पर ईंटें, पत्थर और एसिड की बोतलें फेंकी. इतना ही नहीं पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी भी की. हिंसा में पुलिसकर्मियों के कपड़े फट गए. दो अधिकारी घायल हुए. भीड़ की आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्र में आतंक का माहौल बनाया. फिर बातचीत के माध्यम से भीड़ को समझाने में विफल रहने के बाद पुलिस अधिकारियों को आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। इस केस में बीते महीनेइलाहाबाद हाईकोर्ट ने तौकीर रजा खान की जमानत अर्जी समेत 58 याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा था. जस्टिस आशुतोष श्रीवास्तव की एकल पीठ ने 58 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की थी. अभियोजन पक्ष की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि 26 सितंबर को बरेली में नमाज के बाद हिंसा साजिश का हिस्सा थी।

फतेहगढ़ जेल में बंद है तौकीर रजा

बरेली में हिंसा भड़काने का मास्टर माइंड मौलाना तौकीर रजा खान फिलहाल फर्रुखाबाद की फतेहगढ़ जेल में बंद है। उसके खिलाफ बरेली के बारादरी, कोतवाली, कैंट, किला और प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज है। ट्रायल कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा व अन्य की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

संक्षिप्त ख़बरें

खड़ेसरी महाराज के मठ पर नौ दिवसीय श्री बिष्णु महायज्ञ प्रारंभ

गाजीपुर। ब्लाक मुख्यालय के अंतर्गत स्थानीय गांव बाराचवर स्थिति खंडेसरी महाराज के मठ पर श्री बिष्णु महायज्ञ का आयोजन गुरुवार से शुरू हो गया है। मठ के पुजारी श्री विजय दास ने बताया की बाराचवर,गंधपा व विशुनपुरा समेत क्षेत्र के लोगों के सहयोग से श्री बिष्णु महायज्ञ का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया की श्री बिष्णु महायज्ञ आठ दिनों तक चलेगा। उसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया जाएगा, वहीं यज्ञ व रासलीला का शुभारंभ बाराचवर के ब्लाक प्रमुख श्री ब्रजेंद्र सिंह ने भगवान का आरती कर के किया इस दौरान गंधपा विशुनपुरा व बाराचवर के ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे। मठ के पुजारी विजय दास ने बताया की हर दिन सुबह मंत्रोच्चार के साथ हवन उसके उपरांत रासलीला का आयोजन किया जायेगा। क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा की मैं सभी भक्तोंजनो व श्रद्धालुओं से अपील करता हूं की नौ दिवसीय श्री बिष्णु महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य के भागी बने व अपने साथ और भक्तों को लेकर यज्ञ में शामिल हो। मठ के पुजारी ने कहा मैं उन युवाओं का जैसे दारा व गंधपा सहजा के युवाओं की भी आभार प्रकट करता हूं। जिन्होंने इस यज्ञ को सफल बनाने में साधु-संतों का साथ दे रहे हैं।

कई वर्षों से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

बहरिया पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, थाना बहरिया में वर्ष 2020 में दर्ज मुकदमा संख्या 126/2020 में कई वर्षों से फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से गैर जमानती वारंट (NBW) जारी किया गया था। इसके बाद पुलिस उनकी तलाश में लगातार जुटी हुई थी। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर थाना बहरिया पुलिस टीम ने रामगढ़ कोठारी नहर पुलिया क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अब्दुल वाहिद पुत्र महबूब (49 वर्ष) तथा मो. सेबू उर्फ मो. वाजिद पुत्र अब्दुल वाहिद (24 वर्ष) निवासी ग्राम बनेवरा, थाना बहरिया, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है।

करमहवा में पानी भरे नाले की हो रही कागजी खुदाई, मजदूरों की लगाई जा रही फर्जी हाजिरी

●पानी के भीतर खुदाई का अनोखा कारनामा, नौतनवा ब्लॉक के करमहवा गांव में मनरेगा का खुला मजाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत करमहवा के कर्मी टोला में मनरेगा योजना के तहत हो रहे विकास कार्यों में बड़ी वित्तीय अनियमितता और फर्जीवाड़े का मामला प्रकाश में आया है। कर्मी टोला में पुल से लेकर हरिराम के खेत तक नाला खुदाई का कार्य जमीनी हकीकत से दूर सिर्फ सरकारी कागजों और मस्टरोल तक ही सीमित रह गया है। इस विकास कार्य के नाम पर मौके पर भारी हेरफेर करते हुए सिर्फ कोरम पूरा करने का प्रयास किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वर्तमान में नाले में पानी भरा हुआ है, जिससे नियमानुसार खुदाई कार्य संभव ही नहीं है, लेकिन कागजी खानापूर्ति करने के लिए नाले के दक्षिणी भाग को ऊपर से करीब 30-40 मीटर तक महज छिलवा कर छोड़ दिया गया है। इस योजना के तहत मजदूरों की हाजिरी में भी बड़े पैमाने पर घालमेल किया जा रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस कार्य के लिए जारी किए गए मस्टरोल संख्या 8171 से 8174 में कुल 30 से 40 मजदूरों के नाम दर्ज है, जिनका कार्यस्थल पर रोजाना फर्जी हाजिरी लगाया जा रहा है। करीब एक सप्ताह से धरातल पर बिना कोई वास्तविक कार्य किए इन मस्टरोलों के जरिए सरकारी धन के बंदरबांट की पूरी तैयारी कर ली गई है। मौके पर एक भी मजदूर काम करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में सभी को कार्यरत दिखाकर सरकारी धन का हेराफेरी किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस गंभीर धांधली को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना में इस तरह का खुला भ्रष्टाचार जिम्मेदार के मिलीभगत के बिना संभव नहीं है।

झांसा देकर महिला का बैग ले भागा युवक, मामला दर्ज

तालबेहट। मध्य प्रदेश के दतिया जिले की रहने वाली एक वृद्ध महिला को पीलिया की दवा दिलाने का झांसा देकर तालबेहट लाए युवक पर बैग चोरी करने का आरोप लगा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। दतिया निवासी राजवती भदौरिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह वृंदावन स्थित गौरी गोपाल आश्रम में रह रही थीं। वहां उनकी मुलाकात कुलदीप गौर नामक युवक से हुई, जिसने पीलिया की प्रभावी दवा अपने गांव में मिलने की बात कहकर उन्हें तालबेहट क्षेत्र के ग्राम हर्षपुर मजरा दतलन ले आया। महिला का आरोप है कि गांव पहुंचने पर युवक के परिजनों ने बताया कि वहां कोई दवा उपलब्ध नहीं है और कुलदीप ने उनसे झूठ बोला है। महिला के अनुसार गुरुवार सुबह वह अपना सामान लेकर गांव से लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में कुलदीप मिला और बातचीत के दौरान उनका बैग लेकर फरार हो गया। बैग में एक कीपैड मोबाइल फोन, 600 रुपये नकद, सोने की झुमकी तथा कपड़े रखे थे। पीड़िता की शिकायत पर तालबेहट पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरकारी आवास में दारू की बोतलें तोड़कर ब्लाक की इज्जल नीलाम कर रहे तथाकथित ग्राम पंचायत अधिकारी

●कर्मचारी आचरण नियमावली हो रही तार- तार मगर जिम्मेदारों के मुँह पर जड़ा ताला

●बदनामी के छींटों से सराबोर हो रहे बी0 डी0ओ0

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के कप्तानगंज ब्लाक परिसर में बने कर्मचारी आवासों में जिस गति से दारू की बोतलें टूट रही हैं उससे ब्लाक परिसर में संचालित होने वाली गतिविधियों का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है और खुलेआम कर्मचारी आचरण नियमावली को तार- तार होते देख जिम्मेदारों का चुप रहना ब्लाक मुख्यालय सहित जनपद मुख्यालय तक चर्चा का विषय बना हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार कप्तानगंज ब्लाक परिसर में कर्मचारियों का आवास बना हुआ है जिसमें बैठकर ग्राम पंचायत/ग्राम विकास अधिकारी अपनी गतिविधियाँ संचालित करते हैं । यद्यपि कर्मचारी आवासों की स्थिति ठीक नहीं है मगर ज्यादातर ग्राम पंचायत अधिकारी आवास के बहाने उसे अपना कार्यालय बनाए हुए हैं। सरकारी निर्देशों की यदि बात करें तो रोस्टरवार इन ग्राम विकास/ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने सेवित क्षेत्रों में बैठकर जनता की समस्याएं सुनते हुए वहीं से कार्यों का संचालन करना चाहिए मगर कुछ कर्मचारी जो अन्य अनैतिक गतिविधियों में शामिल है गांवों में न जाकर अपने आवासीय कार्यालयों में बैठ कर पैग बनाने व लगाने में व्यस्त रहते हैं। दबी जुबान ही सही कुछ लोग तो यहाँ तक कहते हैं कि इस प्रकार के संचालित हो रहे अनैतिक गतिविधियों का कुछ जनप्रतिनिधि भी अपने स्वार्थ लाभ के चलते खुला समर्थन दे रहे हैं। ब्लाक परिसर में इस प्रकार की गतिविधियों के संचालन के चलते बदनामी के छींटे कुछ सम्मानित लोग भी झेल रहे हैं परन्तु गतिविधियों पर रोक न लगना चिंता का विषय बना हुआ है।

बस्ती मे नग्न अवस्था मे मिली बीडीसी की लाश, जांच मे जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के लालगंज बानपुर मार्ग के किनारे जयरामपुर गांव के एक खेत में बीडीसी का नग्न अवस्था में शव मिला है। घटना स्थल पर एक बीडीसी की बाइक खड़ी मिली है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल की जांच की। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। लालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बृहस्पतिवार की सुबह जयरामपुर व कट्या के ग्रामीणों ने लालगंज बानपुर मार्ग पर एक युवक का नग्न शव देखा तो इसकी सूचना लालगंज पुलिस को दी।

युवक का चेहरा कुचला गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी कर दी। पुलिस ने उसकी पहचान बस्ती कोतवाली के देवरव गांव निवासी मदन जायसवाल 38 वर्ष के रूप में की है। वह डिलिया ग्राम पंचायत में बीडीसी हैं और इसके साथ ही गांव का कोटेदार भी है। मृतक की पत्नी धनलक्ष्मी ने बताया कि उसके पति बुधवार की रात लगभग 9:30 बजे घर से निकले और कहा सुबह आएंगे, लेकिन सुबह के समय उनकी मौत की खबर मिली। एसओ विनय कुमार पाठक ने बताया कि युवक की हत्या कर शव फेंका गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने असम में 'विदेशी' घोषित महिलाओं के निर्वासन पर लगाई रोक, केंद्र से मांगा जवाब

● सुप्रीम कोर्ट ने असम की सालेहा खातून और सरभानु बेगम के निर्वासन पर रोक लगा दी है, जिन्हें 'विदेशी' घोषित कर डिटेंशन सेंटर में रखा गया था. कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने असम की दो महिलाएं सालेहा खातून और सरभानु बेगम के निर्वासन पर रोक लगा दी है. विदेशी घोषित होने के बाद दोनों महिलाओं को डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था. फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने इन दोनों महिलाओं को विदेशी घोषित किया था, जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और कहा कि इन दोनों महिलाओं के खिलाफ अगली सुनवाई तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन पीठ ने की, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी मोहना शामिल थे. कोर्ट ने सालेहा और सरभानु बेगम के अलावा दो और महिलाओं की याचिकाओं पर संज्ञान लिया है. सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर इस संवेदनशील मामले पर जवाब दाखिल करने को कहा है. याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने केंद्र से स्पष्टीकरण मांगा है।

अगली सुनवाई तक नहीं किया जाएगा निर्वासित

अदालत ने अगली सुनवाई 16 जुलाई को तय की है. कोर्ट नें कहा कि यदि सालेहा और सरभानु अभी हिरासत में रहती हैं, तो उन्हें अगली तारीख तक अपने मूल देश नहीं भेजा जाएगा. दरअसल, यह मामला असम के फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल की जांच से जुड़ा है, जिसमें इन महिलाओं को विदेशी घोषित कर दिया गया था. डिटेंशन सेंटर में रखे जाने के बाद, सुप्रीम कोर्ट में इस डिटेंशन के खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी।

हाईकोर्ट ने खारिज की थी आर्जी

सालेहा खातून और सरभानु बेगम ने सरकार द्वारा खुद विदेशी घोषित किए जाने के विरोध में हाईकोर्ट का दरवाजा घटघटाया था, लेकिन उनकी अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी. जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उनके निर्वासन पर रोक लगा दी है.

सालेहा खातून की अर्जी में बताया गया है कि 50 साल की एक गरीब और अशिक्षित महिला हैं, जो 2 मार्च 2026 से असम के गोलपारा डिटेंशन सेंटर में बंद हैं. उन्होंने दावा किया कि उनके पिता अहसान अली और माता कोरपुलजान के नाम 1971 से पहले के मतदाता रिकॉर्ड और हलफ्ट के लीगेसी डेटा में दर्ज हैं. वह अपने आपको भारतीय बताती हैं और इसके लिए उन्होंने सबूत भी पेश किए हैं. उनका कहना है कि उनके ही देश में उन्हें बाहरी बताया जा रहा है. अब सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई पर हैं, जोकि 16 जुलाई को तय की गई है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्लॉक रूपईडीह में हुआ पौधरोपण

गोण्डा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास खंड रूपईडीह परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व खंड विकास अधिकारी विनीत कुमार ने किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा आमजन को भी अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में एडीओ पंचायत गिरिजेश पटेल, एपीओ के.पी. सिंह, सचिव रमेश कुमार, राधे रमण प्रजापति, प्रदीप कुमार, देवेश श्रीवास्तव, विंध्यवासिनी भारती, प्रिंस मिश्रा, रमेश कुमार मिश्रा, अनिल कुमार वर्मा एवं जेई अनिकेत सहित ब्लॉक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।खंड विकास अधिकारी विनीत कुमार ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि मानव जीवन, वन्य जीवों और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने सभी से पौधरोपण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गई। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह पौधरोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज को हरियाली के महत्व का संदेश देने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

शोहरतगढ़ में मनाया गया सीएम योगी का जन्मदिन

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ नगर पंचायत के श्रीराम जानकी मंदिर में शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने मनाया। मुख्यमंत्री के चित्र के सामने केक काटकर खुशियां मनाई और पटाखा फोड़ जय श्रीराम का उदघोष किया। अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि प्रदेश के तेज तर्रार व निर्भीक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में हर वर्ग को लोगों को बिना भेदभाव के लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सूरज निगम, बलिराम मौर्य, बाबा बालकदास, दीपक कौशल, गोलू पासवान, रविन्द्र वर्मा, संजय कसौधन, आशीष गुप्त, सौरभ सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीआईजी संजीव त्यागी ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

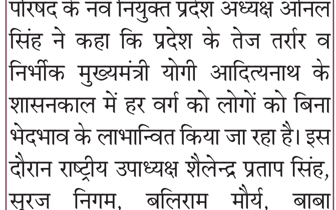

बस्ती। बस्ती जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी ने शुक्रवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत डीआईजी संजीव त्यागी ने क्षेत्राधिकारी सदर तथा एसडीओ की उपस्थिति में जामुन और अशोक के पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण ही प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसके बाद डीआईजी ने पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज तथा मानव संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से वाराह क्षेत्र धाम में आयोजित वृहद वृक्षारोपण एवं जागरूकता शिविर में भी सहभागिता की। वहां उन्होंने पौधरोपण करते हुए उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया और हर व्यक्ति से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।

मालवीय रोड स्थित 7th हेवन रेस्टोरेंट में चल रहे अवैध हुक्का बार पर पुलिस का बड़ा छापा, संचालक समेत तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे हुक्का बारों और नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मालवीय रोड स्थित 7th हेवन रेस्टोरेंट में छापेमारी की। पुलिस ने रेस्टोरेंट के भीतर संचालित हो रहे अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ करते हुए संचालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से भारी मात्रा में हुक्का सामग्री, फ्लेवर्ड तंबाकू और विभिन्न प्रकार के नशीले उत्पाद बरामद किए गए हैं।क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी ने बताया कि जून 2026 को प्राप्त सूचना और नियमित चेकिंग अभियान के दौरान कोतवाली पुलिस टीम ने मालवीय रोड स्थित 7ह्ढ्ढ हेवन रेस्टोरेंट की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि रेस्टोरेंट के अंदर अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा था, जहां ग्राहकों को विभिन्न फ्लेवर वाले तंबाकू उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे परिसर की तलाशी ली और वहां से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित एवं संदिग्ध तंबाकू उत्पाद बरामद किए।छापेमारी के दौरान पुलिस को 15 हुक्का स्टैंड के अलावा 66 एक्सट्रीम फ्लेवर डिब्बे, 16 अलफकीहा खाबो फ्लेवर डिब्बे, 7 अलफकीहा लुस आइस डिब्बे, 67 छोटे पाइप पाउच तथा बड़ी संख्या में विभिन्न ब्रांडों के फ्लेवरयुक्त पैकेट बरामद हुए। बरामद सामग्री में डिबियाई स्पेशल अफजल, स्टारवॉकर रसीलापान, रॉयल स्मोकिंग सुपारी, ब्लू रेस्प ग्रेप आइस, लुस आइस, वाटरमेलन आइस, नाइट क्वीन, व्हाइट रोज, कीवी ब्लास्ट, डबल मिंट, अमेरिकन फ्रिजर, अलादीन ब्रेन फ्रिजर, फ्रूट बॉम्ब और पिंक ग्वावा जैसे फ्लेवर भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कुछ प्रयोग किए हुए फ्लेवर डिब्बे भी मौके से बरामद किए गए।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हुक्का बार के संचालक मोहम्मद आफताब पुत्र मोहम्मद शमीम निवासी कमहरिया थाना कलवारी को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही रेस्टोरेंट में कार्यरत शुभम कन्नौजिया पुत्र सुरेंद्र कन्नौजिया निवासी बाटा गली गांधीनगर तथा सक्षम भारती पुत्र सुनील भारती निवासी शौकत गली गांधीनगर को भी हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद तीनों के विरुद्ध थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 246/2026 पंजीकृत किया गया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 271 तथा तंबाकू अधिनियम की धारा 21 और 22 के तहत कार्रवाई की जा रही

है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में सार्वजनिक स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध कारोबारों के खिलाफ सख्त अभियान जारी है। युवाओं को नशे की ओर आकर्षित करने वाले अवैध हुक्का बारों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद ने किया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अजय सिंह, सुरेंद्र प्रसाद और आनस अख्तर के साथ हेड कांस्टेबल संदीप सिंह तथा कांस्टेबल सौरभ सिंह और अभिषेक वर्मा शामिल रहे। पुलिस टीम की इस कार्रवाई को शहर में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

धनेशा पाठक में युवती का शव फंदे से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। थाना क्षेत्र बाजार शुक्ल के ग्राम धनेशा पाठक में एक विवाहित युवती का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेरणा पाल (पत्नी मनोज पाल), निवासी धनेशा पाठक, दो दिन पूर्व अपने मायके से ससुराल आई थीं। शुक्रवार को उन्होंने घर के एक कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर न निकलने पर परिजनों को आशंका हुई। जब आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। प्रेरणा का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ था।

परिजनों ने तत्काल उन्हें फंदे से उतारकर एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजार शुक्ल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना की सूचना पर तहसीलदार मुसाफिरखाना भी मौके पर पहुंचे और आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाओं की निगरानी की। युवती की असामयिक मृत्यु से परिवार में कोहराम मचा हुआ है तथा गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी हो सकेगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सपा नेता ने किया वृक्षारोपण, दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

मनकापुर गोण्डाः गोंडा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी नेता अब्दुल हफीज मलिक ने गौरा चौकी मदरसा आहयूल उलूम में वृक्षारोपण किया। इस दौरान उनके साथ कई गणमान्य लोग व मदरसा का स्टाफ मौजूद रहा द्य इस अवसर पर सबसे अपील करते हुए सपा नेता ने कहा कि पेड़-पौधे ही धरती का असली श्रृंगार हैं। बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और घटते जलस्तर का एकमात्र समाधान ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना है। उन्होंने कहा कि 'सपा सरकार में हर गांव में 'समाजवादी वन' बनाने की योजना थी। आज भी हमारा संकल्प है- एक व्यक्ति, एक पेड़।' हर परिवार अपने घर में जन्म, शादी या किसी शुभ अवसर पर कम से कम 5 पेड़ जरूर लगाए और उनकी देखभाल अपने बच्चे की तरह करे। इस अवसर पर लतीफ मलिक, सफीउल्लाह, अली हसन, सुनील शर्मा, आकाश श्रीवास्तव, मौलाना अब्दुल रब, मौलाना अहमद, वाजिद, इसरार प्रधान सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दिव्य कलश शोभायात्रा के साथ शुरू हुई नव दिवसीय श्रीराम कथा, भक्तिमय माहौल में उमड़े श्रद्धालु

● गाजे-बाजे व जय श्री राम जयघोष के बीच निकली भव्य शोभायात्रा, जालपा माता मंदिर परिसर में कथा वाचक विपुल जी महाराज के मुखारविंद से होगी कथा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। क्षेत्र के ग्राम पूरे बड़गाईन में पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर आयोजित नव दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे, धार्मिक ध्वजों और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच निकली शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता की। कलश शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल जालपा माता मंदिर परिसर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ कथा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।नव दिवसीय श्रीराम कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक विपुल जी महाराज द्वारा किया जाएगा। कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, धर्म, भक्ति और लोक कल्याणकारी संदेशों का वर्णन किया जाएगा।कार्यक्रम में वेद विभूषण सम्मान से सम्मानित काशी के विद्वान शिवशंकर पांडेय सहित उत्तम शुक्ला ,डॉ. त्रिलोचन शुक्ला, करुणाशंकर शुक्ला, विवेक शुक्ला, कुमुद शुक्ला, जितेन्द्र शुक्ला, संत कुमार दुबे एवं अरुण शुक्ला द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण, वेद पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।आयोजकों ने बताया कि नौ दिनों तक

चलने वाली इस श्रीराम कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कथा के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कार, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के मूल्यों के प्रसार का संदेश दिया जाएगा। उद्घाटन अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कलश यात्रा में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित राम उंजेरे शुक्ला, कुमुद शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा सहित हजारों भक्तगण शामिल हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर मां कालिकन धाम में विशेष पूजन-अर्चन एवं जनसेवा कार्यक्रम आयोजित

● जिला अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, जिला प्रवक्ता सहित वरिष्ठ जनों ने किया वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर जनपद अमेठी में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद के समस्त कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं मातृशक्ति के सम्मान का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कर प्रकृति संवर्धन का संकल्प लिया।इसी क्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर, उत्तर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में पावन माँ कालिकन धाम में वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विशेष पूजन-अर्चन एवं आरती सम्पन्न हुई। उपस्थित जनों ने माँ कालिकन के श्रीचरणों में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी एवं लोककल्याणकारी जीवन हेतु प्रार्थना की।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज सुशासन, सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा समग्र विकास का राष्ट्रीय आदर्श बनकर उभरा है। प्रदेश की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों, तीर्थस्थलों एवं पौराणिक आस्था केन्द्रों को नवीन पहचान प्रदान करने के साथ-साथ सुदृढ़ कानून व्यवस्था एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नवीन आयाम स्थापित कर रहा है। सभी उपस्थित जनों ने कामना की कि वर्ष 2027 में पुनः उनके नेतृत्व में प्रदेश प्रगति, समृद्धि एवं सुशासन के पथ पर अग्रसर रहे।धार्मिक कार्यक्रम के उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने अमेठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचकर उपचाररत मरीजों का कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएँ प्रदान कीं। इस सेवा कार्य ने भारतीय संस्कृति के 'नर सेवा नारायण सेवा' के भाव को पुनः अभिव्यक्त किया।भाजपा जिला प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी मंडलों एवं शक्ति केन्द्रों पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुए। कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु जन-जागरण का भी संकल्प लिया।इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विषुव मिश्रा, मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकेश यादव, मनोज तिवारी, अजय तिवारी, गिरजा शंकर शुक्ला, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जमुहवा में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपणः 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ कार्यक्रम

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बर्डपुर के ग्राम पंचायत जमुहवा में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी अंकित कुमार शुक्ला ने ग्रामीणों को संदेश दिया है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा मां के नाम अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल को अपनी जिम्मेदारी समझें। इस अवसर पर रोजगार सेवक सुनील कुमार श्रीवास्तव, सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हाई मास्क लाइट खराब, कमीशन के चक्कर मे घटिया सामानों की हो रही आपूर्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर पालिका द्वारा लगाए गएहाई मास्क लाइट खराबहो रही कमीशन के चक्कर में सरकार को चूना लगाया जा रहा है बस्ती जिले में कोई ऐसा विभाग नहीं बचा है जहां भ्रष्टाचार ना हो रहा हो देखने में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार राजस्व विभाग उसके बाद पुलिस विभाग विकास विभाग जिले में कोई ऐसा विभाग ना हो जो भ्रष्टाचार से अछूता रह गया हो इस भ्रष्टाचार की आग कब बुझेगी यह कोई नहीं जानता है जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं सवाल यह है कि आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है कमीशन के चक्कर में खरीदे जा रहे प्रोजेक्ट घटिया क्वालिटी के जो 10 से 15 दिन में खराब हो रहे हैं ऐसी स्थिति में कैसे विकास होगा

ताजा मामला बस्ती नगर नगर पालिका का मालवीय रोड स्थित सुबाष चौक पर लगा हाई मास्क लाइट शो पीस बन गया है। महीनो से लाइट नही जल रही है लेकिन जिम्मेदार इसकी अनदेखी कर रहे हैं। हाई मास्क लाइट

लगा तो नागरिकों ने नगरपालिका को धन्यवाद दिया और चौराहे की खूबसूरती को सराहा। अब यही हाई मास्क लाइट आलोचना का कारण बन रही है। नगरपालिका प्रशासन को चाहिये कि खराब पड़ी लाइटों की मरम्मत कराये और जिससे चौराहे पर पर्याप्त प्रकाश हो। नागरिकों का कहना है कि भारी कमीशन लेकर घटिया दर्जे की लाइटें लगवाई गयीं हैं जो दो चार महीने बाद ही जवाब दे जाती हैं। बेहतर होगा गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाये और नागरिक सुविधाओं का अल्पीकरण न हो।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

● विकासखंड शुकुल बाजार परिसर में वरिष्ठ भाजपा नेता, एडीओ पंचायत एवं वरिष्ठ पत्रकार ने किया आम, पीपल, बरगद, पकड़िया और जामुन जैसे वृक्षों का वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को विकास खंड कार्यालय बाजार शुक्ल परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता आदरणीय गिरीश चंद्र शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जनता पार्टी अमेठी मीडिया विभाग के जिला सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा,एडीओ पंचायत आलोक कुमार, ग्राम विकास अधिकारी नीरज कुमार, ग्राम विकास अधिकारी रवि यादव, पत्रकार दीपक पाठक, रजत शुक्ला सहित अन्य गणमान्य लोगों ने सहभागिता करते हुए आम,बरगद, पीपल और पकड़िया जैसे फलदार ,छायादार एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों का रोपण किया।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते वन क्षेत्र के कारण प्रकृति का संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को

पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि मां के प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट करने का भी एक प्रेरणादायी माध्यम है।वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। वृक्ष हमें शुद्ध वायु, छाया, फल, औषधियां तथा प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि केवल वृक्षारोपण ही नहीं, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लें, तभी पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सफल हो सकेगा।एडीओ पंचायत आलोक कुमार ने कहा कि शासन द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियानों को जनभागीदारी से सफल बनाया जा सकता है। ग्राम विकास अधिकारियों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाने और लोगों को जागरूक करने की बात कही।कार्यक्रम के दौरान लगाए गए बरगद, पीपल और पकड़िया के पौधों को भारतीय संस्कृति और पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया। इन वृक्षों से न केवल हरियाली बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र में जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती मिलेगी।वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलरामपुर को दी 293.95 करोड़ की 75 विकास परियोजनाओं की सौगात

● विश्व पर्यावरण दिवस पर हरिशंकरी पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रमेश कुमार यादव

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अनित्य आदित्यनाथ ने शुक्रवार को तहसील तुलसीपुर अंतर्गत ग्राम मध्य नगर बिलोहा में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनपद बलरामपुर को 293.95 करोड़ रुपये लागत की 75 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरिशंकरी (पीपल, पाकड़ एवं बरगद) का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा 'जल है तो कल है' का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की प्रदर्शनी में बच्चों को अन्नप्राशन कराया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया। साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज विकास, सुरक्षा और सुशासन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश के कई जिलों की पहचान दंगों और माफियाओं से होती थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश दंगामुक्त प्रदेश के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने बलरामपुर, गैसड़ी, पचपेड़वा और उतरौला क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब पूरे प्रदेश में शांति और कानून व्यवस्था का वातावरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान निवेश, रोजगार, युवा शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के रूप में हो रही है। उन्होंने बताया कि विकास की प्रक्रिया तभी आगे बढ़ती है जब जनता सही नेतृत्व का चयन करती है। डबल इंजन सरकार किसान, व्यापारी, महिला और युवाओं के लिए लगातार नई सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने तुलसीपुर क्षेत्र के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राप्ती नदी पर मथुरा घाट पुल की मांग वर्षों पुरानी थी, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि तुलसीपुर और बलरामपुर तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर प्रदेश ने विकास की राजनीति को चुना है। अब गरीबों को बिना भेदभाव सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार ने गरीब बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के प्रदूषण और वनों की कटाई के दुष्परिणाम मानव जीवन को भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय नीति आयोग के मानकों में बलरामपुर देश के सबसे पिछड़े जिलों में शामिल था, लेकिन आज यहां बेहतर सड़कें, बिजली, हर घर नल योजना, सरयू राष्ट्रीय परियोजना, मेडिकल कॉलेज, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय तथा थारू संग्रहालय जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं साकार हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इमलिया कोडर में थारू संग्रहालय का निर्माण कराया गया है तथा मां पाटेश्वरी के नाम पर विश्वविद्यालय और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किया गया है। वनटांगिया गांवों के लोगों को आवास और भूमि के पट्टे देकर मुख्यधारा से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बेसिक शिक्षा विभाग में सर्वाधिक नामांकन बलरामपुर जनपद में हुए हैं, जो जिले के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सीमावर्ती जनपद होने के बावजूद बलरामपुर विकास की मुख्यधारा से जुड़कर नए विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। कानून व्यवस्था पर सख्त संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी ने बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने या व्यापारियों को परेशान करने का प्रयास किया तो सरकार उसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए बताया कि बलरामपुर में चीनी मिल के माध्यम से पीएलए प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जहां पर्यावरण अनुकूल जैव अपघटित प्लास्टिक का निर्माण होगा। इससे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के दौरान एवरेस्ट बेस कैंप पहुंचने वाली तीन छात्राओं ने मुख्यमंत्री को मां पाटेश्वरी देवी का चित्र भेंट किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री एवं खाद्य तथा रसद विभाग के मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, देवीपाटन मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, विधायक पल्टूराम, विधायक राम प्रताप वर्मा, पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह 'शैलू', विधान परिषद सदस्य सकेत मिश्रा, विधान परिषद सदस्य अवधेश सिंह 'मंजू', जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू', अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद, आयुक्त दुर्गाशक्ति नागपाल, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

आज भाजपा बरीपाल मंडल की कामकाजी बैठक संपन्न

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत भाजपा मंडल बरीपाल की कामकाजी बैठक भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष पाठक के नेतृत्व में आहुति की गई, जिसमें मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री समर जीत सिंह के द्वारा सभी बूथ अध्यक्षों एवं सेक्टर प्रभारियों को सरकार के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार चर्चा की,और कहां कि अपने बूथों में माह में कम कम से एक बैठक अवश्य किया करें, मौके पर उपस्थित शोभित सेंगर, निरंजन प्रजापति,के के, शुक्ला, विकास मिश्रा,शिव सिंह सेंगर,पवन साहू, गयाप्रसाद निषाद शिवानी शर्मा, रणवीर सचान,प्रदीप अवस्थी,पदम सिंह सचान,शिव मोहन,राकेश सिंह, विनोद निषाद ,राजा सचान, सिद्ध गोपाल तिवारी, अखिलेश सक्सेना,सुनील पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, मंडल प्रभारी द्वारा पार्टी के आगामी अभियानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी, मंडल अध्यक्ष आशीष पाठक द्वारा सभी को धन्यवाद व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्काउट और गाइड द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 के अवसर पर विद्यालय में भारत स्काउट गाइड, जिला संस्था के तत्वावधान में हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी नें एक पेड़ मां के नाम लगाया एवं त्रिदिवसीय पर्यावरण कार्यशाला में बच्चों के द्वारा बेकार चीजों से बनाए गए सुंदर गमले एवं बच्चों द्वारा बनाए गए थैलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 आर.पी. मिश्रा, जिला संरक्षक भारत स्काउट गाइड ने की सभी प्रतिभागी बच्चों को एक-एक पौधा भेंट किया गया। आरती वर्मा को ग्रीन क्लास टीचर का पुरस्कार दिया गया। गीता देवी को बच्चों को प्रेरित करने के लिए पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की मसाल गाइड कंपनी की कप्तान मीता श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के पर्यावरण क्लब की शिक्षिकाएं रेनू वर्मा, डॉ0 सुमन दुबे, गीता देवी एवं हरजीत कौर मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला सचिव अनिल शर्मा विद्यालय के प्रबंधक कृष्ण जीवन रस्तोगी एवं उपाध्यक्ष इंद्रप्रकाश श्रीवास्तव मौजूद रहे। डॉ0 आर पी मिश्रा ने बच्चों के द्वारा बनाए गए सुंदर प्लांटर्स की प्रशंसा की एवं फलदार आम का वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण किया।

मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक मनाया

मिश्रिख सीतापुर- तहसील मिश्रिख में अधिवक्ताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया । तथा मुख्य मंत्री के दीर्घायु स्वास्थ एवं सफल जीवन की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने आशा व्यक्त की है । कि प्रदेश को आगे भी उनका कुशल नेतृत्व मिलता रहेगा। इस अवसर पर अधिवक्ता बृजलाल चौधरी, सुधीर शुक्ल राना, अकरम खान, सौरभ सक्सेना, नरेंद्र प्रताप सिंह, भाष्कर पाण्डेय, गौरव वाजपेयी, प्रेम प्रकाश राजवंशी, पुष्पेंद्र गुप्ता, सत्यप्रकाश अर्कवंशी, गोविंद प्रसाद राजवंशी, अजय पाण्डेय, जय प्रकाश शुक्ल, सूरज शुक्ल, सोनू कुमार, अमित कुमार सहित अनेक अधिवक्ताओं ने मुख्य मंत्री के जन्मदिन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शहीद पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

बिसवां/ सीतापुर- पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, बिसवां के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तहसील परिसर स्थित शहीद पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सुश्री आकांक्षा गौतम, तहसीलदार अनिल कुमार तथा लॉयर्स एसोसिएशन बिसवां के अध्यक्ष आनंद कुमार मेहरोत्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संघ के सचिव नागेंद्र प्रताप, वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेंद्र कुमार बाजपेई,अशोक कुमार वर्मा, राजकिशोर यादव, रामकृष्ण दीक्षित,सुशील शुक्ला, प्रमोद कुमार मिश्रा,अभय अवस्थी,ओम जी,मोहित कश्यप, नावेद सिद्दीकी सहित अनेक वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया।

करोड़ों की सरकारी स्कूल भूमि पर निजी सौदे का आरोप रिकॉर्ड में नहीं दर्ज विद्यालय

● नगर पंचायत अभिलेख में 1.75 लाख कर बकाया

जमीन बचाने को उठी जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के घोषियाना मोहल्ले स्थित राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का पुराना भवन इन दिनों विवादों में घिर गया है। आरोप है कि विद्यालय की करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि को निजी नाम कराने और बेचने का प्रयास किया जा रहा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह भूमि वर्षों पहले शिक्षा के उद्देश्य से दान की गई थी। माना जाता है कि मारवाड़ी समाज के शंकरलाल और शांतिलाल ने वर्ष 1937 के आसपास यह जमीन विद्यालय के लिए दी थी। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। पुराने अभिलेख उर्दू भाषा में हैं जिनका अनुवाद कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक यहां पहले सरकारी प्राथमिक विद्यालय संचालित हुआ। बाद में राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चला। वर्ष 2008 में विद्यालय के इंटर कॉलेज बनने के बाद उसे नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। तब से पुराना भवन खाली पड़ा है। वर्तमान में इसका उपयोग चुनाव के दौरान पोलिंग बूथ और अन्य सार्वजनिक कार्यों में किया जाता है। परिसर में स्थित हनुमान मंदिर भी स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय परिसर में विधायक निधि व जनसहयोग से अतिरिक्त कमरे भी बनवाए गए थे। इस कारण यह परिसर सामाजिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। जिला योजना समिति के सदस्य व सभासद राघवेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि मामले की जांच में यह बात सामने आई है कि तहसील के राजस्व

अभिलेखों में विद्यालय का नाम दर्ज नहीं है। वहीं नगर पंचायत के रिकॉर्ड में भवन दर्ज है और उस पर लगभग 1.75 लाख रुपये गृहकर बकाया बताया गया है। लोगों का कहना है कि करीब 12 बिस्वा भूमि की वर्तमान बाजार कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है। सूत्रों के मुताबिक 22 मई 2026 को इस संपत्ति को लेकर 10 लाख रुपये का एक एग्रीमेंट भी किया गया है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से जांच कराकर भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अवैध कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।

खम्भा गाड़ने को लेकर दो पक्षों मारपीट, पांच घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरेअधीन मजरे पलिया बिरसिंहपुर गांव में बिजली का पोल गाड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासिनी यशोदा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके खेत की मेड़ में लगा बिजली का पोल टूट गया था। उसे दोबारा गाड़ने को लेकर विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि बृहस्पतिवार शाम गांव के ही रामचंद्र, सूरज, संजय, धर्मेंद्र और अनिल कुमार अपने कुछ साथियों के साथ उसके घर पहुंचे। वहां गाली गलौज करते हुए उसके ससुर मोतीलाल के साथ मारपीट करने लगे। शोर सुनकर परिवार के विनोद, मनीष, संजय और बबली बचाने पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें भी पीट दिया। मारपीट में चारों लोग घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पांच नामजद और चार पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

धेमाजी के डेकापाम में रेलवे लाइन पर हुए भयानक हादसा, मौके पर एक महिला की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आज दुपहर 2 बजे असम धेमाजी जिले की डेकापाम में लिडू- मुर्कोंगसेलेक डेमो ट्रेन पार करते समय एक भयानक दुर्घटना हुई। खबर अनुसार एक बोलने वाहन ने खुले रेल क्रॉसिंग पार करने की कोशिश करते समय ट्रेन ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतना भयानक था कि बोलेनो वाहन को 50 मीटर तक घसीट कर ले गया। मौके ही बर्दातात पर रीवा उपाधि के एक महिला की गाड़ी के अंदर ही मृत्यु हो जाते है। गंभीर रूप से घायल चालक को स्थानीय लोगों की मदत से अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि गाड़ी चालक ओर सवारी दोनों नज़दीक के अरुणाचल प्रदेश के ताजगांव के निवासी है। स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद वाहन को रेल लाइन से हटाकर लाइन मुक्त कर ट्रेन आवागमन के व्यवस्था किया गया। लोगों ने रेल विभाग से लिडू- मुर्कोंगसेलेक ट्रेन का अनियमित समय पर सवाल खड़े कर रहे ओर खुले क्रॉसिंग को बंद करने के लिए विभाग से अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बम्हनावा केंद्र में सामूहिक पौधारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रेउसा ,बम्हनावा — विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्लॉक रेउसा के बम्हनावा स्वास्थ्य केंद्र में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र की सीएचओ, एएनएम, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मिलकर पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल की। सुबह करीब 10 बजे केंद्र परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने एक स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यकर्ताओं ने एक पौधे को सामूहिक रूप से रोपित किया और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर प्रयास का विषय है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर पेड़ लगाने, जल संरक्षण और स्वच्छता जागरूकता फैलाने जैसे

कार्यों को बढ़ावा देने की बात कही। सीएचओ शिल्पी सिंह ने कहा, 'विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सबका यह छोटा सा प्रयास प्रकृति के संरक्षण में हमारी भागीदारी को दर्शाता है। आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी बहनों के साथ मिलकर हम समुदाय को जागरूक करने का प्रयास करेंगे। ' यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक रहा है। स्वास्थ्य विभाग की इन कर्मियों ने सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए अन्य नागरिकों से भी पौधारोपण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

28 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेली- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार, संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन एव उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के कुशल मार्गदर्शन मे अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में ,आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 3 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील लालगंज के थाना खीरों अंतर्गत ग्राम महारानी गंज एवं नन्दा खेड़ा में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 28 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 150 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए ।जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आईएमआरटी बिजनेस स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 5 जून 2026 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईएमआरटी बिजनेस स्कूल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी श्री राजीव कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास तथा वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में श्री कुमार ने पर्यावरणीय जागरूकता के वैश्विक इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1972 में आयोजित स्टॉकहोम सम्मेलन ने पर्यावरण संरक्षण को वैश्विक विमर्श का प्रमुख विषय बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरणीय नीतियों एवं सहयोग की मजबूत नींव रखी। उन्होंने भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्यायालय के विभिन्न निर्देशों और हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप अनेक पर्यावरणीय कानूनों एवं नीतियों को मजबूती मिली है। उन्होंने भारतीय संविधान के राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों (डीपीएसपी) तथा नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी है। कॉर्पोरेट क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज व्यवसायिक संस्थान पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति अधिक सजग हो रहे हैं तथा अपनी कार्यप्रणाली में सतत विकास के सिद्धांतों को शामिल कर रहे हैं। तेजी से बढ़ती जनसंख्या और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को पर्यावरणीय क्षरण का प्रमुख कारण बताते हुए उन्होंने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने दैनिक जीवन में 'रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल' के सिद्धांतों को अपनाने तथा 'यूज़ एंड थ्रो' संस्कृति से दूर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका कुमार ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। यह संवादात्मक सत्र अत्यंत

ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर आईएमआरटी बिजनेस स्कूल के चेयरमैन डी.आर. बंसल, आईएफएस (सेवानिवृत्त) तथा निदेशक प्रो. शिल्पिका पांडेय ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आईएमआरटी बिजनेस स्कूल ने पर्यावरणीय जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया और विद्यार्थियों को हरित एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित किया। 'आज प्रकृति की रक्षा करें, ताकि कल का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध हो। '

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ में एक संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 5 जून 2026 विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ में एक विशेष व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इस वर्ष की वैश्विक थीम 'Inspired by NatureÑ For Climate, For Our Future' की पृष्ठभूमि में किया गया, जिसमें प्रकृति से प्रेरणा लेकर जलवायु संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रो. भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), एसएमएस लखनऊ ने कहा कि वर्तमान समय में मानवता को पर्यावरणीय चुनौतियों का गंभीरता से पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि वनों की अंधाधुंध कटाई, हाइड्रोकार्बन ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन, ग्लेशियरों का तीव्र पिघलना तथा विनाशकारी चक्रवातों और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। इसके परिणामस्वरूप अत्यधिक गर्मी की लहरें (हीटवेव), अनियंत्रित वर्षा, तेज हवाएं एवं धूल भरी आंधियां जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, जो मानव जीवन एवं जैव विविधता दोनों के लिए खतरा बनती जा रही हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा व्यापक वृक्षारोपण अभियान, रूफटॉप सोलर ऊर्जा प्रणाली के माध्यम से 100 प्रतिशत हरित परिसर की स्थापना, अपशिष्ट प्रबंधन तथा जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण (Water Recharge) जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इन उत्कृष्ट प्रयासों के लिए संस्थान को तीन बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त हो चुका है। उन्होंने सभी से इन प्रयासों को आगे भी जारी रखने का आह्वान किया। संस्थान के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शरद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भविष्य में

संस्थान शोध एवं नवाचार के माध्यम से ऐसे समाधान विकसित करने की दिशा में कार्य करेगा, जिनसे प्रदूषण-मुक्त वायु और स्वस्थ जीवन के लिए बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके। एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण किसी विकल्प का विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। डीन-छात्र कल्याण, डॉ. पी.के. सिंह ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आग्रह करते हुए कहा कि पेड़-पौधे ही स्वच्छ एवं सांस लेने योग्य वायु प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुरः मेरा युवा भारत, सीतापुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में सैक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया और 'पर्यावरण बचाओ, धरती बचाओ' के नारे लगाए। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व, इतिहास तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, स्पेल बी प्रतियोगिता और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में अर्पिता सिंह ने प्रथम स्थान, देवराज शुक्ला ने द्वितीय स्थान तथा शोभित अवस्थी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सिद्धार्थ राठौर प्रथम, ऋतिक गुप्ता द्वितीय और अपर्णा ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे। स्पेल बी प्रतियोगिता में आयुषी ने प्रथम, अंशुल ने द्वितीय तथा आदित्य ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकला मिश्रा, डॉ. राजेश श्रीवास्तव तथा असिस्टेंट प्रोफेसर उमंग अरोड़ा द्वारा किया गया। विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र डॉ. फादर सजिमोन फिलिप तथा जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा द्वारा प्रदान किए गए। अंत में जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना, सीतापुर तथा सैक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुआ।

वृक्ष धरा का भूषण हैः-कमाल अहमद सिद्दीकी

बिसवां (सीतापुर)। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिसवां वन रेंज में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन निकटवर्ती भिनैनी गांव में किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा द्वारा त्रिवेनी वृक्षों का रोपण किया गया साथ ही भिनैनी गांव को प्लास्टिक मुक्त करने के उद्देश्य से विधायक निर्मल वर्मा एवं वन क्षेत्राधिकारी अहमद कमाल सिद्दीकी द्वारा लोगों को जूट एवं कपड़े के थैलों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान एवं अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा भी शोभाकार, औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया।आज ही 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान की शुरुआत भी की गई। वन क्षेत्राधिकारी ने पर्यावरण बचाने के लिए सभी से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक के उपयोग से बचें। नदियों, तालाबों को प्रदूषणमुक्त रखें तथा जल संरक्षण करें यह जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बड़े पैमाने पर फेरबदलः पारदर्शी तबादला नीति पर उठे सवाल, क्या रसूखदारों को मिल रहा संरक्षण?

● .....पश्चिमी जोन में उपनिरीक्षकों के ट्रांसफर से जहां जनता में कानून व्यवस्था सुधरने की उम्मीद जगी, वहीं बाजार खाला कोतवाली में वर्षों से जमे सिपाहियों को लेकर प्रशासनिक निष्पक्षता पर खड़े हुए गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के पश्चिमी जोन में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से एक बार फिर बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी जोन) द्वारा 04 जून 2026 को जारी की गई आधिकारिक स्थानांतरण सूची के तहत कई उपनिरीक्षकों और मुख्य आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनातियों पर भेजा गया है। उच्च अधिकारियों के इस कदम का स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग ने खुले दिल से स्वागत किया है। जनता का मानना है कि लंबे समय से एक ही जगह जमे अधिकारियों के हटने से न सिर्फ थानों की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा, बल्कि आम जनमानस में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। इसे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बेहद सकारात्मक और कड़ा फैसला माना जा रहा है। हालांकि, जहां एक तरफ इन तबादलों को लेकर पुलिस महकमे और जनता में संतोष का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ इस पूरी प्रक्रिया ने विभागीय नीति और उसकी निष्पक्षता पर कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। स्थानीय सूत्रों और क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का दावा है कि लखनऊ की सुप्रसिद्ध बाजार खाला कोतवाली में कई ऐसे महिला और पुरुष सिपाही (आरक्षी) तैनात हैं, जिन पर यह स्थानांतरण नीति पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है। बताया जा रहा है कि ये खास पुलिसकर्मी देश में लगे कोरोना लॉकडाउन के समय से ही, यानी पिछले कई वर्षों से, इसी एक थाने में 'अंगद की तरह पैर जमाए' बैठे हैं। जबकि नियमतः एक निश्चित समयावधि के बाद पुलिसकर्मियों का पटल या थाना परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए, लेकिन इन सिपाहियों के मामले में नियमों को ताक पर रख दिया गया है।

जनता का सवालः 'जब हर स्तर पर नियमित और पारदर्शी तबादले किए जा रहे हैं, तो बाजार खाला कोतवाली में बरसों से जमे इन खास पुलिसकर्मियों पर मेहरबानी की वजह क्या है? '

इस विसंगति को लेकर अब स्थानीय जनता और महकमे के भीतर ही तीखी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। लोग सीधे तौर पर उच्च अधिकारियों की मजबूरी और मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर इन पुलिसकर्मियों को वर्षों से एक ही थाने में बनाए रखने के पीछे क्या कोई बड़ा राजनीतिक दबाव काम कर रहा है, या फिर इसके पीछे किसी रसूखदार का प्रशासनिक वर्चस्व है? स्थानीय लोगों का स्पष्ट मानना है कि यदि शासन और प्रशासन की तबादला नीति वास्तव में पारदर्शी और ईमानदार है, तो इसे बिना किसी भेदभाव के सभी छोटे-बड़े पुलिसकर्मियों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। 'अपनों को राहत और दूसरों को आफत' वाली यह नीति पुलिस की छवि को धूमिल करती है। अब देखना यह होगा कि क्या लखनऊ पुलिस के आला अधिकारी इस विसंगति का संज्ञान लेकर कोई ठोस और निष्पक्ष कदम उठाते हैं, या फिर जनता के ये सुलगते सवाल हमेशा की तरह फाइलों के नीचे दबकर रह जाएंगे।

जीत वेलफेयर फाउंडेशन व कलम शक्ति ट्रस्ट ने चलाया वृहद वृक्षारोपण अभियान

● 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जीत वेलफेयर फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश, कलम शक्ति ट्रस्ट एवम् जागेश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में लालगंज क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत नवीन मंडी स्थल एवं कोतवाली परिसर, लालगंज सहित विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 09 बजे हुआ, जिसमें दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में पौधे रोपे। इस अवसर पर 'एक व्यक्ति-एक पौधा' तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया। जीत वेलफेयर फाउंडेशन के संस्थापक/अध्यक्ष जितेन्द्र सविता (पत्रकार) ने कहा कि संस्था विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल जीवन का आधार हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करने का सबसे प्रभावी माध्यम भी हैं। वहीं कलम शक्ति ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह (पत्रकार) ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे व्यापक वृक्षारोपण अभियान का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में करोड़ों पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी लक्ष्य को साकार करने तथा पर्यावरण संरक्षण की जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थाओं द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ भविष्य के संदेश के साथ हुआ। संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और हरित भारत प्रदान किया जा सकता है।

भारत और वेनेजुएला के संबंधों की नई दिशा

भारत और वेनेजुएला के बीच संबंध कई दशकों पुराने हैं और समय के साथ इनका दायरा लगातार बढ़ता गया है। ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, खनिज संसाधन, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी मजबूत होती रही है। हाल ही में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल डिक्ले रोड्रिक्यूज की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र के साथ उनकी बैठक ने एक बार फिर दोनों देशों के संबंधों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों की तलाश कर रहा है और वेनेजुएला अपने विशाल प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को और मजबूत करना चाहता है।

भारत और वेनेजुएला के राजनयिक संबंध वर्ष 1959 में स्थापित हुए थे। तब से दोनों देशों के बीच मित्रतापूर्ण संबंध बने हुए हैं। हालांकि भौगोलिक दूरी काफी अधिक है और दोनों देश अलग-अलग महाद्वीपों में स्थित हैं, फिर भी आर्थिक हितों और विकासशील देशों की साझा चिंताओं ने उन्हें एक-दूसरे के करीब रखा है। भारत ने हमेशा वेनेजुएला को लैटिन अमेरिका के एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा है, जबकि वेनेजुएला ने भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति माना है।

वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देशों में शामिल है। इसी कारण भारत और वेनेजुएला के संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण आधार ऊर्जा क्षेत्र रहा है। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है और अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित तेल से पूरा करता है। दूसरी ओर वेनेजुएला के पास विशाल कच्चे तेल के भंडार हैं। इसी कारण दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग वर्षों से आर्थिक संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना हुआ है।

भारत की सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की तेल कंपनियां लंबे समय से वेनेजुएला के साथ व्यापार करती रही हैं। भारत के लिए वेनेजुएला केवल तेल का स्रोत नहीं बल्कि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण विकल्प भी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत अपनी नीति के अनुसार विभिन्न देशों से तेल खरीदता है ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता न रहे। हाल के वर्षों में भारत ने वेनेजुएला से तेल आयात बढ़ाया है और यह देश भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हुआ है।

ऊर्जा क्षेत्र के अलावा अब दोनों देश अपने संबंधों को नए क्षेत्रों तक विस्तारित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हाल की उच्चस्तरीय बातचीत में क्रिटिकल मिनरल्स यानी महत्वपूर्ण खनिजों पर विशेष जोर दिया गया। आधुनिक तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था में लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। इनका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों, रक्षा उपकरणों और उन्नत औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में होता है। भारत हरित ऊर्जा और तकनीकी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए ऐसे खनिजों की उपलब्धता उसके लिए रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

वेनेजुएला केवल तेल ही नहीं बल्कि सोना, हीरा और अनेक अन्य खनिज संसाधनों से भी समृद्ध है। इसी कारण भारत वहां खनन और खनिज क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। यदि दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ता है तो इससे भारत को आवश्यक संसाधन प्राप्त होंगे और वेनेजुएला को निवेश तथा तकनीकी सहयोग मिलेगा।

भारत और वेनेजुएला के बीच व्यापारिक संबंधों में फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत विश्व का प्रमुख जेनेरिक दवा उत्पादक देश है और उसकी दवाएं गुणवत्ता तथा किफायत दोनों के लिए जानी जाती हैं। वेनेजुएला सहित लैटिन अमेरिकी देशों में भारतीय दवाओं की अच्छी मांग है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में भारतीय दवा कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसी कारण दोनों देशों ने फार्मा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की है।

भारत से वेनेजुएला को मुख्य रूप से दवाएं, ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, रसायन, मशीनरी, कपड़ा उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और विभिन्न औद्योगिक उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। भारतीय कंपनियों ने अपनी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण वेनेजुएला के बाजार में अच्छी पहचान बनाई है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स और वाहन क्षेत्र में भारतीय उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर भारत वेनेजुएला से मुख्य रूप से कच्चा तेल आयात करता है। इसके अलावा पेट्रोलियम उत्पाद, कुछ खनिज संसाधन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का भी आयात किया जाता है। वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था लंबे समय तक तेल पर आधारित रही है और भारत उसके लिए एक महत्वपूर्ण ग्राहक रहा है। ऊर्जा व्यापार दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की रीढ़ माना जाता है।

दोनों देशों के संबंध केवल व्यापार और ऊर्जा तक सीमित नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी दोनों देशों के बीच सहयोग देखने को मिलता है। विकासशील देशों के हितों की रक्षा, वैश्विक आर्थिक असमानताओं को कम करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की सोच में काफी समानता है। इसी कारण वे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संवाद और सहयोग बनाए रखते हैं। हाल के वर्षों में भारत ने लैटिन अमेरिका के देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की नीति अपनाई है। इस क्षेत्र में वेनेजुएला एक महत्वपूर्ण देश माना जाता है।

प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, रणनीतिक स्थिति और आर्थिक संभावनाओं के कारण भारत वहां दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करना चाहता है। वहीं वेनेजुएला भी एशिया में अपने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों का विस्तार करने के लिए भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखता है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की भारत यात्रा ने यह संकेत दिया है कि दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के इच्छुक हैं। ऊर्जा, खनिज, फार्मा, ऑटोमोबाइल और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध भी दोनों देशों को जोड़ते हैं। रोड्रिगेज का आंध्र प्रदेश स्थित स्ह्ढ स्ड्डह्ल्ढ4ड्ड स्ड्डढ ह्यढ्ढह्ल्ड्डढ जाने का कार्यक्रम इसी मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक माना जा रहा है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऊर्जा सुरक्षा और संसाधनों तक पहुंच किसी भी देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और वेनेजुएला के बीच बढ़ता सहयोग इसी आवश्यकता को दर्शाता है। दोनों देशों के पास एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है। भारत के पास तकनीक, उद्योग, दवा निर्माण और विशाल बाजार है जबकि वेनेजुएला के पास ऊर्जा और खनिज संसाधनों का बड़ा भंडार है। ऐसे में यह साझेदारी आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत हो सकती है। कुल मिलाकर भारत और वेनेजुएला के संबंध छह दशकों से अधिक पुराने विश्वास, सहयोग और साझा हितों पर आधारित हैं। आज जब दोनों देश ऊर्जा, खनिज और व्यापार के नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं तब यह संबंध केवल तेल व्यापार तक सीमित नहीं रह गया है। भविष्य में निवेश, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और औद्योगिक सहयोग के नए आयाम दोनों देशों की मित्रता को और सशक्त बना सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत

रील की लत से बीमार होता युवा

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

सोशल मीडिया पर रील का बुखार दिन रात बढ़ता जा रहा है ऐसे में वो युवा वर्ग जिसने रील को ही अपना कैरियर मान लिया है बीमार होता जा रहा, 15 सेकंड की रील के कारण अनगिनत बीमारी का शिकार होता जा रहा है। इस पर शीघ्र ही प्रभावी कदम उठाने होंगे नहीं तो स्थिति आगे चलकर बहुत बिगड़ सकती है। पहले हम खाना खाते वक्त बात करते थे। अब खाना ठंडा हो जाता है, लेकिन रील नहीं रुकती। 15 सेकंड की वीडियो ने युवा दिमाग को ऐसे पकड़ा है कि घंटों निकल जाते हैं और पता भी नहीं चलता। रील्स डोपामिन का शॉर्टकट हैं। हर नई वीडियो पर दिमाग को छोटा सा 'रिवॉर्ड' मिलता है। असल जिंदगी की मेहनत वाले काम - पढ़ाई, प्रोजेक्ट, रिश्ते - में रिजल्ट देर से मिलता है। दिमाग आसान वाला रास्ता चुन लेता है। ध्यान का बिखराव- 2 मिनट से ज्यादा एक काम पर टिकना मुश्किल लगने लगता है। नींद का बिगड़ना रात 2 बजे तक स्क्रॉल करना और सुबह उठ न पाना आम हो गया है **तुलना का जहर-** दूसरों की हाईलाइट रील देखकर अपनी जिंदगी फीकी लगने लगती है। लक्षण जो दिखने लगे हैं- यह सिर्फ 'टाइम वेस्ट' नहीं रहा। अब ये मानसिक सेहत पर दिखने लगा है। बिना वजह चिड़चिड़ापन और बेचैनी जब फोन पास न हो- अकेले बैठे रहना, दोस्तों से मिलने का मन न करना -पढ़ाई या काम में रुचि कम होना, प्रोक्रास्टिनेशन बढ़ना, आत्मविश्वास में गिरावट क्योंकि हर कोई 'परफेक्ट' लग रहा है। कई युवा खुद कहते हैं- 'पता है नुकसान हो रहा है, पर छोड़ नहीं पाता'। यही लत की निशानी है। अगर तुमने एक बार सैड वीडियो देखी, तो अगले 20 वीडियो उसी मूड की होंगी। तुम्हारा कंट्रोल कम, प्लेटफॉर्म का कंट्रोल ज्यादा।

दूसरा कारण है खालीपन। असली उपलब्धि, मेहनत, बातचीत में टाइम लगता है। रील्स तुरंत एंटरटेनमेंट देती हैं। खाली दिमाग सबसे पहले वहीं जाता है। इससे निकलने का रास्ता बहुत ही आसान है लेकिन लोग प्रयास ही नहीं करते। पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं, पर कंट्रोल वापस लेना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को देखो- फोन में ही पता चल जाता है कितना वक्त जा रहा है। नंबर देखकर झटका लगता है। रील के लिए टाइम फिक्स करो- दिन में 20 मिनट, बस। बाकी टाइम ऐप लॉक कर दो। रिप्लेसमेंट ढूंढो- जो खालीपन रील भरती है, उसे किताब, जिम, दोस्ती, कोई स्किल से भरो। खाली मत छोड़ो।

नोटिफिकेशन बंद करो- हर नॉटिफिकेशन दिमाग को खींचता है। हिम्मत करके बंद कर दो। हाथ से फोन दूर रखो सोने से 1 घंटा पहले और उठने के 1 घंटे बाद फोन मत छुओ। इसके लिए अपने आप से ही सवाल करना होगा। रील देखकर तुम्हें क्या मिल रहा है?1 घंटे बाद कैसा महसूस होता है- रिलैक्स या खालीपन। अगर जवाब 'खालीपन' है, तो समझो ये एंटरटेनमेंट नहीं, एस्केप है। दिमाग एक मसल है। अगर तुम उसे सिर्फ 15 सेकंड के शॉट्स खिलाओगे, तो वो लंबी रेस नहीं दौड़ेगा। कॉलेज, करियर, रिश्ते- सब लंबी रेस हैं।

रील बुरा नहीं है। बुरा है जब रील तुम्हारी जिंदगी चला रही हो। कंट्रोल वापस लो, वरना 5 साल बाद पछतावा ज्यादा और समय कम बचेगा। तुम्हारे हिसाब से रील्स पर सबसे ज्यादा टाइम कहां चला जाता है- एंटरटेनमेंट, इंफो, या बस स्क्रॉल करने की आदत में। आज के दौर में सोशलमीडिया पर मानसिक स्वास्थ्यक्षको लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। मनोवैज्ञानिक बातों को रील के जरिये 30 सेकंड के वायरल कंटेंट में बदल दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका नतीजा यह हो रहा है कि युवा पीढ़ी थेरेपी स्पीक में घिरती चली जा रही है, लेकिन असली खतरनाक है 30 सेकंड की रील थेरेपी विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया पर 30 सेकंड की रील देखने या इंस्टाग्राम पोस्ट को कोट करने से किसी व्यक्ति की मानसिक परेशानी या अंदर की भावनात्मक उलझन ठीक नहीं हो जाती। रील ने गंभीर मनोवैज्ञानिक बातों को एक बिकने वाली चीज बना दिया है। भावनात्मक समझ के मामले में वे कमजोर होते जा रहे हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने 1,055 जेन-जी पर एक सर्वे किया गया। इसमें हर चार में से एक युवा ने माना कि एक महीने में उनके अच्छे दिनों के मुकाबले बुरे दिन ज्यादा होते। हैं। काम करने वाले लगभग 40 फीसदी युवा यह स्वीकार करते हैं कि उन्हें हर हफ्ते कई बार गंभीर चिंता या डिप्रेशन के लक्षण महसूस होते हैं। पिछली पीढ़ियों के मुकाबले आज के युवाओं में तनाव या अवसाद की बात खुलकर स्वीकार करने और मदद मांगने की। संभावना सबसे ज्यादा देखी गई है।

अब यह तस्वीर बदलनी चाहिए। (बालिका शिक्षा अधूरी, दहेज दानव विकराल)

नसमय बदला, तकनीक बदली, जीवन-शैली बदली, बाजार बदला और फैशन भी बदल गया। महिलाओं को उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों और प्रदर्शन की वस्तु के रूप में प्रस्तुत करने के नए-नए तरीके खोज लिए। किंतु दुखद प्रश्न यह है कि क्या समाज की मूलभूत सोच बदली? क्या बालिका शिक्षा शत-प्रतिशत हो गई? क्या दहेज प्रथा समाप्त हो गई? क्या स्त्री उत्पीड़न इतिहास बन गया? दुर्भाग्य से इन प्रश्नों का उत्तर आज भी नकारात्मक है। अनेक समस्याएँ आज भी यथावत बनी हुई हैं, बल्कि कई मामलों में उन्होंने और अधिक विकराल रूप धारण कर लिया है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति अभी भी अपेक्षित सम्मान और अवसरों से काफी दूर दिखाई देती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में सुधार तो हुआ है, किंतु वह इतना व्यापक नहीं है कि समाज को संतोष हो सके।

हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि शिक्षा का प्रसार होगा तो समाज की कुरीतियाँ स्वतः समाप्त हो जाएँगी। स्त्रियाँ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगी और बेटी को बोझ नहीं, अवसर माना जाएगा। कुछ क्षेत्रों में प्रगति अवश्य हुई है, किंतु धरातल पर तस्वीर अभी भी अधूरी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर लगभग 46.4 प्रतिशत तक पहुँचा है, जो पहले 41 प्रतिशत था। यह सुधार उत्साहजनक है, किंतु इसका अर्थ यह भी है कि आधी से अधिक महिलाएँ अभी भी दस वर्ष की बुनियादी शिक्षा से वंचित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में असमानता का एक कारण बाल विवाह, गरीबी, सामाजिक रूढ़ियाँ तथा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी हैं। अनेक परिवार आज भी पुत्र की शिक्षा को निवेश और पुत्री की शिक्षा को व्यय मानते हैं। यही सोच आगे चलकर दहेज जैसी कुप्रथा को जन्म देती और इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा और आधुनिकता के दावों के बीच दहेज का दानव आज भी जीवित है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत 15,489 मामले दर्ज किए गए तथा दहेज से संबंधित घटनाओं में 6,156 महिलाओं की मृत्यु हुई। अर्थात प्रतिदिन लगभग 17 महिलाओं ने दहेज की कीमत अपने जीवन से चुकाई। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की व्यापक तस्वीर भी चिंता उत्पन्न करती है। वर्ष 2023 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध लगभग 4.48 लाख अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे बड़ी संख्या पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों की रही, जो कुल अपराधों का लगभग 30 प्रतिशत है।

यह स्थिति केवल आँकड़ों की कहानी नहीं है; यह उन लाखों बेटियों, बहनों और माताओं की पीड़ा का दस्तावेज है जो आज भी भेदभाव, हिंसा और असमानता का सामना कर रही हैं।

समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले ने कहा था यदि तुम शिक्षित हो जाओगे तो तुम्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा।

वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर का प्रसिद्ध कथन है कि किसी समाज की प्रगति का आकलन उसकी महिलाओं की प्रगति से किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जिस राष्ट्र ने अपनी स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सीखा, वह कभी महान नहीं बन सकता। क्योंकि केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि बालिका शिक्षा को सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और समान अवसरों से जोड़ा जाए। जब तक बेटी को परिवार की उत्तराधिकारी नहीं माना जाएगा, जब तक विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम समझा जाएगा, तब तक दहेज की मानसिकता समाप्त नहीं होगी।

विडंबना यह है कि एक ओर हम महिला सशक्तिकरण के नारे लगाते हैं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान चलाते हैं, महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, दूसरी ओर कन्या के जन्म पर चिंता और विवाह के समय दहेज की चर्चा अभी भी अनेक घरों में सामान्य बात मानी जाती है। यह दोहरा सामाजिक चरित्र हमारी सबसे बड़ी चुनौती है।

आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की है। विद्यालयों में लैंगिक समानता के संस्कार, परिवारों में बेटियों के प्रति समान व्यवहार, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, दहेज लेने-देने वालों का सामाजिक बहिष्कार तथा पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान ही वास्तविक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

यदि हम सचमुच विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि बालिका शिक्षा, स्त्री सम्मान और दहेज उन्मूलन केवल महिला मुद्दे नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रश्न हैं। जिस दिन हर बेटी निर्भय होकर शिक्षा प्राप्त करेगी, अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकेगी और विवाह दहेज नहीं बल्कि समानता, सम्मान और प्रेम पर आधारित होगा, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में आधुनिक, प्रगतिशील और सभ्य समाज कहलाने के अधिकारी होंगे। अब समय की आवश्यकता यह है कि हम केवल परिवर्तन की प्रतीक्षा न करें, बल्कि स्वयं परिवर्तन बनें। क्योंकि बेटी का सम्मान ही समाज का सम्मान है, और स्त्री की प्रगति ही राष्ट्र की वास्तविक प्रगति है।

संजीव ठाकुर

रस्मअदायगी नहीं, जिम्मेदारी: भीषण गर्मी में पौधारोपण क्यों बन जाता है औपचारिकता?

हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रमों की भरमार दिखाई देती है। सरकारी कार्यालयों से लेकर सामाजिक संगठनों तक, हर जगह पौधे लगाए जाते हैं और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं। लेकिन इस वर्ष कानपुर समेत पूरे उत्तर भारत में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है और लू के थपेड़े लोगों का जीना मुश्किल कर रहे हैं।

ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या इस भीषण गर्मी में लगाए गए नन्हे पौधे जीवित रह पाएंगे? वास्तविकता यह है कि बिना नियमित सिंचाई और देखभाल के अधिकांश पौधों का जीवित रहना बेहद कठिन है। केवल फोटो खिंचवाने या औपचारिकता निभाने के लिए पौधे लगाना पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि पौधों के साथ अन्याय है। यदि पौधा लगाने के बाद उसकी देखभाल नहीं की जाती, तो वह कुछ ही दिनों में सूख जाता है और पूरा प्रयास निरर्थक हो जाता है। इसी जमीनी सच्चाई को ध्यान में रखते हुए 'द कानपुर रिपोर्टर' की टीम ने निर्णय लिया है कि हम दिखावटी पौधारोपण से दूर रहेंगे और मानसून का इंतजार करेंगे। वर्षा ऋतु की पहली फुहार के साथ हमारी टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कम से कम 50 छायादार एवं फलदार पौधे लगाएगी। इतना ही नहीं, हम इन पौधों के बड़े होने तक उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

आज समाज में अधिकांश लोग अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, बैंक बैलेंस और संपत्ति जुटाने में पूरा जीवन लगा देते हैं। लेकिन शायद ही कोई उनके लिए स्वच्छ पर्यावरण और शुद्ध हवा की व्यवस्था करने के बारे में गंभीरता से सोचता है। यदि आने वाली पीढ़ी को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा ही उपलब्ध नहीं होगी, तो धन-संपत्ति का महत्व भी सीमित रह जाएगा।

एक पेड़ केवल छाया ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन, स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित भविष्य भी प्रदान करता है। इसलिए इस मानसून केवल पौधा लगाने का संकल्प न लें, बल्कि उसे वृक्ष बनाने की जिम्मेदारी भी स्वीकार करें।

स्वतंत्र प्रभात कानपुर टीम की अपील

इस मानसून दिखावे से दूर रहें। अपने घर, मोहल्ले, विद्यालय, कार्यालय या आसपास उपलब्ध स्थानों पर ऐसे पौधे लगाएं जो भविष्य में घने छायादार और फलदार वृक्ष बन सकें। आने वाली पीढ़ी को विरासत में केवल कंक्रीट के मकान नहीं, बल्कि एक हरा-भरा और स्वस्थ भविष्य भी दें।

टीम, स्वतंत्र प्रभात

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंग: लाल 7 **शुभ अंक:** 9

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
शुभ रंग: सफेद 7 **शुभ अंक:** 6

मिथुन करियर में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। मित्रों से लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। यात्रा का योग बन सकता है।
शुभ रंग: हरा 7 **शुभ अंक:** 5

कर्क कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंग: सिल्वर 7 **शुभ अंक:** 2

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।
शुभ रंग: सुनहरा 7 **शुभ अंक:** 1

कन्या अनावश्यक विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता बनी रहेगी।
शुभ रंग: हरा 7 **शुभ अंक:** 7

तुला दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
शुभ रंग: गुलाबी 7 **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक कामकाज में व्यस्तता बढ़ेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं।
शुभ रंग: मरून 7 **शुभ अंक:** 9

धनु विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन अच्छा है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।
शुभ रंग: पीला 7 **शुभ अंक:** 3

मकर घर-परिवार से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं।
शुभ रंग: नीला 7 **शुभ अंक:** 8

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटी यात्राएं लाभदायक हो सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंग: आसमानी 7 **शुभ अंक:** 4

मीन आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।
शुभ रंग: पीला 7 **शुभ अंक:** 3

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं।

भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है।

दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है। दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है।

ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है।

चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं।

इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके।

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना

पडरौना, कुशीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा नेता एवं नामित सभासद नीरज सिंह बिट्टू के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केक काटकर मुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। महिला थाना के समीप आयोजित कार्यक्रम में फलदार, औषधीय एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सीता अशोक, चम्पा, मौलश्री तथा आम के पौधे लगाए गए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। भाजपा नेता नीरज सिंह बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा मातृ शक्ति सम्मान के साथ आगे बढ़कर नया इतिहास रच रही है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर रतन श्रीवास्तव, पीयूष मिश्रा, सचिन सिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एडिशनल सीएमओ ने सीएचसी सहजनवा का किया निरीक्षण

सहजनवा में शुक्रवार को एडिशनल सीएमओ डा. राजेश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित रजिस्टर की जांच किया। जहां सभी डॉक्टर और कर्मचारी उपस्थित मिले। इसके अलावा पैथालॉजी सेंटर तथा एक्स -रे कक्ष जांच कर प्रतिदिन मरीजों द्वारा कराए गए जांच की जानकारी ली। दवा स्टोर रूम में जाकर दवाईयों की जानकारी लिया। ओटीपी कक्ष में डाक्टरों मरीज दिखते पायेंगे। इसके बाद इमरजेंसी वार्ड में पहुंच कर उसकी स्थित का जायजा लेते हुए प्रसव कक्ष में पहुंचे। जहां व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कहा कि जो भी कमी हो उसे नोट करा दे। इसके बाद ओटी कक्ष में जाकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिए और इंसेफेलाइटिस वार्ड में पहुंचे और रजिस्टर मांग कर मरीजों के बारे में जानकारी ली तो बताया गया कि मई माह में तीन मरीज भर्ती थे। जो इलाज करा कर चले गए। जब की 2 जून को दो मरीज आए थे। जिसमें एक की हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया था। अस्पताल में भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी लेते हुए संतुष्ट दिखाई दिए। अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था ठीकठाक थी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में जो कमियां होगी उसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। इस दौरान डा व्यास कुशवाहा,डा शुभम्, डा सुनील कुमार मौजूद थे।

15 वर्ष पुराने मित्र ने सोने की चेन और ब्रेसलेट के लालच में की थी कोचिंग संचालक की हत्या

कानपुर। थाना नवाबगंज क्षेत्र में 30/31 मई 2026 की रात्रि को कोचिंग संचालक प्रकाश चन्द्र गुप्ता की हुई हत्या का पुलिस ने मात्र 4 दिनों में सफल अनावरण किया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि डीसीपी सेंट्रल के निर्देशन में गठित 10 टीमों द्वारा 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त मोहित द्विवेदी (43 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त मृतक का 15 वर्ष पुराना मित्र था। मृतक की सोने की चेन एवं ब्रेसलेट के लालच में उसने सुनियोजित तरीके से महिला (बुर्का) का वेश धारण कर हत्या की घटना को अंजाम दिया। अभियुक्त के कब्जे से मृतक की सोने की चेन, ब्रेसलेट, घटना में प्रयुक्त बुर्का, दुपट्टा, दस्ताने, लेडीज़ बैग, अवैध तमंचा, कारतूस एवं अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस आयुक्त द्वारा सफल अनावरण करने वाली टीम को 50 हजार नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई।

गोरखूपुर: गीडा में रिश्तों का कत्ल: पिता पर मासूम बेटे-बेटी को जहर देने का आरोप, दोनों की मौत से मचा कोहराम

● 8 वर्षीय परी और 5 वर्षीय अक्षत ने BRDमें तोड़ा दम, आरोपी पिता पुलिस हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र में एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। जिस पिता की उंगली पकड़कर बच्चे जीवन की राह पर चलना सीखते हैं, उसी पिता पर अपने दो मासूम बच्चों को जहर खिलाने का आरोप लगा है। इलाज के दौरान दोनों बच्चों की मौत हो जाने से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और लोग इस हृदयविदारक घटना को लेकर स्तब्ध हैं।

पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात करीब 11:45 बजे सूचना प्राप्त हुई कि गीडा थाना क्षेत्र के ग्राम बरवार सेक्टर-5 निवासी सत्यम पुत्र अनील कन्नौजिया ने अपनी 8 वर्षीय बेटी परी और 5 वर्षीय बेटे अक्षत को जहरीला पदार्थ खिला दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में दोनों बच्चों को उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेजा गया।

मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे इलाज के दौरान पहले एक बच्चे और फिर दूसरे बच्चे की भी मौत हो गई। मासूम भाई-बहन की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पिता सत्यम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। पुलिस पारिवारिक परिस्थितियों, घरेलू विवाद और अन्य संभावित कारणों की गहन जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों की मौत ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। गांव में हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर एक पिता अपने ही बच्चों के साथ ऐसा कैसे कर सकता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। मामले में साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गोला: मछली बनाने की बात पर पति-पत्नी में हुआ विवाद, महिला की मौत से गांव में पसरा मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के चिलवा गांव में एक मामूली घरेलू विवाद के बाद 40 वर्षीय महिला की मौत हो जाने से पूरे क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल है। घटना गुरुवार देर शाम की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार पति-पत्नी के बीच मछली बनाने की बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चिलवा गांव निवासी रेनू देवी (40) पत्नी पप्पू अपने परिवार के साथ रहती थीं। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात किसी घरेलू बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। परिजनों का कहना है कि विवाद के कुछ समय बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। परिवार के लोग आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

परिजन महिला को बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने काफी प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना को लेकर शोक की लहर है। मृतका की शादी लगभग 20 वर्ष पूर्व हुई थी। परिवार में उनकी 18 वर्षीय पुत्री प्रीति और 15 वर्षीय पुत्र अमन हैं। मां की असमय मौत से दोनों बच्चों सहित पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार परिवार सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था और किसी ने भी ऐसी घटना की कल्पना नहीं की थी।

घटना की सूचना मिलने पर गोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक सी.पी. पांडेय ने बताया कि महिला की मौत के मामले में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। फिलहाल इस दर्दनाक घटना ने चिलवा गांव समेत पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी को वन विभाग द्वारा नजरअंदाज किया गया

प्रतापगढ़। पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी को नवागत डीएफओ द्वारा पूरा नजरंदाज किया गया,जो लोगों में चर्चा का विषय बन गया है। पर्यावरण दिवस पर चिलबिला जंगल में वन विभाग द्वारा कार्यकम का औपचारिक आयोजन किया गया और कार्यक्रम में शरीक होने वालों का वीडियो बनाकर और फोटो खिंचवाकर कार्यक्रम की इतिश्री कर दी गई। हकीकत में देखें तो पर्यावरण संरक्षण हेतु 25 वर्षों से समर्पित,हरियाली के लिए अपनी रोजी रोटी को छोड़कर पर्यावरण की सुरक्षा का आंदोलन छेड़ने वाले तमाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों यहां तक कि उन्हें यूनेस्को द्वारा विश्व जल पुरस्कार से नवाजा गया है। ऐसी पर्यावरण प्रतिभा पर्यावरण सेना के नायक ग्रीनमैन अजय क्रांतिकारी को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित नहीं करने को जानकार लोगों मसखरी करने की जाने की संज्ञा दी है।किन्तु विश्व पर्यावरण दिवस होने के नाते पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी खुद को नहीं रोक सके और कार्यक्रम में हरित संदेश देने पहुंचे। किंतु विश्व पर्यावरण दिवस पर इन सभी गतिविधियों से पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी को अनदेखा कर दूर रखा गया। आश्चर्य है कि पर्यावरण संरक्षण हेतु काम करने वाले अजय क्रांतिकारी को छोड़कर विभाग द्वारा तमाम लोगों को इस बात के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया और पर्यावरण दिवस पर पेड़ पौधों की रक्षा के लिए सहयोग की अपील की गई।

ख़जनी के पिपरा गंगा में नवजात बच्ची का शव मिलने से सनसनी, रहस्यमय सामान मिलने पर तरह-तरह की चर्चाएं

● लाल तौलिये में लिपटी मिली नवजात, पास मिले बाल, सिंदूर व अन्य सामग्री ने बढ़ाया रहस्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी: गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के पिपरा गंगा गांव में शुक्रवार सुबह एक नवजात बच्ची का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बच्ची का शव गांव के बरी टोला स्थित एक मकान के पीछे शौचालय के सामने लाल रंग के तौलिये में लिपटा हुआ मिला। शव के आसपास कुछ ऐसी सामग्री भी बरामद हुई है, जिसने घटना को और अधिक रहस्यमय बना दिया है। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और पूरे गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, गांव की निवासी शीला देवी सुबह करीब 10 बजे घर के पीछे स्थित शौचालय की ओर गई थीं। इसी दौरान उनकी नजर लाल तौलिये में लिपटी एक नवजात बच्ची पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि बच्ची मृत अवस्था में है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी, जिसके बाद देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शव के समीप एक बड़े बच्चे के सिर के बाल, सिंदूर, उड़द की दाल, कंघी तथा अन्य वस्तुएं भी रखी हुई थीं। इन सामानों को देखकर ग्रामीणों में कौतूहल के साथ-साथ भय का माहौल भी बन गया। कई लोग इसे अंधविश्वास या किसी कथित टोटके से जोड़कर चर्चा करने लगे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शव के पास इंसानी बाल मिलने से घटना को लेकर रहस्य और गहरा गया है। घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने नवजात बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मौके से बरामद सभी वस्तुओं को भी जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

चार्ज पर रहे इंस्पेक्टर डी.एन. सरोज ने बताया कि पिपरा गंगा गांव में नवजात बच्ची का शव बरामद हुआ है। शव के पास कुछ सामान और इंसानी बाल भी मिले हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों और अन्य तथ्यों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है और ग्रामीण पुलिस जांच के निष्कर्षों का इंतजार कर रहे हैं। वहीं नवजात बच्ची की पहचान और शव वहां तक पहुंचने के कारणों का पता लगाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

गोला: दो माह से सूखी बारानगर सरयू नहर, खरीफ खेती पर संकट: किसानों ने पानी छोड़ने की लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर। गोला तहसील के दक्षिणांचल क्षेत्र में किसानों की जीवनरेखा मानी जाने वाली चौधरी चरण सिंह बारानगर सरयू नहर पिछले दो माह से सूखी पड़ी है। नहर में पानी न आने से धान की नर्सरी, सब्जियों और अन्य खरीफ फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने सिंचाई विभाग और प्रशासन से तत्काल नहर में पानी छोड़े जाने की मांग की है। बारानगर गांव स्थित सरयू नदी के पंप स्टेशन से निकलने वाली यह नहर भेड़ीताल तक जाती है और अपनी मुख्य शाखाओं व उपशाखाओं के माध्यम से हजारों एकड़ कृषि भूमि को सिंचित करती है। गोपालपुर, देवकली, भवनियापुर, अतरौरा, रानीपुर, सुअरज, कटया बनकटा, भड़सड़ा, सरया, सुरदापार और सेमरी सहित दर्जनों गांवों के किसान प्रत्यक्ष रूप से इस नहर पर निर्भर हैं।

किसानों का कहना है कि नहर में पानी बंद होने से उन्हें निजी नलकूपों और अन्य वैकल्पिक साधनों से सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर नहर सूखी रहने से ताल-तलैया और पोखरों में भी जलस्तर घट गया है। इसका असर पशु-पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं पर भी पड़ रहा है, जिन्हें पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। भवनियापुर और अतरौरा क्षेत्र सब्जी उत्पादन के प्रमुख केंद्र माने जाते हैं। यहां से बड़ी मात्रा में सब्जियां आसपास के बाजारों में भेजी जाती हैं। किसानों का कहना है कि पानी के अभाव में सबसे अधिक नुकसान सब्जी उत्पादकों को हो रहा है।

किसान निषिथ राय, बबलू राय, जय प्रकाश राय, अशोक तिवारी, दिवाकर दूबे और गुड्डू राय ने बताया कि धान की नर्सरी किसी तरह निजी संसाधनों से तैयार कर ली गई है और अब रोपाई के लिए तैयार है। यदि जल्द नहर में पानी नहीं छोड़ा गया तो धान की रोपाई प्रभावित होगी और खरीफ सीजन की खेती पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। किसानों ने चेतावनी दी कि समय पर सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने पर उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, जिसका सीधा प्रभाव उनकी आय पर पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर नहर में पानी छोड़ने की मांग की है। इस संबंध में नहर विभाग के जूनियर इंजीनियर रामानंद यादव ने बताया कि मार्च माह से नहर बंद है और वर्तमान में नहर में जमी सिल्ट की सफाई का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय रोस्टर के अनुसार 17 जून से नहर चालू करने का कार्यक्रम निर्धारित है। सफाई कार्य पूरा होते ही तय समय पर नहर में पानी छोड़ दिया जाएगा। फिलहाल किसान विभाग के इस आश्वासन पर निगाहें टिकाए हुए हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी जी का जन्मदिन मनाया

प्रतापगढ़। भाजपा कार्यालय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया।इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का केक काटकर मुंह मीठा कराया। योगी आदित्यनाथ की फोटो के सामने केक काटकर नारे लगाये गये। कार्यालय के अलावा जिले में कई जगहों पर योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया गया।ट्रेजरी चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर पर हनुमान चालीसा का पाठ आरती एवं भंडारे का भी किया गया। इसी क्रम में रचना चतुर्वेदी के संयोजन में महिलाओं ने बाबागंज के अटल पार्क में योगी जी का जन्मदिन केक काटकर कार्यक्रम किया। सीएम योगी के इस जन्मदिवस के कार्यक्रम पर भाजपा जिलाअध्यक्ष व सदर विधायक राजेंद्र मौर्य महामंत्री राजेश मिश्रा राजन राजेश सिंह अजय सिंह सांसद प्रतिनिधि राय साहब सिंह, रजत सक्सेना, पिंकी दयाल, रुचि केशरवानी रचना चतुर्वेदी मनप्रीत कौर अंशुमान सिंह, रामासरे पाल, गजराज सिंह, आलोक गर्ग समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तहसीलदार खजनी के स्थानांतरण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, न्यायिक कार्य का बहिष्कार जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। तहसीलदार खजनी के स्थानांतरण की मांग को लेकर तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने तहसीलदार के कार्यशैली और कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी की तथा आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत तहसील बार एसोसिएशन की बैठक अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन महामंत्री चंद्र मौलि शर्मा ने किया। बैठक में अध्यक्ष ने अधिवक्ताओं को बताया कि तहसीलदार के स्थानांतरण और उनके कार्यो की जांच की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में जिलाधिकारी से मिला था।

जिलाधिकारी के साथ हुई वार्ता सकारात्मक रही और उसके बिंदुओं को अधिवक्ताओं के समक्ष रखा गया। बैठक में अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक तहसीलदार खजनी का स्थानांतरण नहीं हो जाता, तब तक न्यायालय के बहिष्कार का निर्णय पूर्व की भांति जारी रहेगा। इसके बाद अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि तहसीलदार की कार्यप्रणाली से अधिवक्ताओं के साथ-साथ आम जनता भी प्रभावित हो रही है।

बैठक एवं प्रदर्शन में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पूर्णमासी यादव, रामप्रीत यादव, कृष्ण कुमार सिंह, दयानाथ दुबे, अच्युतानंद, अनूप सिंह, राजनाथ दुबे, कृष्णानंद शुक्ल, विनोद कुमार पांडे, उमेश दुबे सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।

पड़रौना नगर पालिका में मनाया गया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस

● केक काटकर दी शुभकामनाएं, हुआ वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद पड़रौना कार्यालय में श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनय जायसवाल के निर्देशन में उनके प्रतिनिधि मनीष 'बुलबुल' जायसवाल ने केक काटकर मुख्यमंत्री का जन्मदिवस मनाया तथा उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयां वितरित कर शुभकामनाएं साझा कीं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनीष जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश ने आधारभूत संरचना, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जन्मदिवस समारोह के उपरांत नगर पालिका परिषद के जलकल भवन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी संतराम सरोज, कृष्ण मुरारी गोंड, अमरेंद्र मिश्र, दिनेश प्रसाद, सचिन, राधाकृष्ण सोनी, मोनू सिंह, अनिल पाण्डेय, सोनू मिश्र, संतोष जायसवाल, अभिषेक चौधरी, यशवंत गौतम, मंथन सिंह, अविनाश कुशवाहा, प्रदीप चौहान, राजाराम तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरुवार तक सूना था चकबंध, शुक्रवार सुबह पूरा हुआ मिट्टी कार्य

» हते भर सिर्फ फाइलों में चला मनरेगा काम वहीं सुबह हुई तो चकबंध पर पट गई मिट्टी, महरी में मस्टररोल के जरिए सरकारी धन के बंदरबांट की आशंका को लेकर ग्रामीण हैरान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत महरी घोड़हवा में मनरेगा योजना के तहत एक ऐसा अजूबा सामने आया है, जिसने विभागीय पारदर्शिता और दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। महरी गांव में शिवनाथ के घर से लेकर बंधू के खेत तक चकबंध पर मिट्टी का कार्य कागजों में तो पिछले एक सप्ताह से धड़ल्ले से चल रहा था और रोज मजदूरों की भारी-भरकम फौज हाजिरी दर्ज करा रही थी, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट थी। बीते गुरुवार की शाम तक अगर कोई कार्यस्थल पर जाता तो उसे वहां मिट्टी का एक कड़ा भी सरका हुआ नहीं मिलता। पूरे हफ्ते धरातल पर सन्नाटा पसरा रहा जबकि सरकारी रिकॉर्ड में कार्यस्थल पर मजदूरों के पसीने बह रहे थे।

खेल तब और दिलचस्प हो गया जब शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की आंखें खुलीं। जिस चकबंध पर गुरुवार शाम तक काम का नामोनिशान नहीं था वहां शुक्रवार तड़के पूरे रास्ते पर मिट्टी का काम मुकम्मल पाया गया। सुबह के महज दो घंटों के भीतर इतने लंबे और चौड़े चकबंध पर मिट्टी का पूरा काम हो जाना किसी चमत्कार या जादू से कम नहीं है। अब क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर दो घंटे के भीतर इस भारी भरकम काम को मजदूरों की टोली ने अंजाम दिया या फिर रात के अंधेरे में भूतों'श की टोली ने आकर सरकारी फाइलों के गड्ढे भर दिए। स्थानीय लोगों का दबी जुबान में साफ कहना है कि यह पूरा मामला मनरेगा के बजट को ठिकाने लगाने और फर्जी मस्टररोल के जरिए सरकारी धन की बंदरबांट का है। बहरहाल अब यह तो उच्चाधिकारियों की निष्पक्ष जांच से ही साफ हो सकेगा कि इस चकबंध पर पसीना मजदूरों ने बहाया है या फिर किसी भूत ने सरकारी खजाने पर डाका डाल गया।

सीडीओ ने बैंकों में लंबित आवेदनों पर जताई कड़ी नाराजगी, शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभागीय ऋण योजनाओं में बैंकों में लम्बित आवेदन पत्रों पर स्वीकृति वितरण की कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की गई। सीडीओ ने बैंकों में अधिक दिनों से लंबित पड़े आवेदन पत्रों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की तथा सभी बैंक जिला समन्वयकों को निर्देश दिये गए कि बैंकों में लंबित आवेदन पत्रों का निस्तारण युद्धस्तर पर किया जाए। स्वीकृत आवेदन पत्रों के ऋण वितरण की कार्यवाही में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। अन्त में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके। बैठक में अग्रणी बैंक जिला प्रबन्धक एवं सभी बैंको के जिला समन्वयक उपस्थित रहे। बैठक का संचालन सहायक आयुक्त उद्योग द्वारा किया गया।

वांछित के घर ढोल- नगाड़ों के साथ मुनादी, पुलिस ने चस्पा किया नोटिस

● कोर्ट में हाजिर न होने पर धारा 84 बीएनएसएस के तहत दी कुर्की की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमों में फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त के घर धारा 84 बीएनएसएस के तहत नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई। अभियुक्त लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घोड़हवा निवासी विजयलाल यादव पुत्र स्व. रामवेलाश यादव के खिलाफ थाना परसामलिक में धारा 137(2)/87/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। इस मामले में अभियुक्त काफी समय से वांछित है। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा बीते 23 फरवरी को गैर जमानती वारंट बीएमडब्ल्यू जारी किया गया था। इसके बावजूद अभियुक्त लगातार छिपकर पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था और कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा था। न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए 1 जून को उसके खिलाफ फरार व्यक्ति की उद्घोषणा धारा 84 बीएनएसएस का आदेश जारी किया। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम ने ग्राम पंचायत घोड़हवा पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में अभियुक्त के मकान पर विधिक नोटिस चस्पा किया। इसके साथ ही गांव में ढोल-नगाड़े बजाकर मुनादी कराई। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों को हिदायत दी है कि यदि अभियुक्त ने नियत समय के भीतर आत्मसमर्पण नहीं किया तो कोर्ट के आदेश पर अगली कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ कोर्ट के निर्देश पर धारा 84 बीएनएसएस के तहत मुनादी और नोटिस चस्पा करने की वैधानिक कार्रवाई की गई है। यदि अभियुक्त ने नियत समय के भीतर आत्मसमर्पण नहीं किया तो न्यायालय के निर्देश पर घर कुर्की की अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

नगर के एकमात्र सनशाइन हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर में मिल रहा आयुष्मान कार्ड का लाभ, लगाया गया शिविर

गोला गोकर्णनाथ खीरी- नगर के नए बाईपास स्थित सनशाइन हास्पिटल एवं ट्रामा सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयुष्मान कार्ड शिविर का लगाया गया। शिविर में दो सौ से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रतिभाग किया।जिसमें से कई लोगों के पात्रता सूची के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनाए गए।वहीं जरूरत मंद लोगों नें आयुष्मान कार्ड के प्रयोग की जानकारी प्राप्त की है। कागजी और टेक्निकल प्रक्रिया पूरी न हो पाने पर वंचित रह गए लोगों के कार्ड बनने का क्रम आगामी एक माह तक निरन्तर जारी रहेगा।जरूरत मंद लोग किसी भी कार्य दिवस पर आकर कार्ड बनवा सकेंगे। हास्पिटल संचालक डॉक्टर कौशल वर्मा ने बताया कि इस कार्ड के बनने से शहर में एकमात्र जगह उनके यहां पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किया जाता है। ओपीडी सेवाओं को छोड़कर अस्पताल में होने वाले अधिकांश बड़े और जटिल उपचार आयुष्मान कार्ड के माध्यम से किए जाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पैसे के अभाव में कोई जरूरतमंद पात्र व्यक्ति बेहतर स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रह सके। इसका लाभ लेने के लिए राशन कार्ड, पात्र गृहस्थी रिसीविंग, अंत्योदय व आधार कार्ड के साथ सक्रिय मोबाइल नंबर लेकर आना आवश्यक है। अस्पताल में आर्थोपेडिक सर्जरी, यूरोलॉजी सर्जरी, इमरजेंसी एवं ट्रामा केयर, जनरल सर्जरी,मैक्सी सर्जरी, जनरल मेडिसिन एवं डायलिसिस की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बांकेगंज ब्लॉक के भ्रष्ट अधिकारी और सरकार को लगा रहे लाखो का चूना अधिकारियों की खुली पोल

नाला निर्माण हो रहा है पीले ईटों का प्रयोग, जेब भरने में लगे हैं संबंधित अधिकारी...?

बांकेगंज, गोला मार्ग स्थित अनीस सरिया सीमेंट के मकान के सामने हो रहा पंचायत द्वारा नाला निर्माण जो कि पीली ईट और बालू का हो रहा इस्तेमाल एक सबसे अहम बात तो यह है कि बांकेगंज ब्लॉक के वीडियो का नहीं उठाता है फोन ज़ब कभी भी लगाओ,ध्ष्ट में ले रहे मजा बांकेगंज के वीडियो ऋषिकांत अहिरवार मामला बांकेगंज ब्लॉक हैं विकास के नाम पर सरकारी धनों का बंदरबांट किया जा रहा है। जब इसकी जानकारी सम्बंधित ग्राम विकास अधिकारी योगेश वर्मा से फोन करके जानने की कोशिश की गई तो फोन पर पूछा कि यह जो नाला निर्माण हो रहा है इसमें पीला एक का प्रयोग किया जा रहा है तो वही ग्राम विकास अधिकारी योगेश वर्मा ने बताया कि पूरी अब्बल ईट का निर्माण किया जा रहा है और हमारे जेई और डुस्त्रश्पंचायत ने निरीक्षण भी किया है तभी तो अब हमें लगता हैं कि इस घोटाले में लगभग जेई, डुस्त्रश्पंचायत, सेक्रेटरी योगेश वर्मा और अन्य लोग सम्मिलित है तभी लग रही है पीला ईट...?

भारत विकास परिषद छोटी काशी गोला के द्वारा मनाया गया वृहद विश्व पर्यावरण दिवस

गोला गोकर्णनाथ खीरी- दिनांक 5 जून 2026 दिन शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ग्लोबल इंटर कॉलेज नए बाईपास गोला गोकर्णनाथ खीरी के प्रांगण में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दर्जनों फलदार छायादार एवं साथ साज सज्जा वाले पौधे आरोपित किए गए, कार्यक्रम नगर पालिका परिषद गोला की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी अग्रवाल के संरक्षण में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ,इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अनुज खरे, सचिव मनोज कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष पटेल सुशील वर्मा (डायरेक्टर न्यू पैरामाउंट कंपटीशन क्लासेस) रामसागर वर्मा जिला समन्वयक डॉक्टर गौरव अवस्थी, डॉक्टर योगेश कन्नौजिया (गतिविधि प्रमुख पर्यावरण) , शैलेन्द्र सक्सेना, आलोक गुप्ता,डॉक्टर विनोद वर्मा ,डॉक्टर विवेक गिरी, आदर्श सोनी रमाशंकर कटियार, बाबूराम वर्मा अवधेश वर्मा आदित्य पांडेय गौरव वर्मा अजय गुप्ता संजीव राजपूत शैलेंद्र वर्मा, अनुराग वर्मा सुधीर वर्मा आदि के साथ-साथ समस्त शिक्षक गण आदि उपस्थिति रहे।

घर में घुसकर मासूम की निर्मम हत्या

● बचाने दौड़ी मां भी घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निघासन-खीरी। थाना निघासन क्षेत्र की झंडी चौकी अंतर्गत ग्राम तारानगर में बृहस्पतिवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर चारपाई पर सो रहे 8 वर्षीय मासूम रवि कुमार की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। बेटे को बचाने के लिए बीच में आई उसकी मां भी हमले में घायल हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। परिजनों ने बताया कि परिवार का कुछ लोगों से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। इसी वजह से हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायल मां का उपचार कराया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी की जाएगी। मासूम की हत्या से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। निघासन पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवम् कुमार ने बताया की हत्या का मुकदमा दर्ज कर आग्रीम कार्यवाही की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नवाबगंज विधायक ने किया वृक्षारोपण

● एक पेड़ मां के नाम विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्लॉक परिसर में किया वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अनेकों स्थानों पर वृक्षारोपणकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया किसी क्रम में उन्होंने आज विकासखंड भदपुरा पहुंचकर यहां के खंड विकास अधिकारी कौशल कुमार गुप्ता के साथ ब्लॉक प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करने के बाद विधायक आर्य ने लोगों को विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी को एक-एक पेड़ लगाने का अनुरोध किया गया यहीं पर उपस्थित खंड विकास अधिकारी कौशल कुमार गुप्ता ने एक पेड़ मां के नाम पर लगाने की बात कहते हुए उन्होंने जागरूक करने का कार्य किया और कहा एक पेड़ मां के नाम लगाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को सफल बनाने के लिए अहम भूमिका निभाई जा रही है। इस कार्यक्रम को समझना और अपने ही हित की आवश्यकता है संसार में मां का ही दर्जा सबसे ऊपर है वह चाहे जन्मदिन वाली मां हो या फिर धरती मां हो इन दोनों के नाम वृक्ष लगाकर प्रधानमंत्री के इस सपने को साकार करना चाहिए जिसके तहत हम जिस धरती मां के ऊपर रह रहे हैं जन्म लेने से लेकर मृत्यु के समय तक धरती मां की गोद में ही हम सबको समा जाना है। इसलिए एक वृक्ष मां के नाम लगाकर मां का सम्मान बढ़ाया जाना चाहिए इस कार्यक्रम के तहत ग्राम प्रधानों ने भी ग्राम पंचायत में एक वृक्ष मां के नाम लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का कार्य किया गया जिसके तहत ढकिया बर्कली क्यों लड़ियां के प्रधान रविंद्र कुमार गंगवार ने भी इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लिया और वृक्षारोपण किया गया इस कार्यक्रम के तहत विधायक ने नवाबगंज एवं भदपुरा के दर्जनों स्थानों पर वृक्षारोपण कर लोगों को वृक्ष लगाने का संदेश दिया गया। यहां पर उपस्थित विधायक डॉक्टर एमपी आर्य खंड विकास अधिकारी कौशल कुमार गुप्ता क्यों लड़िया के प्रधान रविंद्र कुमार गंगवार टी आर गंगवार भाजपा मंडल अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह राजा बाबू समेत तकनीकी सहायक इतेंद्र पाल सिंह एपीओ सुमित कुमार समेत अनेकों लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जागरूक हिंदू महसंघ प्रकोष्ठ मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया

बरेली के थाना भुता क्षेत्र में स्थित ग्राम नवादा ब्रह्मनान में राष्ट्रीय जागरूक हिंदू महासंघ कृषक प्रकोष्ठ उ प्र के कैंप कार्यालय कुंवर फार्म हाउस पर आज प्रदेश के लोकप्रिय यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्मदिन केक काटकर बहुत ही धूमधाम से बनाया गया इस अवसर पर मा मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित राष्ट्रीय जागरूक हिंदू महासंघ कृषक प्रकोष्ठ उ प्र के प्रदेश अध्यक्ष मा राजेश पटेल ने योगी जी के दीर्घायु एवं चिरंजीवी होने की भगवान शिव से कामना की । इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल ,हरी सिंह, छदम्मी लाल, लालाराम, तेजपाल, अखिलेश पटेल धर्मेंद्र पटेल, कालीचरण, पप्पू, ओमपाल, हार्दिक पटेल, सिद्धार्थ पाण्डेय, रामबाबू आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कर्मसु वेद-वेदांग गुरुकुल विद्यापीठ में ग्रह-नक्षत्र वाटिका हेतु हुआ भव्य वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- पर्यावरण संरक्षण एवं वैदिक परंपराओं के संवर्धन के उद्देश्य से कर्मसु वेद-वेदांग गुरुकुल विद्यापीठ में 'ग्रह-नक्षत्र वाटिका' की स्थापना के लिए विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 नक्षत्रों, 9 ग्रहों तथा विभिन्न फलदार एवं औषधीय वृक्षों सहित कुल 51 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी उपस्थित रहे। उनके साथ गोला नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू', समाजसेवी आनंद त्रिवेदी, घनश्याम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण रहा। विद्यार्थियों के मंत्रोच्चार से सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक एवं वैदिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर वरिष्ठ विद्वान आचार्य रामदेव मिश्र शास्त्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को केवल प्रकृति का अंग नहीं, बल्कि जीवनदायी देवतुल्य स्वरूप माना गया है। उन्होंने ग्रह-नक्षत्रों से संबंधित वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसी वाटिकाएँ पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वैदिक ज्ञान के प्रसार का भी माध्यम बनती हैं। गुरुकुल प्रबंधन ने बताया कि ग्रह-नक्षत्र वाटिका का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज को भारतीय ज्योतिष, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों ने अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत कार्य करने का संकल्प लिया। यह आयोजन प्रकृति, संस्कृति और संस्कारों के समन्वय का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किसान गोष्ठी का आयोजन

● खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को जैविक खेती की जानकारी दी गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुनाबाद लखीमपु-खीरी आज दिनांक 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर खेत बचाओ अभियान के अन्तर्गत ग्राम जमुनिहां, बैरागर में किसान गोष्ठी आयोजन आई पी एल बायोलाजिकल्स के साथ किया गया। आई पी एल के तारेन्दर सिंह ने ग्राम प्रधान राजेश कुमार उपस्थित किसान समुदाय का स्वागत किया। अपने संबोधन मे तारेनदर सिंह ने खेत बचाओ अभियान की रूपरेखा, खेत की मिट्टी की जांच, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और उससे होने वाले लाभ, हरी खाद के लिए सनई, ढैंचा, लोबिया, मूंग, उर्द आदि दलहनी फसलों की बुवाई और समय से पलटकर खेत मे सडाने के बाद खरीफ की फसलों की बुवाई के साथ ही जैविक उर्वरक, कम्पोस्ट खाद का अधिक से अधिक प्रयोग करने की विस्तृत जानकारी दिये। कार्यक्रम में डा. प्रदीप कुमार बिसेन ने कृषि विभाग द्वारा संचालित किसानोपयोगी योजनाओं और जनपद मे खरीफ फसलों के साथ ही हरी खाद के लिए उपलब्ध ढैंचा बीज की उपलब्धता के बारे मे जानकारी दिये। कार्यक्रम मे किसानों के सवालों का जवाब और सम सामयिक जानकारी भी प्रदान की गई। उद्यान के वैज्ञानिक डा. मो. सुहेल ने सब्जियों तथा केला पर विस्तार से चर्चा किया तथाकिसान भाईयों के सवाल का जवाब दे कर उनको संतुष्ट किया तथा सब्जी उत्पादनकरने के लिए प्रेरितकिया। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डा. नागेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने पशु पालन की नवीनतम तकनीक पर किसान भाईयों के साथ चर्चा किया तथा उनके सवालों का जवाब दिया। अंत मे धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जियो-बीपी पेट्रोल पंप पर हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

निघासन-खीरी। पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति जागरूकता और आसपास के वातावरण को हराभरा एवं सुगंधित बनाने के उद्देश्य से निघासन स्थित जियो-बीपी पेट्रोल पंप परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फूलों एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जियो-बीपी के एरिया सेल्स मैनेजर दिव्यांशु शर्मा एवं अरविंद अवस्थी ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। पौधारोपण से न केवल पर्यावरण संतुलित रहता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्राप्त होता है। कार्यक्रम में जियो-बीपी स्विफ्ट सुपरवाइजर प्रियांशु शुक्ला, पुष्कर यादव सहित जियो-बीपी निघासन के सम्मानित ग्राहकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ऐक पेड मॉ के नाम के तहत ग्राम प्रधानो ने रोपे पौधे

गोला गोकर्णनाथ खीरी- गोला तहसील क्षेत्र के गांव तेन्दुआई व रायपुर मे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऐक पेड मॉ के नाम पर विभिन्न पौधे रोपे गये और बृक्षो के संकल्प की सपथ भी ली गई, मालूम हो गोला तहसील क्षेत्र गे गाँव तेन्दुआई मे ग्राम प्रधान मनोज वर्मा व रायपुर ग्राम प्रधान पति व प्रतिनिधि शलीम अंसारी ने गांव स्थित सरकारी जगह जैसे विद्यालयो सचिवालयो व सरकारी ग्राम समाज की जमीनो पर ग्राम प्रधानो की अगुवाई मे ग्रामीणो ने दर्जनो पेडो को ,ऐक पेड अपनी मां के नाम, पर रोप कर हरियाली का संदेश दिया है।

सरायन नदी सफाई के नाम पर भ्रस्टाचार के आरोप

गोला ब्लाक क्षेत्र के गांव जडौरा व काजर कोरी गांव के मध्य निकली सरायन नदी की सफाई मे बडा भ्रस्टाचार सामने आया हैजिसकी ग्रामीणो ने उच्च अधिकारियो के सहित मुख्यमंत्री से की है मालूम हो कि विगत वर्ष 2025, माह आक्टूबर नम्बर मे लगभग नदी सफाई के नाम से लगभग छ लाख रूपये की निकासी की गई, लेकिन ग्रामीणो का आरोप है को कोई नदी की सफाई ही नही की गई है,न ही नदी के आस पास पटरों की मरम्मत की गई है, न ही उसमे झाड झंकार आदि की सफाई की गई है।जिसको लेकर दोनो गावो के लोगो मे काफी आक्रोश है, वही बरसात का मौसम नजदीक होने के चलते सारी फसले जल भराव के चलते जनमग्न हो सकती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। पडुआ थाना क्षेत्र के ढखेरवा खालसा गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वहीं मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, सिंगाही थाना क्षेत्र के झाला मोहल्ला निवासी सिराजुद्दीन की 25 वर्षीय पुत्री शहनाज की शादी लगभग पांच वर्ष पूर्व ढखेरवा खालसा गांव निवासी मक़बूल के पुत्र रबिन के साथ हुई थी। शुक्रवार सुबह गांव के लोगों ने मायके पक्ष को शहनाज की मौत की सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने शहनाज की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि मृतका के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पडुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल है, जबकि मायके पक्ष न्याय की मांग कर रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। निघासन पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवम् कुमार ने बताया की महिला का पोस्टर मार्टम मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराया जा रहा है हत्या का कारण स्पष्ट होने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर भाजपा ने चलाया वृहद वृक्षारोपण अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला - विश्व पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत टूण्डला क्षेत्र में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस को भी सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम मोहम्मदाबाद से हुई, जहां भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात टूण्डला ब्लॉक परिसर, नगर पालिका परिसर तथा सरस्वती शिशु मंदिर में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। साथ ही गौशाला पहुंचकर गौमाता को हरा चारा खिलाया गया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, विधायक प्रेमपाल धनगर तथा नगर पालिका अध्यक्ष भंवर सिंह ठेकेदार ने स्वयं पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं और प्रकृति संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे प्रदेश में लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे जनसहभागिता से सफल बनाया जाएगा। भाजपा नेताओं ने बताया कि इसी क्रम में पचोखरा मंडल, शियर देवी मंडल एवं वैष्णो देवी मंडल क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरित विकास का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, विधायक प्रेमपाल धनगर, चेयरमैन भंवर सिंह ठेकेदार, ब्लॉक प्रमुख सतीश बघेल, जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीलम दिवाकर, जिला मंत्री पवन चक, जिला सह-संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन, रामतीर्थ चक, संजय परमार, हनी जादौन, मंडल अध्यक्ष नीरेश रावत, मंडल अध्यक्ष अजीत जुरैल, अंकित शर्मा, दीपक ठैनुआ, जुबिन भारद्वाज, अग्रज जैन, लोकेश जादौन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। 'प्रकृति बचाओ, पेड़ लगाओ' के नारों के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

कलश यात्रा के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला - टूण्डला क्षेत्र के ग्राम गढ़ी दयाराम (मनीगढ़ी) में धार्मिक आस्था और भक्ति भाव के वातावरण के बीच श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों एवं बालिकाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ गांव की परिक्रमा की। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः कथा पंडाल पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जगह-जगह ग्रामीणों ने कलश यात्रा का स्वागत कर पुष्प वर्षा की। आयोजकों के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा का रसपान श्रद्धालुओं को प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य पंडित श्री उमाशंकर उपाध्याय के श्रीमुख से कराया जाएगा। कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति, ज्ञान एवं मानव जीवन के आदर्शों का वर्णन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन निर्धारित समय पर आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन श्रीमती मिथलेश उपाध्याय पत्नी स्वर्गीय श्री सत्यप्रकाश उपाध्याय द्वारा अपने परिवार के सहयोग से कराया जा रहा है। कथा में परीक्षित प्रदीप उपाध्याय एवं अर्चना उपाध्याय तथा यज्ञपति संदीप उपाध्याय एवं वंदना उपाध्याय को बनाया गया है, जो पूरे श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभा रहे हैं। कलश यात्रा एवं शुभारंभ समारोह में गांव की महिलाओं, पुरुषों, बच्चों एवं बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है। धार्मिक आयोजन के शुभारंभ से ग्राम गढ़ी दयाराम का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है तथा श्रद्धालुओं में कथा श्रवण को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

रनिंग कर्मचारियों ने अपनी रेल सेवा करते हुए पर्यावरण दिवस पर एक पौधा मां के नाम लगाया

टूण्डला - 5 जून 2026 को रनिंग कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण दिवस के सुअवसर पर समस्त रेलवे रनिंग एवं अन्य कर्मचारियों टूण्डला द्वारा विभिन्न विभागों में अलग अलग वृक्षारोपण कर टूण्डला रेल की पावन भूमि को हरा भरा रखने का संकल्प लिया गया जिसका नेतृत्वत शाखा मंत्री सरदार सिंह नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन टूण्डला द्वारा किया गया एवं शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार बघेल व नाहर सिंह मीना के रूप में यूनियन पदाधिकारियों ने भी जोर शोर से भाग लिया और अपने साथियो के साथ पर्यावरण दिवस के प्रेरणाश्रोत बने यूनियन पदाधिकरियों ने सभी रेलवे कर्मचारियों से अपील की सभी एक पौधा मां के नाम से लगा।

भाई ने मांगी 4 लाख की रंगदारी, मना किया तो पूर्व पार्षद को तीसरी मंजिल से नीचे फेंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। पैतृक संपत्ति के विवाद में पूर्व पार्षद एवं कपड़ा व्यापारी की तीसरी मंजिल से फेंक कर उनके ही भाई और भतीजों ने हत्या कर दी। घटना के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मृतक के बेटे के शिकायती पत्र पर तीनों हत्यारोपितों के साथ एक वर्तमान पार्षद भाई को शामिल करते हुए 10 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। फरार आरोपितों की तलाश जारी है। किला की गढ़ी चौकी क्षेत्र के मुरावपुरा निवासी सूर्य प्रकाश गुप्ता सिविल लाइंस में फैशन प्लान के नाम से रेडीमेड कपड़ों की दुकान संचालित करते थे। वह पूर्व में पार्षद भी रह चुके थे। परिवार के भाइयों के बीच पैतृक मकान को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक के बेटे आशुतोष गुप्ता का कहना है कि उनके पिता के भाई विष्णु गुप्ता गुरुवार सुबह 11 बजे उनके पिता के पास आए और उनके पिता सूर्य प्रकाश को घर छोड़ने या चार लाख रुपये देने की बात कहने लगे। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोप है कि विरोध पर उन्होंने हथौड़े से मकान तोड़ना शुरू कर दिया। जब सूर्य प्रकाश ने इसका विरोध किया तो विष्णु गुप्ता, उनके दोनों बेटे आयुष गुप्ता और कौशिक गुप्ता के साथ ही विष्णु के बड़े भाई वर्तमान पार्षद चंद्र प्रकाश गुप्ता आए और उनके पिता सूर्य प्रकाश गुप्ता को तीसरी मंजिल से धक्का देकर उनकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची किला पुलिस ने उन्हें विनायक अस्पताल में भर्ती कराया मगर वहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना से पहले कर चुके थे फायरिंग

आशुतोष गुप्ता का आरोप है कि विष्णु गुप्ता, उनके भाई चंद्र प्रकाश गुप्ता (पार्षद), विष्णु के बेटे आयुष और कौशिक, शिवा गुप्ता अभिषेक पार्षद, बंटी गुप्ता, शिवा सोनू, व विजय सुबह उनके घर पर फायरिंग भी कर चुके थे। आरोपितों ने उनके पिता से चार लाख रुपये रंगदारी भी मांगी थी, नहीं देने पर उनकी हत्या कर दी गई।

आरोपित करते हैं रेता बजरी और खनन का कारोबार

आाशुतोष का आरोप है कि आरोपित विष्णु गुप्ता व उसके बेटे रेता बजरी का कारोबार करते हैं। बाकी आरोपित उनके पार्टनर हैं। आशुतोष का आरोप है कि आरोपित अवैध रूप से खनन करते हैं। उन्होंने मांग की है कि उनके इस कारोबार को भी ठप किया जाए। विष्णु गुप्ता के दोनों बेटे सरिया-सीमेंट की दुकान संचालित करते हैं।

सभी आरोपित फरार तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस का कहना हैं कि घटना के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए हैं। उनकी तलाश में दो टीमों को लगाया गया है। जल्द ही भी की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया

चुनार, मीरजापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नगर पालिका परिषद स्थित गांधी मैदान में नगर अध्यक्ष मंसूर अहमद के नेतृत्व में पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रेरणा से आयोजित इस अभियान के तहत मार्गो एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर स्वच्छता एवं पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष मंसूर अहमद ने कहा कि स्वस्थ शरीर स्वच्छ परिवेश और हरित पर्यावरण ही समृद्ध की आधारशिला है। उन्होंने सभी नगर वासियों से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह प्रकृति के संरक्षण और स्वच्छ वातावरण के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हम सभी नगर वासियों के सामूहिक प्रयासों से ही भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ सुन्दर और विकसित नगर के निर्माण में अपना योगदान दे सकते है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव, एस आई लालमणि यादव, गौरव पांडेय, सभासद करतार सिंह, विकास कुमार कश्यप, सन्तोष यादव ,राहुल कुमार, विरेन्द्र मौर्या उर्फ गब्बर सहित पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हर दिन पौधारोपण तथा जन जागरूकता

मीरजापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हर दिन पौधारोपण तथा जन - जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए तत्पर ,256 हरियाली दूतों के संगठन हरियाली द्वारा जनपद के तीन श्रेष्ठ समाजसेवियों को अंगवस्त्र ,सम्मान पत्र तथा औषधीय गुणों वाला पौधा एलोवेरा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक हरियाली पुरुष विजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अपने दायित्वों के साथ-साथ हरियाली का मार्गदर्शन करने वाले जनप्रिय व्यक्तित्व के क्रमशः वरिष्ठ आर्थोसर्जन डॉ एस के श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित तथा वरिष्ठ समाजसेवी आनन्द केशरी को उनके कार्य स्थलों अथवा आवास पर जाकर सम्मानित किया गया। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सभी सम्मानित व्यक्ति सरल स्वभाव वाले तथा समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं इन्हें सम्मानित करना सूर्य को दीपक दिखाने के समान है जिन्हें हरियाली सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार, पूजा भारती ,संजय कुमार, विजय बहादुर ,गौरव कुमार आदि ने सम्मानित जनों को हार्दिक बधाई दिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस लाइन में हुआ वृक्षारोपण

भदोही। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन ज्ञानपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी लाइंस बलराम ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण के माध्यम से ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी लाइंस बलराम, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया। सभी ने हरित वातावरण के संवर्धन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अधिकारियों ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी आवश्यक है। इसी से वृक्षारोपण अभियान का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विडंबना: हरियाली बचाने की मुहिम के बीच ईंट भट्ठों की चिमनियां उगल रहीं जहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतामढ़ी। विश्व पर्यावरण दिवस पर जहां देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर धरती को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया जा रहा है, वहीं डीघ क्षेत्र में संचालित ईंट भट्ठों की चिमनियां पर्यावरण संरक्षण के इन प्रयासों को चुनौती देती नजर आ रही हैं। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में चल रहे ईंट उद्योगों से निकलने वाला धुआं वातावरण में प्रदूषण घोल रहा है, जिससे पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भट्ठों की चिमनियों से दिन-रात निकलने वाला धुआं आसपास के वातावरण को प्रभावित कर रहा है। धुएं के साथ उड़ने वाले सूक्ष्म कण और राख पेड़ों की पत्तियों पर जम जाते हैं, जिससे उनकी प्राकृतिक वृद्धि बाधित होती है। खेतों में खड़ी फसलों पर भी इसका असर पड़ने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं।

पर्यावरणविदों का मानना है कि केवल पौधे लगाना ही पर्यावरण संरक्षण नहीं है, बल्कि प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण भी उतना ही जरूरी है। यदि एक ओर पौधरोपण किया जाए और दूसरी ओर प्रदूषण लगातार बढ़ता रहे तो हरित अभियान का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभागों से ईंट भट्ठों की नियमित जांच कराने तथा प्रदूषण नियंत्रण मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर केवल संकल्प नहीं, बल्कि धरातल पर ठोस कार्रवाई भी आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डी.एम. कार्यालय परिसर के पार्क में ग्रीन गुरु जी ने किया पौध रोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 3993 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में खेल क्रान्ति एवं पर्यावरण शुद्धिकरण फाउंडेशन, ट्रस्ट द्वारा संचालित पर्यावरण शुद्धिकरण अभियान के संस्थापक,सचिव , अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी, मा. मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा गंगा सेवक सम्मान से सम्मानित, प्रधानाचार्य, शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज,पचोखरा,मीरजापुर , नमामि गंगे,जिला गंगा संरक्षण समिति एवं जिला पर्यावरणीय समिति सदस्य,मीरजापुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,जीवन धारा नमामि गंगे फाउंडेशन, बुलंदशहर ब्रांड अम्बेस्डर तथा ध्वजारोहक स्वच्छता,नगरपालिका परिषद, मीरजापुर द्वारा 01जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे पौध रोपण के 3993 वें दिन के क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम पर औषधीय पौध शतावर एवं जीवन धारा नमामि गंगे, बुलंदशहर के 10 वें स्थापना दिवस के अवसर पर औषधीय पौध हदजोड़ के पौध का रोपण जिलाधिकारी कार्यालय,मीरजापुर के परिसर में स्थिति छोटे पार्क में किया।

इस अवसर पर ग्रीन गुरु जी दैनिक जागरण के छायाकार अनुपम श्रीवास्तव को इंसुलिन का पौध तथा पड़री के रहने वाले शिव अग्रहरी को गुग्गुल का पौध सप्रेम भेंट करने के साथ बतलाया कि लगातार प्रति दिन जगह-जगह पौध रोपण का उद्देश्य हरा - भरा रहे धरा, पर्यावरण शुद्ध रहे लोगो मे पौध रोपण व संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है।

कुएं में कूदी महिला को पुलिस ने बचाया, बड़ा हादसा टला

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव में शुक्रवार को एक महिला ने मानसिक तनाव के चलते कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलते ही डायल-112 एवं औराई पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से महिला को सकुशल कुएं से बाहर निकाल लिया। महिला को उपचार के लिए जयदीप हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति सामान्य बताई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह भी अस्पताल पहुंचे और महिला का हालचाल जाना। पुलिस की जांच में पता चला कि महिला पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव और अनिद्रा की समस्या से परेशान थी। पूछताछ में किसी प्रकार के पारिवारिक विवाद या घरेलू कलह की बात सामने नहीं आई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई त्वरित कार्रवाई से महिला की जान बच गई। रेस्क्यू अभियान में उपनिरीक्षक सदानंद सिंह, उपनिरीक्षक अश्वनी कुमार राय, आरक्षी वैभव सिंह, मुख्य आरक्षी चंचल सिंह तथा डायल-112 टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) माधवी शुक्ला की अध्यक्षता में वनस्पति विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हरीतिमा क्लब के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम विश्व पर्यावरण की थीम 'जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' (For Climate, For Our Future) एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर में विभिन्न प्रजातियों आम, जामुन , बरगद आदि के पौधों के रोपण के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित आवरण बढ़ाने का संकल्प लिया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के महत्व तथा वर्तमान समय में बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य महोदया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने छात्रों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने तथा सतत विकास के लिए सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन हरीतिमा क्लब प्रभारी डॉ0 कुसुम लता, धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 दीपक कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ नलिनी सिंह, डॉ0 स्मिता, डॉ0 अवधेश सिंह यादव, डॉ0 संकटा प्रसाद सोनकर, डॉ अरविंद कुमार, डॉ0 विद्या सिंह , रमेश चंद साथ ही धर्म चंद, पारस , कुर्बान आदि सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, हरीतिमा क्लब के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ, हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट, एडीएम व एएसपी ने ली बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने की। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के छह परीक्षा केंद्रों पर 8, 9 एवं 10 जून को दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाली में 2976 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि तीन दिनों में कुल 17856 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए गुलाबधर मिश्र इंटर कॉलेज गोपीगंज, काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर, एम.ए. समद इंटर कॉलेज भदोही, श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज भदोही, विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर तथा जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कहा कि प्रश्नपत्रों का आवागमन प्रशासन और पुलिस की निगरानी में होगा। सभी परीक्षा केंद्रों एवं स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही अग्निशमन उपकरणों एवं सीसीटीवी व्यवस्था को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, आयोग के अधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

बिजली संकट और स्मार्ट मीटर के विरोध में आप का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

भदोही। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को बिजली संकट, अघोषित कटौती, महंगी बिजली दरों और स्मार्ट मीटर की कथित गड़बड़ियों के विरोध में प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष अशोक यादव के नेतृत्व में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया। जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के बीच प्रदेश के कई क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम जनता, किसान, व्यापारी और छात्र परेशान हैं। उन्होंने कहा कि महंगी बिजली दरें चुकाने के बावजूद उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने स्मार्ट मीटरों में फर्जी बिलिंग और गलत रीडिंग की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। साथ ही अघोषित बिजली कटौती बंद कर निर्बाध और सस्ती बिजली उपलब्ध कराने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए प्रदेश सरकार से बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग की। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। इस अवसर पर मनोज गुप्ता, इजहार अहमद, सुरेश यादव, पवन सिंह, विनय बिंद, महेंद्र नाथ पाल, बैजनाथ सरोज, अजीत यादव, वसीम अकरम, अरुण पासवान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम प्रधान ने किया पौधरोपण

हलिया मीरजापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत देवहट के आर आरसी सेटर पर सचिव सौरभ यादव व ग्राम प्रधान कौशल गुप्ता ने किया पौधारोपण। वही ग्राम प्रधान ने वृक्षारोपण के दौरान कहा कि पृथ्वी को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत भटपुरवा में ग्राम प्रधान के द्वारा आर आरसी सेंटर पर किया गया पौधरोपण। वही ग्राम प्रधान भटपुरवा शिव गोविंद चौरसिया ने कहा कि।पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरि वातावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। साथ मे सचिव सौरभ यादव व ग्राम प्रधान कौशल गुप्ता ग्राम प्रधान भटपुरवा शिव गोविंद चौरसिया सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, चार मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डीघ। कोइरौना थाना क्षेत्र के इटहरा गांव में गुरुवार रात एक दर्दनाक हादसे में 30 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया। जानकारी के अनुसार इटहरा निवासी संतोष केसरवानी पुत्र भगवत केसरवानी गुरुवार रात करीब 10 बजे अपने घर में पंखा लगा रहे थे। इसी दौरान पंखे में अचानक करंट उतर आया और वह उसकी चपेट में आ गए। परिजनों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुके थे। आनन-फानन में उपचार के लिए ले जाने की तैयारी की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार संतोष केसरवानी अपने माता-पिता की संतान में दूसरे नंबर पर थे। परिवार पर पहले से ही दुखों का साया था। करीब पांच माह पूर्व उनके छोटे भाई का भी बीमारी के कारण निधन हो गया था। अब दूसरे बेटे की असमय मौत से वृद्ध पिता भगवत केसरवानी का सहारा भी छिन गया है। मृतक संतोष चार बच्चों के पिता थे। उनके बच्चों में सबसे बड़ा पुत्र सात वर्ष, दूसरा चार वर्ष, तीसरा डेढ़ वर्ष तथा सबसे छोटा मात्र छह माह का है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य नहीं बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि संतोष ही परिवार के भरण-पोषण का मुख्य सहारा थे और उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। घटना के बाद मृतक की पत्नी, माता-पिता और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में मचे करुण क्रंदन से गांव का माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि चार मासूम बच्चों और शोकाकुल परिवार का भविष्य सुरक्षित हो सके। संतोष की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा दिखा रहे है- ग्राम प्रधान व सचिव

- 5 वर्ष के बाद भी नहीं पूर्ण हो पाया आर आरसी सेंटर बबुरा भैरोदयाल का आर आरसी सेंटर ध्वस्त
- ब्लॉक पर बैठे सहायक खंड विकास अधिकारी जो काम 5 वर्ष में नहीं पूर्ण हुआ उसको दो दिन के अंदर पूर्ण कराने की कर रहे बात।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। हलिया विकासखंड मे बनाए गए एक क्लस्टर के ग्राम पंचायत की स्थिति खराब ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से की इन ग्राम पंचायतो की जांच करने की मांग। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलन बरौधा मे 5 वर्ष में कराए गए एक भी नहीं हुए कार्य पूर्ण सिर्फ कागज पर हुआ है खानापूर्ति सिर्फ मनमाना तरीके से निकाला गया है धन एक बार आरआरसी सेंटर की अमियता की शिकायत हुआ था उसको तोड़कर दोबारा बनाया गया। उसमें सिर्फ नाम मात्र के लिए बोर कराया गया है बोर में नहीं है समरसेबल ना तो लगा है सोलर पैनल जब की सब सामान का पैसा खारिज हो चुका है ना तो आरआरसी सेंटर संचालित हो रहा है सिर्फ कागजों पर खाना पूर्ति किया जा रहा है वही बबुरा भैरव दयाल में बनाया गया आरसी सेंटर ध्वस्त हो गया दिवाल सब फट गई दरवाजा टूट कर अलग हो गया सिर्फ और सिर्फ हुआ है ग्राम पंचायत मे खानापूर्ति वही ददरी में आज तक आरआरसी सेंटर आज तक पूर्ण नहीं हो पाया आरआरसी सेंटर में आज तक दरवाजा नहीं लगाया गया ना तो आरआरसी सेंटर पर जाने के लिए सड़क बनवाया गया सिर्फ मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। वही तेदुई ग्राम पंचायत में आरआरसी सेंटर आज तक चालू नहीं हो पाया जहां पर आज तक कूड़े कचरे का नहीं हुआ दर्शन ग्रामीणों ने बताया कि ना तो आज तक ई रिक्शा का दर्शन हुआ कि कहां चल रहा है सिर्फ कागज पर खाना पूर्ति किया गया है अगर इस क्लस्टर का जांच जिले के आला अधिकारियों के द्वारा किया जाए तो इन ग्राम पंचायत में लंबा खेल हुआ है सिर्फ धन का निकासी हुआ है बाकी जमीन पर नहीं है काम ग्राम पंचायत के लोगों ने बताया कि सिर्फ 5 वर्ष में ग्राम प्रधान व सचिव अपनी मनमानी चलाएं हैं और कागज पर खाना पूर्ति किया गया है 5 वर्ष में कोई कार्य पूर्ण नहीं कराया गया सिर्फ फर्जी बाऊचर लगाकर पैसा निकाला गया है। वही ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग करना चाहते हैं 5 वर्ष में सिर्फ कागज पर शासन प्रशासन इन कामों का जांच करें और आधे अधूरे कार्य को पूर्ण काराए सरकार एक तरफ स्वच्छ भारत मिशन की बात कर रही है दूसरी तरफ सरकार के ही कर्मचारी अपनी मनमानी झोंकने में लगे हैं।

सचिव से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन इस संबंध में सचिव कुछ बोलने से कर रहे हैं। इस संबंध में सहायक खंड विकास अधिकारी हलिया रूपेश श्रीवास्तव से बात किया गया तो रूपेश श्रीवास्तव ने बताया कि 2 दिन के अंदर कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा जो काम 5 वर्ष में नहीं पूर्ण हो पाया वह काम दो दिन के अंदर पूर्ण करने की बात कर रहे है एडीयो पंचायत हलिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसए ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय ने कार्यालय परिसर में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता के साथ वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। बीएसए शिवम पांडेय ने कहा कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान और पर्यावरण असंतुलन का प्रमुख कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वैश्विक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट और वायु प्रदूषण जैसी चुनौतियां मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा। इस अवसर पर शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि पेड़-पौधे ही जीव सृष्टि का आधार हैं और इनके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि वह पिछले नौ वर्षों से अपने निजी संसाधनों से लगातार वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार सिंह, प्रदीप कुमार मिश्रा, उर्मिला देवी, आलोक कुमार गुप्ता, अशोक कुमार मिश्रा, अखिलेश कुमार पांडेय, आशुतोष पटवा सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

गणेश ट्री फाउंडेशन ने किया पौधारोपण, 500 पौधों का वितरण

भदोही। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गणेश ट्री फाउंडेशन के तत्वावधान में जनपद में पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान नेशनल इंटर कॉलेज एवं भदोही थाना परिसर में दर्जनों पौधों का रोपण किया गया, जबकि तहसील परिसर में 500 से अधिक पौधों का वितरण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की गई। 'एक पौधा जीवन के नाम' संदेश के साथ सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक गणेश दुबे, थाना प्रभारी शैलेश राय, हरीश सिंह, लक्ष्मी यादव, एनसीसी अधिकारी कैप्टन प्रमोद कुमार, स्काउट अधिकारी विमल चंद्र, पंकज बिंद, विकास मौर्य, दीपाकर गौतम, निहाल मिश्रा, कृष्णा मिश्रा, अंश दुबे, आशीष सोनकर, धीरेन्द्र बिंद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों में प्रशासकों की नियुक्ति, डीएम ने जारी किए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। पंचायत चुनाव-2026 के बाद नई ग्राम पंचायतों की पहली बैठक होने तक अथवा अधिकतम छह माह की अवधि तक निवर्तमान ग्राम प्रधान संबंधित ग्राम पंचायतों के प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने शासन के निर्देशों के क्रम में यह जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक केवल नियमित एवं आवश्यक कार्यों का ही निष्पादन करेंगे। किसी भी प्रकार के नीतिगत निर्णय लेने पर रोक रहेगी। विशेष परिस्थितियों में नीतिगत निर्णय की आवश्यकता होने पर प्रस्ताव जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासक की नियुक्ति से पहले स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों का भुगतान नियमानुसार किया जा सकेगा, लेकिन नियुक्ति के बाद किसी नए कार्य के क्रियान्वयन से पूर्व जिलाधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। केंद्र एवं राज्य सरकार की नई योजनाओं से जुड़े प्रस्ताव भी पूर्व स्वीकृति के बाद ही लागू किए जाएंगे।

डीएम ने बताया कि जिन ग्राम पंचायतों में प्रधान का पद रिक्त है अथवा पहले से प्रशासकीय समिति गठित है, वहां संबंधित विकास खंड के सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को प्रशासक नामित किया गया है। इसी क्रम में मतीन अंसारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को कोइलरा, सिंहपुर, गोलखरा, मैलौना, दुरासी एवं दत्तीपुर ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम पंचायतों को शासनादेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी नए वित्तीय दायित्व अथवा नीतिगत निर्णय से पूर्व सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पौधरोपण

नैनी, प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश के संरक्षण एवं रोवर-रेंजर्स प्रभारी डॉ. मीनाक्षी राठौर के संयोजन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश ने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रोफे सुवर्णा सरकार, प्रोफेसर सविता कुमारी, प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद, प्रोफेसर भास्कर शुक्ला, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. इंदुप्रकाश सिंह, डॉ. राजेश यादव सहित अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अंत में सभी उपस्थितजनों ने पौधों के संरक्षण एवं स्वच्छ, हरित पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

नैनी,चाका प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्मदिवस चाका क्षेत्र के मुंडीचक में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चाका मंडल महामंत्री मिश्री लाल ने की।इस अवसर पर मिश्री लाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के विकास एवं जनकल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज अपराधमुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय न केवल प्रदेश बल्कि देशहित में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहे हैं। साथ ही, वे भारतीय संस्कृति और धर्म को सही दिशा प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला संयोजक बजरंग दल धीरेन्द्र कुशवाहा,जितेन्द्र सिंह सरदार, उज्वल, दिनेश, विकास, सुरेंद्र सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना के साथ किया गया।

सीमेंट फैक्ट्री, बारा में विश्व पर्यावरण दिवस का हुआ आयोजन

बारा प्रयागराज। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बारा मे आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम 'क्लाइमेट चेंज' पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कारखाने के सीसीआर परिसर के समीप किया गया, जिसमें लगभग 200 से 250 कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों, श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों द्वारा तैयार किए गए पोस्टर, स्लोगन एवं क्रिएटिव प्रतियोगिताओं की प्रदर्शनी लगाई गई एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। इस अवसर पर यूनिट हेड सुधीर कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में सभी से आग्रह किया कि वे सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करें तथा दैनिक जीवन में कपड़े के थैले (झोला) का उपयोग अपनाएं, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि कारखाने में पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं तथा आने वाले समय में रिन्यूएबल एनर्जी के अधिकतम उपयोग पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत कारखाना परिसर के विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसका निर्देशन दिनेश कुमार (एनवायरनमेंट विभाग) द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत चुनावः हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार, कहा- 10 जुलाई तक ओबीसी आयोग दे रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायत चुनावों की तैयारी को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राज्य सरकार को सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि ओबीसी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया में सरकार को बहुत पहले तेजी दिखानी चाहिए थी। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि आरक्षण का मामला लंबे समय से सरकार के संज्ञान में था, फिर भी प्रक्रिया अभी भी अधर में लटकी हुई है। कोर्ट ने कहा कि ओबीसी आयोग गठित कर सिफारिशें मांगी गई, लेकिन उन पर तेजी से अमल नहीं किया गया। बेंच ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि प्रक्रिया अभी जारी है। नियमानुसार इसमें लगभग छह महीने का समय लगता है।' कोर्ट ने पंचायतों के लोकतांत्रिक स्वरूप और समयबद्ध चुनाव कराने की संवैधानिक जरूरत पर भी जोर दिया। आशीष कुमार सिंह, ओम प्रकाश प्रजापति और खुशीराम द्वारा दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग को 10 जुलाई 2026 तक पंचायत चुनावों की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि ओबीसी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है, जबकि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून 2026 को प्रस्तावित किया है। याचिकाकर्ताओं ने उस शासनादेश को चुनौती दी है जिसमें ग्राम पंचायतों के कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 243-ई की भावना के विरुद्ध है, जो पंचायतों में नियमित चुनाव सुनिश्चित करता है।

उत्तर प्रदेश में पिछले ग्राम पंचायत चुनाव 2021 में हुए थे। पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद कई पंचायतों में प्रशासक तैनात हैं। ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के बाद राज्य सरकार ने नई प्रक्रिया शुरू की, जिसमें ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है। इस देरी से पूरे चुनाव कार्यक्रम पर असर पड़ रहा है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

नैनी, प्रयागराज। थाना नैनी पुलिस ने अपहरण के एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अमन यादव उर्फ अमनदीप (24 वर्ष) पुत्र अलख निरंजन यादव निवासी बांदा रोड, कर्वी, थाना कर्वी, जनपद चित्रकूट को धनुहां पार्किंग के पास थाना नैनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को एक महिला द्वारा थाना नैनी में तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि अमन यादव उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस संबंध में थाना नैनी पर मुकदमा अपराध संख्या 199/ 2026, धारा 137(2)/ 87 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।मामले की विवेचना एवं अभियुक्त की तलाश के दौरान थाना नैनी पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर पुलिस ने दबिश देकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त अमन यादव उर्फ अमनदीप पुत्र अलख निरंजन यादव।

इफको फूलपुर इकाई में विश्व पर्यावरण दिवस के साथ पर्यावरण सप्ताह भी मनाने का निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। वरिष्ठ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण हेतु बैठक की गई तथा सभी वरिष्ठ अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। इस वर्ष का विषय जलवायु कार्यवाही को अपनाने का आग्रह करता है। प्रकृति बोल रही है, और उसकी चेतावनियाँ स्पष्ट हैंः जलवायु संकट अब कोई दूर का ख़तरा नहीं है। वरिष्ठ प्रबंधक ईपीसी उमेश कुमार ने बताया कि आज विश्व पर्यावरण दिवस के साथ-साथ हम जन समुदाय में पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता हेतु पर्यावरण सप्ताह भी मना रहे है। पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता एवं परिचर्चा, इफको कर्मचारियों एवं महिलाओं हेतु क्विज एवं परिचर्चा प्रतियोगिता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु रैली का आयोजन एवं इफको टाउनशिप परिसर में वृक्षारोपण किया जायेगा। बैठक में सभी ने संयंत्र एवं इफको टाउनशिप को हराभरा रखने का संकल्प किया। इस दौरान महाप्रबंधक , पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, एके गुप्ता, अरूण कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः पी.के. वर्मा, एस.के. सिंह, डॉ सत्य प्रकाश, आर.पी.यादव,पी.के.त्रिपाठी, शैलेश शेरकर, संजय कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

● सहायता का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी के आनंद नगर मोहल्ले में बीती 12 मई की रात हुए भीषण अग्निकांड में मृतका अर्चना केसरवानी के परिजनों से शुक्रवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने मुलाकात की। उन्होंने मृतका के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान की। गौरतलब है कि 12 मई की रात नैनी निवासी संजीव केसरवानी के मकान और गोदाम में भीषण आग लग गई थी। हादसे में उनकी पत्नी अर्चना केसरवानी की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि पड़ोसियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई थी। आग की चपेट में आने से पूरा मकान और उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया था।पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान मंत्री नंदी ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।उन्होंने सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार के बच्चों की शिक्षा में आने वाली सभी कठिनाइयों में सहयोग करने का आश्वासन दिया। मंत्री नंदी ने कहा कि इस दुखद घटना से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है और सरकार तथा समाज को ऐसे समय में उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी पीड़ित परिवार को शासन स्तर से मिलने वाली सहायता शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'किया गया वृक्षारोपण, बारिश के लिए प्रकृति से की गई प्रार्थना

ब्यूरो प्रयागराज- पंखा टोला स्थित कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज शंकरगढ़ प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रहित सेवा संस्थान' के बैनर तले 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत आंवले का पेड़ रोपित किया गया और बारिश के लिए प्रकृति से प्रार्थना की गई। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने कहा कि मौसम वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान इस बार उत्तर भारत में वर्षा सामान्य से कम होगी। भविष्य में इस तरह की विषम परिस्थितियों से बचने के लिए उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रबंधक संतोष त्रिपाठी, विनीत शुक्ला, सचिन त्रिपाठी, श्री श्याम, प्रेमचंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

कौशल योजना केंद्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

● 'एक पौधा, एक संकल्प' – केंद्र व्यवस्थापक देवाशीष श्रीवास्तव ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। भारत सरकार द्वारा संचालित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY) केंद्र काजू में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस बड़े ही उत्साह, जागरूकता एवं सामाजिक सरोकार के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्र व्यवस्थापक देवाशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने तथा प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने की शपथ ली। इसके साथ ही केंद्र परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक देवाशीष श्रीवास्तव ने कहा कि 'पर्यावरण केवल प्रकृति का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार है। बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि हम आज पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। एक पौधा लगाना केवल एक कार्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। 'कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचार साझा किए तथा हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण वातावरण रहा और सभी ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।इस अवसर पर जीडीए ट्रेनर रबी, वार्डन साक्षी आर्या सहित प्रशिक्षुओं में तुलिशा, अल्का, अर्चना, शिल्पा, लाजो, स्वाति, रानी, बबली, राखी, सिमरन, संजना, शिव देवी, महेंद्र, सतीश, दुर्गेश, विजय, आकाश, अमित, हेमंत एवं अंकुर सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प तथा वृक्षारोपण को जन-जन तक पहुंचाने के संदेश के साथ किया गया। आयोजकों ने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

पूर्वांचल की बेटी वर्षा मानिकचंद्र श्रीवास्तव ने फिल्म जगत में बिखेरा अभिनय का जादूं

● 'मौनी माँ' के किरदार से जीता दर्शकों का दिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। पूर्वांचल की प्रतिभाशाली अभिनेत्री वर्षा मानिकचंद्र श्रीवास्तव ने आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी फिल्म 'बाबा नीम करौली महाराज' में अपनी सशक्त अभिनय क्षमता का परिचय देकर फिल्म जगत में एक अलग पहचान बनाई है। मिर्जापुर की मूल निवासी तथा प्रयागराज से जुड़े परिवार की वर्षा ने इस फिल्म में 'मौनी माँ' का महत्वपूर्ण किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। फिल्म बाबा नीम करौली महाराज के आध्यात्मिक जीवन, उनके चमत्कारों, मानवीय संवेदनाओं, करुणा और जनकल्याणकारी विचारों पर आधारित है। फिल्म में बाबा के जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंगों को दर्शाया गया है, जिनके बारे में आम जनमानस को अब तक बहुत कम जानकारी थी। फिल्म बाबा के व्यक्तित्व के आध्यात्मिक और मानवीय दोनों पक्षों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। फिल्म की शूटिंग लगभग एक वर्ष तक देश के विभिन्न हिस्सों में की गई। उनके भावपूर्ण अभिनय ने दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है। वर्षा का वाराणसी से भी विशेष जुड़ाव रहा है। शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों और पारिवारिक संबंधों के कारण उनका संबंध काशी की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा रहा है। यही कारण है कि उनके व्यक्तित्व और अभिनय में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और संवेदनशीलता की झलक साफ दिखाई देती है। मुंबई की फिल्मी दुनिया मे फिल्म 'बाबा नीम करौली महाराज' में निभाई गई उनकी भूमिका को उनके अभिनय करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल माना जा रहा है। फिल्म की सफलता के बाद न केवल फिल्म जगत में वर्षा की चर्चा तेज हो गई है, बल्कि मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी और भदोही समेत पूरे पूर्वांचल में भी उनके अभिनय की सराहना की जा रही है। उनकी सफलता क्षेत्र की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का उत्साह देगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सैनिक कॉलेज परिसर में वृहत् वृक्षारोपण कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हनुमानगंज, प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सैनिक कॉलेज, मई जगतपुर परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से वृहत् वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता कर वृक्षारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर रेड ईगल पब्लिक स्कूल, उतरांव, प्रयागराज के प्रबन्धक सर्वेश पांडेय, सैनिक पीजी कॉलेज के निदेशक डॉ. लाल चंद्र यादव, सैनिक फार्मेसी कॉलेज के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह तथा सैनिक आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य अदालती राम यादव ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। कॉलेज के चेयरमैन संतोष आर्मी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के आधार नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व, स्वास्थ्य एवं समृद्धि के भी प्रमुख स्रोत हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने पौधरोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी लिया। सभी ने समाज के प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया।

प्रयागराज की कनिहार झील बनेगी टूरिस्ट स्पॉट, रोज गार्डन के साथ ग्रीन रेस्टोरेंट का लुत्फ उठाएंगे पर्यटक

प्रयागराज। झूंसी के कनिहार झील को नगर निगम पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा, इसके लिए 132 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। कनिहार झील को विकसित करने के लिए सबसे पहले उसकी गहराई बढ़ाई जाएगी, उसके बाद उसमें जल संरक्षण का व्यापक प्रबंधक किया जाएगा। यहां जगह-जगह हट बनाए जाएंगे। लकड़ी की बेंच भी लगाई जाएगी। पीने का पानी समेत अन्य सुविधाएं होंगी ग्रीन रेस्तरां का भी निर्माण होगा। वाटर गेम की भी सुविधा मिलेगी। हर्बल गार्डेन,रोज गार्डेन भी विकसित किया जाएगा। नगर निगम की ओर से कनिहार झील को विकसित करने की प्रक्रिया अक्टूबर से नवंबर के आसपास शुरू कर दिया जाएगा। कनिहार झील को किस तरह से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाय इसके लिए नगर निगम कंसल्टेंट की मदद लेगा।150 एकड़ से अधिक दायरे वाले इस क्षेत्र में वाटर स्पोर्ट्स की भी सुविधा रहेगा। बोटिंग के लिए पांच से सात मोटर बोट का भी प्रबंध किया जाएगा। रात में भी लोग यहां चहलकदमी कर सकें और लजीज पकवानों का आनंद उठा सकें इसके लिए स्ट्रीट लाइट को दुकानों का भी निर्माण कराया जाएगा।

नौजवान भारत सभा द्वारा तीन दिवसीय बाल रचनात्मकता शिविर की हुई शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- नौजवान भारत सभा की ओर से शहर के बड़ा बघाड़ा स्थित अशफ़ाक़-बिस्मिल जनपुस्तकालय और सांस्कृतिक केन्द्र, पर तीन दिवसीय बाल रचनात्मकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के उद्देश्य के बारे में बताते हुए संचालक विन्देश ने बताया कि यह शिविर बच्चों की रचनात्मकता और सृजनशीलता को विकसित करने का एक बेहद विनम्र प्रयास है। बच्चों के स्वस्थ वैचारिक मानस के निर्माण के बिना किसी भी समाज के बेहतर भविष्य की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बच्चों के मोर्चे पर सांस्कृतिक-रचनात्मक कार्य पीढ़ी और देश निर्माण का काम है। एक तरफ़ पूँजी की शक्ति से संचालित बच्चों व युवाओं के ज़्यादातर मनोरंजन के साधन, प्रोग्राम से लेकर स्कूलों में होने वाली प्रतियोगिताओं सहित तमाम कार्यक्रम आदि प्रतिस्पर्द्धा, हिंसा तथा व्यक्तिगत लाभ-लोभ से प्रेरित होते हैं, जो बच्चों और युवाओं के नैसर्गिक न्यायबोध और सृजनशीलता की हत्या कर अतार्किकता, अवैज्ञानिकता तथा बाज़ार के तर्कों से लैस कर रहे हैं। ऐसे में यह शिविर बच्चों के अन्दर संवेदनशीलता, जिज्ञासा, कल्पनाशीलता, रचनात्मकता, सामूहिकता, न्यायबोध और तर्कपरकता को विकसित करने की दिशा में एक बेहद छोटा मगर महत्वपूर्ण कदम है। आज शिविर के पहले दिन बच्चों को व्यायाम, कराटे सिखाया गया। विज्ञान के विद्यार्थी और साइंटिस्ट फिर सोसाइटी से जुड़े शुभम ने बच्चों को मॉडल बनाकर यह दिखाया गया कि हमारा हृदय किस तरह से काम करता है। आने वाले दिनों में बच्चों को खेलकूद, पोस्टर लेखन और चित्रकारी सिखाया जाएगा। कार्यक्रम का समापन आगामी 8 जून को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिया हरित संदेश, किया पौधारोपण

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय पत्रकार सरस सिंह एवं अधिवक्ता शैलेश कुमार पांडेय ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया और लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। इस दौ दोनों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है। पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान पत्रकार सरस सिंह ने कहा कि प्रदूषण जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। अधिवक्ता शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें तथा अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करें। वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।

हाईटेंशन टावर पर फांसी के फंदे से लटका मिला युवक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत दमरी का पूरा, मुगारी गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव हाई टेंशन बिजली टावर पर फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह ग्रामीणों की नजर बिजली के ऊंचे टावर पर लटक रहे शव पर पड़ी। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव टावर पर काफी ऊंचाई पर होने के कारण उसे नीचे उतारने में पुलिस और संबंधित विभाग के कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच शव को नीचे उतारकर कब्जे में लिया गया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

सिर पर गंभीर चोट, दोनों कलाइयां काटी!

● दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर की प्रमोशन इंटरव्यू से पहले हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजधानी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव इलाके में दिल्ली विश्वविद्यालय की 43 वर्षीय असिस्टेंट प्रोफेसर देबोस्मिता पॉल की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रोफेसर का शव गुरुवार दोपहर उनके फ्लैट के अंदर मिला। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जबकि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, एमफिल और पीएचडी कर चुकी डॉक्टर देबोस्मिता पॉल दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थीं। वह वसुंधरा एन्क्लेव के मॉड अपार्टमेंट में अकेली रहती थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे, जबकि दोनों हाथों की कलाइयां भी कटी हुई मिलीं। चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटों के निशान है। इसलिए पुलिस ने आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले उन्होंने काफी संघर्ष किया था। जांच अधिकारियों के मुताबिक, प्रोफेसर फ्लैट में अकेली रहती थीं। फ्लैट का दरवाजा या ताला तोड़े जाने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। यही वजह है कि पुलिस को शक है कि हत्यारा मृतका का कोई परिचित हो सकता है, जिसे उन्होंने खुद घर में आने दिया हो।बताया जा रहा है कि उनके पति बेंगलुरु में रहते हैं और दोनों के बीच पिछले कई वर्षों से तलाक का मामला चल रहा था। घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतका की 49 वर्षीय बहन ने कई बार फोन करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिलने पर अनहोनी की आशंका जताई। इसके बाद वह वसुंधरा एन्क्लेव स्थित देबोस्मिता पॉल के फ्लैट पहुंचीं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर मार्खम कॉलेज में पौधरोपण एवं सेमिनार का हुआ आयोजन

हजारीबाग, झारखंड- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, हजारीबाग के भूगोल विभाग के तत्वावधान में पौधरोपण व एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश देना था। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज परिसर में पौध रोपण के साथ हुआ। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. गजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैं। एक वृक्ष अनेक पीढ़ियों को शुद्ध वायु, छाया, जल संरक्षण और जैव विविधता का संरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल एक दिन पौधरोपण तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत व्यक्तिगत स्तर से होती है और छोटी-छोटी सकारात्मक पहलें मिलकर बड़े बदलाव का आधार बनती हैं। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के महत्व, जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम तथा सतत विकास की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, जल एवं ऊर्जा की बचत करने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार दास ने विश्व पर्यावरण दिवस की इस वर्ष की थीम पर चर्चा करते हुए पर्यावरणीय चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ विनय कुमार बैठा डॉ सुधीर तिवारी, डॉ विष्णु शंकर, प्रो डीपी यादव व शिक्षकेत्तर कर्मचारी में कृष्णकांत तिवारी, उज्जवल कुमार, सुनील कुमार तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में किया गया पौधारोपण

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड:- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पांडेयबारा चपरीकला स्थित ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में विद्यालय परिवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने-अपने घरों के आसपास पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पेड़-पौधे पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने के साथ-साथ शुद्ध वायु, स्वच्छ वातावरण और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक हैं। विद्यालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी विद्यार्थियों से अपील की गई थी कि वे अपने घरों के आसपास कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी तस्वीर विद्यालय को भेजें। बच्चों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में भाग लिया और विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए। विद्यार्थियों ने पौधों की देखभाल करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि नई पीढ़ी प्रकृति के प्रति संवेदनशील बने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाई।

नगर मिश्रिख में कथित धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस का छापा, एक दर्जन से अधिक लोग हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर)- कस्बा मिश्रिख के मोहल्ला थोक में कथित धर्मांतरण गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर लग भग एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूंछताछ शुरू कर दी है । मांमला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है । जबकि पुलिस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है । जानकारी के अनुसार मोहल्ला थोक निवासी महेंद्र यादव के मकान में किराए पर रह रहा एक व्यक्ति प्रार्थना सभा का संचालन कर रहा था। उसने अपना नाम सुरेंद्र पुत्र शंकर सिंह निवासी बारीवाल आमान विहार बताया है। स्थानीय लोगों का आरोप है । कि वह पिछले लग भग 10 वर्षो से मिश्रिख में रहकर ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब एवं बीमार लोगों को प्रार्थना सभा के नाम पर अपने संपर्क में लाता था। किराएदार की पत्नी ने आरोप लगाया कि उसने कई बार मकान खाली करने के लिए कहा, लेकिन किराएदार द्वारा मकान खाली नहीं किया गया। इसी बीच राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस को सूचना दी गई । जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की । छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से बाइबिल तथा मिठाई बरामद किए जाने की बात कही है। वहीं प्रार्थना सभा में मौजूद लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूंछताछ की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि प्रार्थना सभा में मिश्रिख नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी काफी संख्या में लोग मौजूद थे। मांमले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी तथ्यों एवं साक्ष्यों की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे । उनके आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।छापेमारी के दौरान सीओ ब्रजेश कुमार , कोतवाल प्रदीप सिंह , कस्बा इंचार्ज गुड्डू जोशी , क्राइम इंस्पेक्टर श्याम दास , सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

जमुई में डाक विभाग के 2 अधिकारियों पर रिश्वत मांगने का आरोप

पटना। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जमुई जिले के एक ग्रामीण डाक सेवक से मासिक रिश्वत मांगने के आरोप में डाक विभाग के दो अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों अधिकारी नौकरी की अस्थायी स्थिति का फायदा उठाकर हर महीने पैसे की मांग कर रहे थे। सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई को पुरुषोत्तम कुमार दास, (डुमरिया शाखा डाकघर में जीडीएस एबीपीएम के पद पर कार्यरत) ने पहले फोन से इसके बाद लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि झाझा उपमंडल डाक कार्यालय के डाक निरीक्षक अभिषेक कुमार तथा झाझा उपडाकघर के ओवरसियर अजय कुमार सिंह उनके परिवीक्षाधीन (प्रोबेशन) पद का दुरुपयोग कर हर महीने 6,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे।रिश्वत नहीं देने पर वेतन रोकने, कार्यस्थल पर परेशान करने तथा नौकरी से निलंबन या सेवा समाप्ति की धमकी दी जा रही है। शिकायत के सत्यापन के लिए सीबीआई ने पुलिस उपनिरीक्षक नीरज कुमार को जांच सौंपी। जिसमें दोनों अधिकारियों की ओर से रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के अनुसार दोनों आरोपितों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता से हर महीने 6,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

सीएचसी नारायणपुर में हुई स्वास्थ्य कर्मियों की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- नारायणपुर सीएचसी के सभागार में शुक्रवार को स्वास्थ्य कर्मियों एवं अधिकारियों की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. एके सिंह ने की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों से उनके कार्यक्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि आम जनता तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है, इसके लिए सभी कर्मियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करना होगा। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम तथा अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के सफल संचालन पर विशेष जोर दिया। बैठक में आगामी दिनों में संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा विभिन्न स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए। अधिकारियों ने कर्मियों को समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया।मौके पर बीपीएम अखिलेश कुमार सिंह, बीटीटी प्रजीत कुमार, डब्ल्यूएचओ मोनिटर शशि भूषण कुमार, हेमंत पाठक, एएनएम नंदनी कुमारी, अंजू कुमारी, बेबी पुष्पा, नीलम कुमारी, प्रफुल रवानी आदि उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आजसू पार्टी ने बाँटे 108 फलदार पौधे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवघर, झारखंड:- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी द्वारा गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ 108 फलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पार्टी के जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य एवं केंद्रीय सचिव राजा साहनी ने किया। इस अवसर पर आम, अमरूद, कटहल, लीची और जामुन समेत विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे लोगों के बीच वितरित किए गए। साथ ही उपस्थित लोगों से पौधारोपण कर उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदर्श लक्ष्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते हरित क्षेत्रों के कारण मानव जीवन पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना चाहिए। फलदार वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए पोषण और प्राकृतिक संसाधनों का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। केंद्रीय सचिव राजा साहनी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और निभाने का अवसर है। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने, जल संरक्षण करने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया। आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने तथा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हरित देवघर और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया आयोजित

पाकुड़, झारखंड:- पाकुड़ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस लाइन, पाकुड़ में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पाकुड़ द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया तथा सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों, जवानों एवं कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, हरित एवं स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करना तथा सामूहिक सहभागिता के माध्यम से प्रकृति संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश देना । पाकुड़ पुलिस पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पाकुड़ के निर्माण हेतु निरंतर जन-जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाने हेतु दृढ़ संकल्पित लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीजीआर माइनिंग ने 3400 फलदार सहित 78,500 पौधों का किया रोपण

● धूंआ रहित बायोमास चुल्हों का किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड:- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पचवारा नॉर्थ कोल माइंस परियोजना क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई, जिसका नेतृत्व मुख्य अतिथि अमुल कुमार सोरेन, क्षेत्रीय पदाधिकारी, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (JSPCB) ने किया। प्रभावित नौ गांवों के ग्राम प्रधानों, आलूबेड़ा पंचायत की मुखिया एवं प्रमुख तथा अन्य चयनित ग्रामीण नेताओं के बीच 20 थर्मल एफिशिएंट लकड़ी एवं बायोमास चूल्हों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को चूल्हे के संचालन एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई तथा इसका प्रदर्शन भी किया गया। यह अभिनव चूल्हा पारंपरिक मिट्टी के चूल्हों की तुलना में 65 प्रतिशत कम लकड़ी की खपत करता है तथा 70 प्रतिशत कम धुआँ उत्सर्जित करता है। इसके अतिरिक्त इस चूल्हे में भोजन कम समय में पकता है, जिससे समय एवं ईंधन दोनों की बचत होती है। चूल्हे की विशेषताओं को देखकर ग्रामीण अत्यंत प्रभावित एवं उत्साहित दिखाई दिए। कंपनी ने भविष्य में प्रत्येक परियोजना प्रभावित परिवार को एक-एक चूल्हा उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व आयोजित सामुदायिक वृक्षारोपण एवं आजीविका सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी द्वारा परियोजना प्रभावित परिवारों के बीच 3,400 फलदार पौधों का वितरण किया गया। प्रत्येक परिवार को आम, कटहल, सीताफल, चीकू, आंवला एवं नींबूसहित पाँच फलदार पौधे प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की पोषण सुरक्षा, आय संवर्धन तथा हरित आवरण में वृद्धि करना है। इस अवसर पर बीजीआर माइनिंग ने यह संकल्प भी दोहराया कि वह आगामी वर्षों में प्रतिवर्ष 50,000 फलदार पौधों का वितरण कर क्षेत्र में हरित क्रांति को बढ़ावा देती रहेगी। कंपनी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए कार्यक्रम से पूर्व लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में 78,500 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया गया है। यह प्रयास क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन

स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है ! मुख्य अतिथि अमुल कुमार सोरेन ने कंपनी की पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास संबंधी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। सभी ग्रामीणों ने मिलकर हरित क्रांति एवं आवरण विस्तार का संकल्प लिया कार्यक्रम में रामाशीष चटर्जी, महाप्रबंधक, डब्ल्यूबीपीडीसीएल, अन्य डब्ल्यूबीपीडीसीएल अधिकारीगण, दिलीप तामन, उपाध्यक्ष, शार प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड संजय बेसरा, महाप्रबंधक (सीएसआर), बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, सारती मरांडी, मुखिया, आलूबेड़ा पंचायत जूहीप्रिया मरांडी, प्रमुख, आलूबेड़ा पंचायत, परियोजना प्रभावित नौ गांवों के ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

फोर्ड अस्पताल और होटल पाटलिपुत्रा इक्जोटिका समेत 72 संस्थानों को नोटिस

● पटना में फायर सेफ्टी पर बड़ा एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। पटना में अग्नि सुरक्षा मानकों को लेकर फायर विभाग ने बड़ा अभियान चलाया है। विभाग ने शहर के 72 होटल, अस्पताल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट और नर्सिंग होम को नोटिस जारी किया है। संबंधित संस्थानों से जवाब और अनुपालन रिपोर्ट मांगी गई है। सूची में शहर के कई बड़े अस्पताल और चर्चित होटल शामिल हैं। निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब नहीं मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो हो सकती है सीलिंग फायर विभाग ने सभी संस्थानों को सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित संस्थानों को सील भी किया जा सकता है। कार्रवाई की जद में डाकबंगला, स्टेशन रोड, दीघा, पाटलिपुत्र और कंकड़बाग के कई प्रतिष्ठान आए हैं। इसके अलावा अशोक राजपथ, कदमकुआं और फुलवारीशरीफ क्षेत्र के संस्थान भी शामिल हैं। फायर विभाग की इस कार्रवाई से कई संस्थानों में हलचल मच गई है।

32 अस्पताल और नर्सिंग होम को जारी हुआ नोटिस

नोटिस पाने वाले अस्पतालों में आरोग्य ऑर्थोपेडिक एंड ट्रॉमा क्लीनिक, लाइफ लाइन अस्पताल और केयर मैनकाइंड अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा केयरवेल मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, अनुपमा अस्पताल और होली फैमिली अस्पताल को भी नोटिस भेजा गया है। फायर विभाग की सूची में एएनएस मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, जीएस न्यूरोसाइंस क्लीनिक एंड रिसर्च सेंटर और एजाज क्लीनिक का नाम भी शामिल है। अरविंद अस्पताल, किडनी अस्पताल, शिवालयम् अस्पताल और श्रीराम सुपर स्पेशियलिटी एंड रेफरल अस्पताल भी जांच के दायरे में हैं। फोर्ड अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर, मेडिवर्ल्ड अस्पताल और आस्था लोक अस्पताल को भी नोटिस जारी किया गया है। कुल 32 अस्पताल और नर्सिंग होम को फायर सेफ्टी मानकों में कमी के कारण नोटिस मिला है।

40 होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट भी रडार पर

फायर विभाग ने 40 होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट को भी नोटिस जारी किया है। इनमें होटल रिद्धि-सिद्धी, ग्रीन प्लाजा, कुमार गेस्ट हाउस और सिंह गेस्ट हाउस शामिल हैं। मां गेस्ट हाउस, नित्या गेस्ट हाउस, रामा गेस्ट हाउस और अभिनंदन रेस्ट हाउस को भी

नोटिस मिला है। इसके अलावा यो चाइना रेस्टो, खड़ग सिंह द ढाबा और स्वदेश फैमिली रेस्टोरेंट भी जांच के दायरे में हैं। होटल कुणाल इंटरनेशनल, होटल विस्टा पैलेश, होटल क्लार्क इन और होटल सुप्रभा को भी नोटिस भेजा गया है। होटल पाटलिपुत्रा इक्जोटिका, होटल एसएस इक्जोटिका और होटल मेनका का नाम भी सूची में शामिल है।

फायर विभाग ने मांगी अनुपालन रिपोर्ट

फायर विभाग का कहना है कि सभी संस्थानों को सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया गया है। विभाग अब संस्थानों की ओर से भेजी जाने वाली अनुपालन रिपोर्ट की समीक्षा करेगा। रिपोर्ट और जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी उद्देश्य से शहरभर में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच अभियान जारी रहेगा।

अनुमंडलीय अस्पताल में 100 डे कैंपेन को लेकर बैठक हुई आयोजित

●राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने और हाई रिस्क गांवों में एक्स-रे शिविर लगाने पर हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- अनुमंडलीय अस्पताल बरही में शुक्रवार को राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे 100 डे कैंपेन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने की। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), बीटीटी तथा सहिया साथियों के साथ अभियान की रणनीति और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि यक्ष्मा (टीबी) मुक्त समाज के निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से 6 मई से 1 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत बरही क्षेत्र के 26 हाई रिस्क गांवों में लोगों की स्क्रीनिंग, जांच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान हाई रिस्क गांवों में एक्स-

रे शिविर भी लगाए जाएंगे, ताकि टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उनका इलाज शुरू किया जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाकर टीबी के लक्षणों के प्रति जागरूक करें तथा संदिग्ध मरीजों की जांच सुनिश्चित करें। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क और प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया। बैठक में स्वास्थ्य कर्मियों को राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों, लक्ष्य और जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।मौके पर बिजेंद्र कुमार, विद्या देवी, पूर्णिमा गुरु, शाहजहां बेगम, आरती देवी, रेखा देवी, माया देवी, नगीना देवी, ज्योति मेहता, चंचला देवी, मीना देवी, मंजू देवी, रीमा कुमारी, रेखा रानी, महेश साहू, निशि कुमारी, श्रेया रंजन, ममता कुमारी, बिंदिया कुमारी एवं प्रतिमा कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बसरिया पंचायत में ग्राम सभा का हुआ आयोजन, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरही प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के पंचायत सचिवालय में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान पंचायत सचिवालय परिसर में पंचायत की मुखिया नीलम देवी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लगातार बढ़ रही गर्मी और मौसम में हो रहे बदलाव पृथ्वी के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में इसके दुष्परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। मुखिया नीलम देवी ने सभी ग्रामीणों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर बड़ा करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

मोकामा में चलती जनशताब्दी ट्रेन से कूदकर यात्री ने पकड़ा मोबाइल स्नैचर, रेल पुलिस को सौंपा

पटना। एक यात्री ने बेमिसाल साहस का परिचय देते हुए चलती जनशताब्दी एक्सप्रेस से छलांग लगा दी और मोबाइल झपटमार को पकड़कर रेल पुलिस के हवाले कर दिया। यात्री की इस बहादुरी की इलाके में जमकर सराहना हो रही है। युवक मोकामा के मोलदियार टोला का रहने वाला है। मोकामा रेल थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि सन्नी कुमार पटना से जनशताब्दी ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनके साथ यह घटना घटी। मोकामा स्टेशन के पश्चिमी समपार फाटक के पास एक युवक ने बोतल फेंककर सन्नी कुमार का कीमती मोबाइल नीचे गिरा दिया। मोबाइल गिरते ही आरोपी उसे उठाकर भागने लगा। घटना को देखते ही सन्नी कुमार ने साहसिक कदम उठाया। उन्होंने चलती ट्रेन से छलांग लगा दी और झपटमार का पीछा शुरू कर दिया। कुछ दूरी तक खदेड़ने के बाद उन्होंने आरोपी को दबोच लिया। इसके बाद आरोपी को रेल पुलिस के हवाले कर दिया गया।

नीट परीक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, CM सम्राट चौधरी ने दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। राज्य में 21 जून को प्रस्तावित राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 की तैयारियों की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को समीक्षा की। लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने परीक्षा के सफल, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए बिहार राज्य की सभी सरकारी बसों में आवागमन निशुल्क होगा, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी

नजर रखें। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सहायता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए यातायात प्रबंधन एवं आवश्यक सूचना तंत्र को प्रभावी करें। सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेन्दर, गृह विभाग के सचिव कुंदन कुमार के अतिरिक्त अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

राबड़ी देवी पर बढ़ा बंगला खाली करने का नैतिक दबाव, लालू के सिंगापुर से लौटने का इंतजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बल प्रयोग होने तक सरकारी बंगला (10, सर्कुलर रोड) खाली नहीं करने की घोषणा कर चुकीं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर अब नैतिक दबाव बढ़ गया है। यह दबाव भवन निर्माण विभाग के उस निर्णय से बढ़ा है, जिसके अंतर्गत 5, देशरत्न मार्ग वाला बंगला अब मुख्यमंत्री आवास का हिस्सा नहीं रहा। उपमुख्यमंत्री की हैसियत से सम्राट चौधरी उस बंगले में रहते थे। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद वह मुख्यमंत्री आवास का विस्तारित अंश हो गया था। राजद उसी हवाले से सरकार पर अपनी सुविधानुसार नियम बनाने-बिगाड़ने का आरोप लगा रहा था। अब आरोप का आधार ही समाप्त हो गया है। यह बात अलग कि निर्णय में संशोधन विपक्ष की आपत्तियों के बाद हुआ। 10, सर्कुलर रोड राबड़ी को पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत से आवंटित हुआ था, जहां वे 2006 से रह रही हैं। हाई कोर्ट के एक निर्णय के बाद पूर्व मुख्यमंत्रियों के लिए सरकारी बंगले की व्यवस्था प्रभावी नहीं रही। हालांकि, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से सरकार ने राबड़ी को उसी बंगले में रहने दिया। अब उन्हें 39, हार्डिंग रोड वाला बंगला आवंटित हुआ है, जो मंत्रियों के लिए निर्धारित दूसरा सबसे बड़ा बंगला है। हालांकि, उसके साथ शकुन-अपशकुन की राजनीतिक-गाथाएं भी बड़ी-बड़ी हैं। अब चर्चा है कि लालू प्रसाद के सिंगापुर से लौटने पर बंगला खाली करने का उपक्रम शुरू होगा।

उससे पहले वहां टिके रहने की सारी संभावनाओं को खंगाला जाएगा। एक विकल्प कोर्ट जाने का भी है, लेकिन आशंका यह कि वहां दांव उल्टा न पड़ जाए। बंगला खाली करने का पहला नोटिस राबड़ी को पिछले वर्ष नवंबर में मिला, तब सरकार का नेतृत्व का नीतीश कुमार कर रहे थे। दो नोटिस के बाद भवन निर्माण विभाग ने चुप्पी साध ली थी। छह माह बाद मई, 2026 में उन्हें तीसरा नोटिस मिला। तब आक्रोश भरे अंदाज में राबड़ी ने कहा कि सरकार चाहे तो पुलिस लगा ले, लेकिन वे बंगला खाली करने से रहीं। राष्ट्रीय इकाई के प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दीकी के नेतृत्व में प्रेस-वार्ता कर राजद के नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर राबड़ी का बंगला खाली कराया गया, तो पार्टी के सभी जन-प्रतिनिधि सरकारी आवास छोड़ देंगे। वस्तुतः यह दबाव की रणनीति थी, जिसे सरकार ने बखूबी समझा। दो दिन बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का लहजा सख्त हो गया: सरकारी बंगला किसी की बपौती नहीं। अब तो लालू-राबड़ी की सुरक्षा में भी कटौती हो गई है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से 10, सर्कुलर रोड की उपयोगिता का तर्क भी जोरदार नहीं रह गया। दो-चार दिन के हाय-तौबा के बाद राजद के नेता अब बंगले के मुद्दे पर चुप्पी साध लिए हैं। अलबत्ता प्रदेश इकाई के प्रधान महासचिव शक्ति सिंह यादव सुरक्षा में हुई कटौती को लोकतांत्रिक परंपराओं और राजनीतिक शुचिता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हैं। उनका आरोप है कि सुरक्षा में राजनीति हो रही।

संक्षिप्त खबरें

भाकियू ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए सरकारी इमदाद की उठाई आवाज

कोंच(जालौन)- ओलावृष्टि से प्रभावित तमाम किसानों को अब तक दैवीय आपदा राहत राशि न मिलने पर भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम से जल्द ही प्रभावित तमाम किसानों को राशि प्रदान कराए जाने की मांग की है। भाकियू के तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल की अगुवाई में शुक्रवार को तहसील में जुटे संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को ज्ञापन देकर कहा कि बीती 5 अप्रैल को तहसील क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं आदि की फसलें बर्बाद हो गई हैं। वहीं शासन के निर्देश पर संबंधित गांवों के लेखपालों द्वारा बर्बाद हुई फसलों का सर्वे भी किया गया ओर प्रभावित किसानों से जरूरी प्रपत्र भी लिए गए थे। ज्ञापन में कहा कि ग्राम पडरी, पचीपुरा कलां, भदेवरा, चमेंड, ऊमरी, घमूरी आदि गांव है जहां प्रभावित किसानों को अभी तक सहायता राशि नहीं मिली है जिससे किसान आर्थिक परेशानी में हैं और इससे खेती कार्य भी प्रभावित हो रहा है। मामले को लेकर एसडीएम से जल्द ही प्रभावित किसानों को सहायता राशि दिलाए जाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में संगठन के तहसील महासचिव डॉ पीडी निरंजन, प्रमोद कुमार, कौशल किशोर, सुशील कुमार, गयाप्रसाद, रामबाबू, दशरथ आदि शामिल रहे।

तीन अभियुक्तों पर हुई गुंडा एक्ट की कार्यवाही

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने तीन अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई से अराजक तत्वों में हड़कंप मचा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने बताया कि गांधी नगर निवासी निष्कर्ष कुशवाहा उर्फ बॉबी, तिलक नगर निवासी राहुल यादव उर्फ बंटा और शिवा यादव के खिलाफ गुंडा एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार तीनों के खिलाफ पूर्व में विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हो चुके हैं और उनकी गतिविधियां जनसामान्य की शांति एवं सुरक्षा के लिए प्रतिकूल पाई गई। इसी के मद्देनजर उनके विरुद्ध गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह ने कहा कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वाले तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से भी किसी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

पर्यावरण दिवस पर खूब हुए पौधरोपण, सोशल मीडिया पर भी छाई हरियाली

पौधा रोपित करते बीजेपी नेता

तालबेहट। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। क्षेत्र पंचायत प्रमुख विजय सिंह 'गोलू राजा', नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज पटेरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण किया। कार्यक्रमों में लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान भी किया गया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर लगाए गए पौधों की तस्वीरें और वीडियो पूरे दिन सोशल मीडिया पर छाए रहे। फेसबुक, व्हाट्सएप और अन्य प्लेटफॉर्म पर पौधरोपण कार्यक्रमों की पोस्टें साझा होती रही, जिससे दिनभर हरियाली की चर्चा बनी रही। लोगों ने कहा कि पौधे तो बड़ी संख्या में रोपे गए हैं, अब देखना यह है कि इनमें से कितने पौधे अगले पर्यावरण दिवस तक जीवित रहकर अपने रोपण कर्ताओं को पहचान पाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण हेतु एक पौधा लगाकर उसकी करें देखभाल- विधायक

● पर्यावरण दिवस पर भाजपाइयों सहित एनसीसी कैडेट्स ने रोपे पौधे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा कोंच नगर इकाई द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। आमजन को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज ही के दिन 5 जून सन् 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा शुरु किए गए विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा नगर इकाई द्वारा हाटा क्षेत्र स्थित नगर पालिका के पार्क में विधायक मूलचंद्र निरंजन, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल सहित भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने फल, फूल और औषधि प्रदान करने वाले तमाम पौधे रोप कर क्यारियों में पानी सींचा। इस मौके पर विधायक ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हम सभी लोगों को अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उस पौधे को बड़े होने तक उसकी उचित देखभाल भी करनी चाहिए। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है बल्कि मातृत्व के सम्मान का संदेश भी है। पालिकाध्यक्ष एवं भाजपा नगर अध्यक्ष ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। हरियाली बढ़ने से न केवल वातावरण शुद्ध होता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। इस मौके पर अम्बरीश शर्मा, आनंद सकेरे, विनोद सोनी, गौरव तिवारी, राजेश्वरी यादव, सीमा अहिरवार, अनिल कपूर, रविकांत कुशवाहा, शिवसिंह कुशवाहा, धर्मेंद्र राठौर, प्रदीप वर्मा, राघवेंद्र निरंजन आदि मौजूद रहे।

कोंच(जालौन) मथुरा प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में एनसीसी कैडेट्स ने वृक्षारोपण कर संगोष्ठी के माध्यम से वृक्षारोपण के प्रति आमजन को जागरूक किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय विक्रम सिंह के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न किस्म के पौधे रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ हरिश्चंद्र तिवारी ने पर्यावरण के विभिन्न प्रकारों के प्रति कैडेट्स को जागरूक कर प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ भूपेंद्र त्रिपाठी ने प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान एनसीसी के सीनियर अंडर ऑफिसर कशिश वर्मा सहित कैडेट्स में रामजी अग्रवाल, गोविंद, देवांश, रिया, विवेक, अनुज, साक्षी, नम्रता, सोनिया, रतन आदि शामिल रहे।

सूरज ज्ञान महाविद्यालय में संचालित एनएसएस इकाई द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा की जिला मंत्री मीनू मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य डॉ आशुतोष मिश्रा सहित एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न पौधों का रोपण कर इन पौधों की देखभाल करने का प्रण लिया। इस मौके पर मीनू मिश्रा ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को गंभीर खतरा है। पर्यावरणीय प्रदूषण मानव जीवन के लिए संकट पैदा कर रहा है,, हम सभी का नैतिक कर्तव्य और दायित्व है कि पर्यावरण को संरक्षित रखें। इस दौरान भाजपा नेता मनीष नगरिया, अनिल अग्रवाल, डॉ सुनील मुदगिल, अजय स्वर्णकार, नीरज सोनी, सुरेंद्र यादव, गजेंद्र राजावत, अनिल यादव, विकास ठाकुर, अखिलेश यादव, मुकेश कुमार, ब्रजेंद्र यादव, पवन यादव, खुशनुमा, श्रृष्टि आदि मौजूद रही।

सड़क पर पड़े पेड़ से टकराई बाइक, मां बेटा घायल

कोंच (जालौन)- गुरुवार देर रात कोंच-उरई रोड पर सड़क किनारे पड़े एक पेड़ से टकराई बाइक पर सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों और ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, सोम कुमार (19) पुत्र स्व. रविंद्र कुमार निरंजन निवासी ग्राम कुकरगांव अपनी माता अर्चना देवी (45) के साथ गुरुवार की रात करीब साढ़े 9 बजे रिश्तेदारी में आयोजित लगुन कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से वापस अपने गांव कुकरगांव लौट रहे थे। बाइक जैसे ही उरई रोड पर ग्राम भदारी के समीप पहुंची तभी सड़क किनारे गिरे पड़े एक पेड़ से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई और बाइक सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने त्वरित मदद करते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों का उपचार किया। घटना को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने सड़क किनारे पड़े पेड़ों और उनकी टूटी हुई डालों को हटाये जाने की मांग वन विभाग से लेकर स्थानीय प्रशासन से की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों से बचा जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर समृद्धि जन कल्याण संस्थान का हरित अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समृद्धि जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। संस्थान के सभी सदस्यों ने मिलकर बीजपुर थाना, बेड़िया हनुमान मंदिर, मस्जिद परिसर एवं प्राथमिक विद्यालय बीजपुर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और घटते वन क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है।

संस्थान के सदस्यों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'एक व्यक्ति-एक पौधा' अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जाए, ताकि क्षेत्र को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके। साथ ही लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। इस अवसर पर सिद्धार्थ गुप्ता, महावीर गोंड, जावेद आलम, मनीष भारती, प्रकाश विश्वकर्मा, मनोज सोनकर, देव कुमार एडवोकेट, जय सिंह, रंजीत चौधरी (ब्लॉगर), अर्जुन विश्वकर्मा सहित संस्थान के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। 'विश्व पर्यावरण दिवस पर समृद्धि जन कल्याण संस्थान का हरित संकल्प, थाना-मंदिर-मस्जिद और विद्यालय परिसर में लगाए पौधे ' सदस्यों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश, कहा– आज लगाया पौधा ही कल बनेगा जीवन का सहारा पेड़ केवल प्रकृति की शोभा नहीं, बल्कि मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। आइए, एक पौधा लगाकर धरती को हराभरा बनाने का संकल्प लें।

जिलाधिकारी ने अटल आवासीय विद्यालय गुरमुरा का किया औचक निरीक्षण

● विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं भोजन उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

● विद्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण, श्रमिकों के हित में दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शुक्रवार को अटल आवासीय विद्यालय, गुरमुरा का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, विद्यार्थियों के लिए संचालित शिक्षण व्यवस्था, भोजनालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि विद्यालय में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए भोजन को विद्यार्थियों के साथ ग्रहण कर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया।

भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने विद्यालय प्रशासन की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रावास (हॉस्टल) का निरीक्षण कर वहां की साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने अपर श्रम आयुक्त पिपरी को निर्देशित किया कि जनपद में ऐसे स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। उन स्थानों पर श्रमिकों के विश्राम, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ओबरा वन प्रभाग की डाला रेंज अंतर्गत माँ वैष्णो देवी मंदिर गौशाला परिसर के समीप ''एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड़ जी ने विधिवत पूजन एवं मंत्रोच्चार के साथ आम का पौधा रोपित किया। साथ ही उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जनमानस से अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने ''एक पेड़ माँ के नाम' के ब्रीद वाक्य को आत्मसात करते हुए पेड़ लगाने और बचाने का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा, उप प्रभागीय वनाधिकारी, क्षेत्रीय वनाधिकारी, वन विभाग के कर्मचारी, मंदिर परिसर से जुड़े लोग एवं क्षेत्रीय जनमानस उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में 16 प्रस्तावों को मिली मंजूरी, 90 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य

● ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराएं पूरा- विधायक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विकास खंड कार्यालय कोंच में शुक्रवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास खंड क्षेत्र की सभी 62 ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए कुल 16 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। इन प्रस्तावों के माध्यम से करीब 90 लाख रुपये की लागत से नाली, खड़ंजा, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग के अलावा अन्य जनहित से जुड़े विकास कार्य कराए जाएंगे। ब्लॉक प्रमुख रानी देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में माधोगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन उपस्थित रहे। विधायक ने ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है और सरकार गांवों तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। ब्लॉक प्रमुख ने बैठक में आए सभी प्रस्तावों पर चर्चा कर ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में विभिन्न ग्राम पंचायतों से जुड़े विकास कार्यों, निर्माण योजनाओं तथा अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बीडीओ प्रशांत यादव ने कहा कि स्वीकृत कार्यों को जल्द शुरू कराने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सत्येंद्र पटेल शीलू पड़री, हरीश निरंजन, देवेंद्र निरंजन तथा प्रधान रवि बिरगुआं सहित सचिव नरेंद्र पटेल, वसीम खान, हर्षित गुप्ता, पूनम, सूरजभान, प्रशांत श्रीवास्तव, अवर अभियंता गिरीन्द्र सिंह, मनोज, रामशंकर सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान और बीडीसी सदस्य उपस्थित रहे। इससे पूर्व विधायक ने दीप प्रज्वलन कर बैठक की औपचारिक शुरुआत की, तदोपरांत बीडीओ प्रशांत यादव एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सत्येंद्र निरंजन शीलू आदि ने विधायक का माल्यार्पण कर और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

वृहद पौधरोपण के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत

● जनपद में एक करोड़ 61 लाख से अधिक पौधे लगाने का है लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हरित आवरण बढ़ाने को लेकर शुरू की गई पहल के तहत शुक्रवार को जनपद में वृहद स्तर पर पौधरोपण के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत हुई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर पोधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खण्ड घोरावल के तिलौली कला में आयोजित कार्यक्रम में विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त विधायक सदर भूपेश चौबे, ब्लॉक प्रमुखगण, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। गौरतलब है कि पौधारोपण महाअभियान के तहत जिले में 1,61,69,686 पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें 10, 21, 8000 लाख पौधों का रोपण वन विभाग द्वारा किया जाएगा, शेष 5,951,686 लाख पौधों का रोपण 22 अन्य विभागों द्वारा किया जाएगा। पौधारोपण के महा अभियान के तहत सड़कों को छायादार बनाने के लिए भी सड़कों के दोनों तरफ अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर हुआ हवन-पूजन, कथा एवं भंडारा

» हिंदू युवा वाहिनी कार्यकर्ताओं ने मुयमंत्री के उाम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। हिंदू युवा वाहिनी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर शुक्रवार को ग्राम चढ़रऊ में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान हवन-पूजन, श्रीसत्यनारायण भगवान की कथा एवं विशाल भंडारे का आयोजन कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं प्रदेश की निरंतर उन्नति की कामना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन और सुरक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। इस अवसर पर हिंदू युवा वाहिनी जिला प्रभारी अमित दुबे, जिला संयोजक देवेंद्र पटेल, जिलाध्यक्ष शिवम अग्निहोत्री, अनुज किलेदार, माखन पटेल (प्रधान), जीतू राजा, राज राजा, प्रमोद चढ़रऊ, टिंकू पटेल, देवेंद्र सिंह परमार, मदन कुशवाहा, मोनू नेता, आनंद पटेल, मोनू देवलिया, रम्मू महाराज, केहरसिंह, शेर सिंह, सौरभ यादव, सुधीर श्रीवास्तव, राजदीप पटेल, सत्यदेव चुरारिया, अतुल चतुर्वेदी, सूरज राजा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

खेत में बजरी धोने के विवाद में मारपीट, छह लोगों पर आरोप

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के वर्मा बिहार मजरा शाहपुर में खेत में बजरी धोने को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम वर्मा बिहार निवासी ममता यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार शाम वह अपने खेत पर गई थीं। वहां गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा ट्रैक्टर के माध्यम से बजरी की सफाई की जा रही थी, जिससे पानी उनके खेत में भर रहा था। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी अपने परिजनों के साथ उनके घर पहुंच गया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके पति दयाराम यादव, पुत्री रानी यादव तथा उनके साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट कर दी। घटना में तीनों को चोटें आई हैं। पीड़िता ने छह लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि जाते समय विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महरौनी में सपा को बड़ा झटका, बसपा की बूथ गठन बैठक में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने थामा नीला पटका

● पाली के सेक्टर 42 में जुटी बसपा की टीम

● मंडल प्रभारी रविकांत मौर्य की मौजूदगी में शाहबाज समेत कई दिग्गज सपा छोड़ बसपा में शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महरौनी विधानसभा क्षेत्र के पाली अंतर्गत सेक्टर 42 में बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बूथ गठन व सेक्टर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान क्षेत्र में उस वक्त बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला, जब समाजवादी पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए दर्जनों जमीनी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बसपा का दामन थाम लिया। मुख्य अतिथि बसपा मंडल प्रभारी रविकांत मौर्य, विशिष्ट अतिथि तंशुराम मंडल प्रभारी, जिलाध्यक्ष एड. जानकी प्रसाद बौद्ध ने पार्टी बदलने वाले सभी नेताओं का माल्यार्पण कर और बसपा का नीला पटका पहनाकर संगठन में आधिकारिक स्वागत किया। सपा की नीतियों से असंतुष्ट होकर आने वाले नेताओं ने कहा कि उन्हें बसपा के नेतृत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की नीति पर पूरा भरोसा है। बसपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख सपा कार्यकर्ताओं में मुख्य रूप से शाहबाज खान, शेख मोहम्मद, मुस्ताक बादशाह, शाह मोहम्मद, कादर खान, सारूप खान, अरवाज खान, मुस्ताक शाह, नमसुद्दीन, सीताराम, कल्लू चौबे, राजेश और भगीरथ शामिल हैं। जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध और विधानसभा प्रभारी दीपक कुमार ने कहा कि चुनाव और संगठन की मजबूती के लिहाज से यह बैठक बेहद सफल रही है। नए साथियों के आने से पाली और महरौनी क्षेत्र में बसपा को जमीनी स्तर पर अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। वरिष्ठ नेताओं ने भरोसा दिलाया कि पार्टी में हर कार्यकर्ता और जमीनी नेता को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। राजनैतिक हलचल से भरी इस बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक टिकरा, संजय चौधरी, इमरान खान, विधानसभा उपाध्यक्ष विजय कुमार, विधानसभा महासचिव अरविंद कुमार, पूर्व जिला प्रभारी हीरा लाल, पूर्व विधानसभा सचिव वृंदावन बौद्ध, लक्ष्मण अहिरवार, लखन लाल अहिरवार और धनीराम अहिरवार सहित भारी संख्या में बसपा कार्यकर्ता व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

अटल पार्क में महामना पं.मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा स्थापित करने की उठी मांग

» श्रीगौड़ ब्राह्मण मालवीय महासभा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

» अटल बिहारी वाजपेयी के साथ महामना को भी समानित करने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

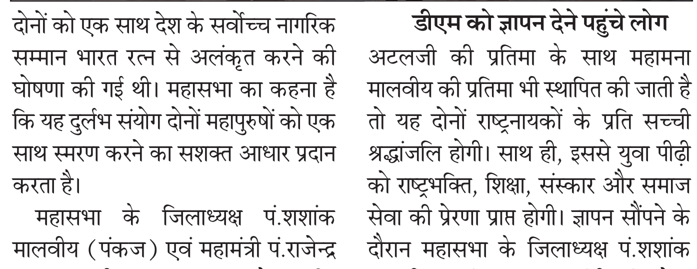

डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे लोग

ललितपुर। श्रीगौड़ ब्राह्मण मालवीय महासभा द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सदर कांटे के समीप निर्माणाधीन अटल पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पं. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के साथ-साथ भारत रत्न महामना पं.मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा भी स्थापित किए जाने की मांग की गई है। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि दोनों महान विभूतियों का राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, पत्रकारिता और सामाजिक जागरण में अतुलनीय योगदान रहा है, इसलिए उन्हें एक ही परिसर में सम्मानित किया जाना चाहिए। ज्ञापन में बताया गया कि पं.अटल बिहारी वाजपेयी और महामना पं.मदन मोहन मालवीय के जीवन में कई ऐतिहासिक समानताएं रही हैं। दोनों का जन्म 25 दिसंबर को हुआ था तथा 24 दिसंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा दोनों को एक साथ देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से अलंकृत करने की घोषणा की गई थी। महासभा का कहना है कि यह दुर्लभ संयोग दोनों महापुरुषों को एक साथ स्मरण करने का सशक्त आधार प्रदान करता है।

महासभा के जिलाध्यक्ष पं.शशांक मालवीय (पंकज) एवं महामंत्री पं.राजेन्द्र कुमार मालवीय (राजू महाराज) ने कहा कि महामना मालवीय ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान देते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में शिक्षा, सुशासन और राष्ट्रीय विकास को नई दिशा प्रदान की। दोनों ही महान व्यक्तित्व स्वतंत्रता, राष्ट्रवाद, पत्रकारिता, साहित्य और समाज सुधार के क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि अटल पार्क में अटलजी की प्रतिमा के साथ महामना मालवीय की प्रतिमा भी स्थापित की जाती है तो यह दोनों राष्ट्रनायकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। साथ ही, इससे युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति, शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा की प्रेरणा प्राप्त होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान महासभा के जिलाध्यक्ष पं.शशांक मालवीय (पंकज), महामंत्री पं.राजेन्द्र कुमार मालवीय (राजू महाराज), उपाध्यक्ष पं. श्रीकांत मालवीय, पं.रामेश्वर मालवीय, पं.विद्याकांत मालवीय, कोषाध्यक्ष पं.राजेन्द्र मालवीय (गुरु) सहित धीरज मालवीय, राजेश मालवीय, आनंद मालवीय, गणेश मालवीय, मनीष मालवीय, निलेश मालवीय, अजय मालवीय, उमेश मालवीय, रूपेश मालवीय, शेखर मालवीय, पुनीत मालवीय एवं महासभा के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कानपुर नगर में 1 जून से 31 अगस्त तक सभी नदियाँ एवं बहती जलधाराएँ 'नो फिशिंग जोन' घोषित

कानपुर। मछलियों के प्रजनन काल की सुरक्षा तथा मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन कानपुर नगर द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद की समस्त नदियों एवं बहती जलधाराओं को 01 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक 'नो फिशिंग जोन' घोषित किया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रतिबंध अवधि के दौरान किसी भी नदी अथवा बहती जलधारा में मत्स्य आखेट (मछली पकड़ना) तथा बाड़े (घेराबंदी) लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध मछलियों के प्रजनन एवं संवर्धन को सुरक्षित रखने तथा प्राकृतिक मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से लागू किया गया है।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इसके लिए मत्स्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने तथा सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक निदेशक मत्स्य, कानपुर नगर डॉ. जितेंद्र कुमार ने सभी मत्स्यजीवी सहकारी समितियों के सदस्यों एवं जनपदवासियों से अपील की है कि वे मत्स्य संरक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा प्रतिबंध अवधि के दौरान निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संसाधनों एवं मत्स्य संपदा का प्रभावी संरक्षण संभव है।

कल्याणपुर में ऑटो में छूटा जेवरों से भरा बैग, पुलिस आयुक्त से लगाई मदद की गुहार

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का जेवरों और जरूरी सामान से भरा बैग ऑटो में छूट जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर बैग बरामद कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साहब नगर (मंदिर लॉज के पीछे), कल्याणपुर निवासी रामचरित ने शिकायत में बताया कि 2 जून 2026 को वह अपनी पत्नी के साथ ऑटो से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान उनका एक बैग ऑटो में छूट गया। पीड़ित के अनुसार बैग में उनकी पत्नी के झुमके, पायल, ब्रेसलेट, दोनों के कपड़े तथा अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। उनका कहना है कि ऑटो चालक सामान लेकर मौके से चला गया और काफी तलाश के बावजूद बैग नहीं मिल सका। रामचरित ने आशंका जताई है कि बैग ऑटो चालक या किसी अज्ञात व्यक्ति के हाथ लग गया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने और खोया हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से न्याय दिलाने की अपील करते हुए कहा है कि बैग में रखे जेवर और सामान उनके परिवार के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा जांच की कार्रवाई की जा सकती है।

डेरवा कसहर ग्राम सभा में शंकर सावित्री मंदिर में आस्था भक्ति का सैलाब

प्रतापगढ़। डेरवा कसहर ग्राम सभा में शंकर सावित्री धाम में कई वर्षों से निरंतर हर मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ आयोजित होना एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय धार्मिक पहल है। ग्रामीण अंचल में इस प्रकार का सामूहिक आयोजन न केवल सनातन संस्कृति और भक्ति परंपरा को मजबूत करता है, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संचार भी करता है।ग्राम सभा में पिछले कई वर्षों से निरंतर हर मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का संगीतमय पाठ आयोजित किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं और बच्चों तक की भारी भागीदारी देखने को मिलती है।

गांव के प्रबुद्ध जनों का कहना है कि इस निरंतर आयोजन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि नई पीढ़ी अपनी धार्मिक धरोहर और जीवन मूल्यों से जुड़ रही है। यह आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर लाने का सामाजिक माध्यम भी बन चुका है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं 'जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट' के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 5.06.2026 को डीजी सर्कुलर संख्या-42/25 के अनुपालन में जनपद को 'जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट (Zero Fatality District-ZFD)' के रूप में विकसित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस ऑफिस सभागार में पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर एसीपी यातायात मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनपद में घटित सड़क दुर्घटनाओं का विस्तृत विश्लेषण करते हुए उनके कारणों, परिस्थितियों एवं संवेदनशील स्थलों की गहन समीक्षा की गई। डीसीपी द्वारा दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए वहां प्रभावी यातायात प्रवर्तन, नियमित निगरानी तथा आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए।

डीसीपी यातायात ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना केवल प्रवर्तन का विषय नहीं है, बल्कि यह जनसुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दायित्व है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वित एवं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्यशैली अपनानी होगी, जिससे दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की पहचान कर उनके निवारण हेतु प्रभावी कदम उठाए जा सकें तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। बैठक में सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में वाहन संचालन, नशे की अवस्था में वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन अभियान संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन को यातायात नियमों के प्रति

जागरूक करने हेतु व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर भी बल दिया गया।

डीसीपी यातायात ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट (ZFD) अभियान के अंतर्गत **निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता** के साथ कार्य करें तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे जनपद में सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था स्थापित की जा सके। बैठक के दौरान डीसीपी द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारी उ0नि0 रमेश कुमार (प्रभारी CCT चकेरी), उ0नि0 जितेन्द्र तिवारी (प्रभारी CCT सचेण्डी) व उ0नि0 ओमप्रकाश (प्रभारी CCT अरौल) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपाइयों ने किया पौधारोपण, मुख्यमंत्री का जन्मदिवस भी मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत विभिन्न पार्कों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के अवसर पर बूथ संख्या-27, ब्लॉक-8 स्थित रामदेवी आर्य पार्क में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरित कर शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा श्रम प्रकोष्ठ कानपुर-बुंदेलखंड के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति एवं मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा

उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीपू पासवान, विकास दुबे, प्रकाश वीर आर्य, पार्षद राजेश श्रीवास्तव, डा. समरदीप पांडेय, अवध बिहारी अवस्थी, मंजू कठेरिया, विनय मालवीय, विकास सब्बरवाल, अवि श्रीवास्तव, सतीश अवस्थी, सुरेन्द्र कुमार, ओम प्रकाश द्विवेदी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''एक पेड़ मां के नाम'' थीम के तहत स्वामी करपात्री जी महाराज जैव विविधता उद्यान चिलबिला में भव्य पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रकृति मित्रों तथा वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश दिया। प्रभागीय निदेशक आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार, एलायंस क्लब के अध्यक्ष रोशन लाल उमर वैश्य, पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रान्तिकारी, शक्ति एक पहल फाउंडेशन की अध्यक्ष दीपिका सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता आलोक शुक्ला सहित व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारी व अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस दौरान

पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अंश मिश्रा ने प्रथम, नैन्सी ने द्वितीय, पलक ने तृतीय तथा आशुतोष वर्मा ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किये गये। जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे शिवम यादव द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण विषयक गतिविधियों का सफल आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी सदर बृजेन्द्र प्रताप सिंह, वन क्षेत्राधिकारी रानीगंज अनूप कनौजिया सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरीशंकर ने किया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नानाराव पार्क में किया वृक्षारोपण

कानपुर। आज 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी के जन्मदिन पर विधायक सलिल विश्नोई ने नानाराव पार्क में प्रातः 7 बजे मार्निंग वाकरों तथा कार्यकर्ताओं के साथ वृहद् वृक्षारोपण किया और पर्यावरण की सुरक्षा व सन्तुलन हेतु सबसे 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विश्नोई के साथ दीपक शुक्ला, चन्दन राय गर्ग, पार्षद आदर्श गुप्ता, सुनील साहू, एन. डी. तिवारी, सन्तोष राठौर, निशान्त सिंह, नगर निगम के जोनल अधिकारी विद्यासागर, अधिशाषी अभियन्ता आलोक श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अभाविप की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक भुवनेश्वर में संपन्न

● राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में शैक्षिक सुधार, महिला सुरक्षा, शहरी माओवाद और वैश्विक परिदृश्य पर चार प्रस्ताव पारित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक 29 से 31 मई में भुवनेश्वर में संपन्न हुई। बैठक में शैक्षिक सुधार, महिला सुरक्षा, शहरी माओवाद और वैश्विक परिदृश्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चार प्रस्ताव पारित किए गए हैं। इस बैठक में देशभर के विभिन्न प्रांतों से 400 से अधिक प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

केंद्रीय कार्यसमिति में पारित प्रस्ताव-'लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हेतु पश्चिम बंग के जनमानस का अभिनंदन'। राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में पारित प्रस्ताव-'शैक्षिक सुधारों को परिणामकारी बनाने हेतु धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक'। 'सशस्त्र माओवाद के समाप्तिकाल में शहरी माओवाद एक गंभीर चुनौती।'संगठित आपराधिक एवं जिहादी मानसिकता से महिलाओं के शोषण तथा मतांतरण पर लगे लगाम। 'वैश्विक अनिश्चितता के दौर में संयम एवं सजगता का सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प समय की मांग'।

सुरक्षा, सामाजिक-आर्थिक विषयों तथा समसामयिक चुनौतियों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। साथ-ही, अखिल भारतीय विचार बैठक एवं संगठनात्मक विचार बैठक के निर्णयों की समीक्षा, अभियानात्मक, कार्यक्रमात्मक एवं संगठनात्मक कार्यों का मूल्यांकन तथा आगामी वर्ष की विस्तृत कार्ययोजना का भी

निर्धारण किया गया। अन्तर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन (SEIL) की गौरवपूर्ण राष्ट्रीय एकात्मकता यात्रा के 60 वर्ष पूर्ण होने पर 'SEIL@60' कार्यक्रम सम्पूर्ण भारत में आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम', 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष, आपातकाल निषेध के 50 वर्ष, श्री गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस के 350 वर्ष तथा संत रविदास जी के 650 वें प्राकट्योत्सव जैसे विभिन्न उपलक्ष्यों पर वर्षभर देशव्यापी अभियान चलाए जाएंगे।

कानपुरः अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर ब्रिगेड का बड़ा अभियान

● 11 बेसमेंट सील, 43 भवन स्वामियों को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। दिल्ली में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद कानपुर फायर विभाग एक्शन मोड में आ गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (CFO) दीपक शर्मा के नेतृत्व में शहर के होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और रिसोर्ट्स में व्यापक जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की गई। जांच के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) ने भी कार्रवाई करते हुए 11 बेसमेंट सील कर दिए तथा 43 भवन स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं। अभियान में सभी प्रभारी अग्निशमन अधिकारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन निकास और अन्य सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां पाई गई। ऐसे भवन स्वामियों और प्रबंधकों को तत्काल मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हरबंश मोहाल स्थित लता कान्टिनेंटल होटल में जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। होटल प्रबंधन के पास न तो वैध अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मिला और न ही आवश्यक अभिलेख उपलब्ध थे। इसके अलावा कई अग्निशमन यंत्रों की वैधता समाप्त हो चुकी थी तथा सीसीटीवी कैमरे भी बंद पाए गए। इस पर सीएफओ ने होटल प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई।

वहीं द हीरा डिवाइन के प्रबंधक आग लगने की स्थिति में उपलब्ध सुरक्षा इंतजामों की जानकारी तक नहीं दे सके। जांच में अधिकांश प्रतिष्ठानों में सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आई। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि मानकविहीन होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और रिसोर्ट्स के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला पर्यटन अधिकारी को पत्र भेजा जाएगा। साथ ही केडीए को भी ढांचागत और अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियों के आधार पर विधिक कार्रवाई करने के लिए पत्राचार किया जाएगा। फायर विभाग के अनुसार हरबंश मोहाल क्षेत्र में 250 से अधिक ऐसे होटल और प्रतिष्ठान संचालित हैं, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन नहीं किया जा रहा है। कई स्थानों पर न तो पर्याप्त अग्निशमन उपकरण हैं और न ही वैध एनओसी। इसके अलावा प्रवेश और निकास मार्ग भी अत्यंत संकरे हैं, जिससे किसी आपात स्थिति में जनहानि का खतरा बढ़ सकता है। सीएफओ दीपक शर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर विभाग पूरी तरह तैयार और संकल्पबद्ध है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएम एवं एसपी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

● डीएम एवं एसपी ने जनपदवासियों से ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाने की अपील की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर एवं मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने पुलिस लाइन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। पेड़-पौधे हमें शुद्ध ऑक्सीजन, छाया, फल-फूल तथा स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पौधारोपण करके हम केवल वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य को भी सुरक्षित करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी

देखभाल सुनिश्चित करने का आग्रह किया।पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने भी लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति का छोटा-सा प्रयास प्रकृति को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।अंत में जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि आगामी वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधे लगाएं, उनकी नियमित देखभाल करें तथा प्रतापगढ़ को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण के प्रति जागरूक जनपद बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक बृजनन्दन राय व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं हेतु पंजीकृत संस्थायें ट्रस्ट 30 जून तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिव्यांगजनों के कल्याण एवं पुनर्वास से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं के संचालन हेतु पंजीकृत गैर सरकारी स्वैच्छिक संस्थाओं एवं ट्रस्टों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग द्वारा चयनित संस्थाओं को सहायता अनुदान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत पंजीकृत संस्थाएं अर्ली इंटरवेंशन सेंटर, डे-केयर सेंटर एवं प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राथमिक से हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालय संचालन जैसी योजनाओं के लिए आवेदन कर सकती हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि जनपद में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत इच्छुक संस्थाएं एवं ट्रस्ट निर्धारित आवेदन पत्र भरकर उसकी दो प्रतियां 30 जून तक विकास भवन स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करें।

सिद्धार्थनगर में 30 टन गेहूं गबन मामले में दो गिरफ्तार, लाखों रुपए बरामद

● बढ़हरा विशुनपुर से ट्रक से गोंडा के लिए भेजा था व्यापारी ने गेहूं, ड्राइवर और कंडक्टर ने रास्ते में ही गेहूं लिया था बेच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर पुलिस, एसओजी टीम और सर्विलांस सेल की संयुक्त कार्रवाई में 30टन गेहूं गबन के मामले में का खुलासा किया है। जिसमें फरार चल रहे चालक और सहचालक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ट्रक, लगभग 10 टन गेहूं और बिक्री से मिली लाखों की धनराशि बरामद की है। यह मामला 20 मई 2026 का है, जब त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बढ़हरा विशुनपुर स्थित शिव शक्ति ट्रेडर्स से लगभग 30 टन गेहूं ट्रक संख्या यूपी-61टी-9372 पर लादकर गोंडा भेजा गया था। ट्रक चालक अनिल यादव और सहचालक सुभाष यादव को यह गेहूं गोंडा पहुंचाना था। आरोप है कि दोनों ने व्यापारी के विश्वास का उल्लंघन करते हुए गेहूं को गंतव्य तक नहीं पहुंचाया। उन्होंने रास्ते में ही गेहूं को बेच दिया और मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए। व्यापारी बलिराम गुप्ता ने इस संबंध में त्रिलोकपुर थाने में तहरीर दी। इसके आधार पर 25 मई 2026 को मुकदमा अपराध संख्या 88/2026, धारा 316 (2), 316(5) और 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय, एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पांडेय और सर्विलांस प्रभारी हरेंद्र चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल सर्विलांस की मदद से आरोपियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी। आखिरकार, 4 जून 2026 को बिस्कोहर-बलरामपुर बॉर्डर क्षेत्र से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने गेहूं बेचकर पैसे हड़पने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अभियुक्तअनिल यादव पुत्र गोमती यादव निवासी ग्राम विशुनपुर काशीनाथ, थाना गम्भीरपुर, जनपद आजमगढ़ व सुभाष यादव पुत्र खरभान यादव निवासी ग्राम विथरिया, थाना दुल्लहपुर, जनपद गाजीपुर का निवासी है। पुलिस ने ट्रक संख्या UP61T9372, कुल 9,855 किलोग्राम गेहूं, 1,20,000/- (वादी के खाते में) गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास अभियुक्त सुभाष यादव मु0अ0सं0 88/2026, धारा 318(2), 351(2) बीएनएस, थाना फूलपुर, कमिश्नरेट वाराणसी व अभियुक्त अनिल यादव मु0अ0सं0 96/2024, धारा 427/445/504/506 भा0द0वि0, थाना गम्भीरपुर, जनपद आजमगढ़,मु0 अ0सं0 163/2023, धारा 406/506 भा0 द0वि0, थाना कप्तानगंज, जनपद आजमगढ़, मु0अ0सं0 42/2024, धारा 406/420 भा0द0वि0, थाना कप्तानगंज, जनपद आजमगढ़, मु0अ0सं0 85/2020, धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम, धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं धारा 307/34 भा0 द0 वि0, थाना बड़हलगंज, जनपद गोरखपुर, पुलिस को पूछताछ में ज्ञात हुआ कि अभियुक्त सुभाष यादव द्वारा बेचे गये गेहूँ से प्राप्त धनराशि में से 1,20,000/- के खाते में यूपीआई के माध्यम से प्रेषित कर दिया गया है इसके अतिरिक्त 1,50,000/- अपनी पत्नी के खाते में स्थानांतरित किये गये थे जिसमें फ्रीज की कार्यवाही की जा रही है तथा 58,500/- दिनांक 25.05.2026 को ट्रैक्टर की किस्त के रूप में जमा किये गये। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर प्रवृत्ति के हैं। पूछताछ में इनके द्वारा वर्ष 2025 में जनपद गाजीपुर से चावल लेकर राजस्थान जाते समय माल लेकर फरार होने तथा वाराणसी में एक पेप्सी व्यवसायी के साथ भी धोखाधड़ी करने की बात प्रकाश में आई है, जिसके सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी संकलित की जा रही है।

पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य- कुलपति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विश्व पर्यावरण दिवस पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के एनसीसी इकाई द्वारा कुलपति प्रोफेसर कविता शाह की अध्यक्षता में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण व वृक्षों के महत्व बताते हुए कहा कि विश्व के सतत विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण कार्य है और समय-समय पर हमें वृक्षारोपण करते हुए इनका संरक्षण भी करना चाहिए। इस दौरान सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलसचिव अश्वनी कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण बताया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक दीना नाथ यादव ने कहा की पर्यावरण संरक्षण केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने कहा कि हमें वृक्ष केवल आज के दिन नहीं लगाना चाहिए बल्कि इसको निरंतर लगाना चाहिए।

इस अवसर पर एनसीसी ऑफिसर (ले0) डॉ. प्रजेश नाथ त्रिपाठी ने सभी कैडेट्स को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ इनके संरक्षण की भी बात कहीं और उन्होंने ये भी कहा कि हमें समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस कार्य हेतु समय-समय को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सत्येंद्र दुबे, डॉ यशवंत यादव, डॉ सरिता सिंह, एनसीसी कैडेट्स

सीनियर अंडर ऑफिसर नागेन्द्र यादव, अंडर ऑफिसर, कमलेश प्रजापति, अंडर ऑफिसर, शालिनी पाण्डेय, विशाल कुमार, रामू यादव, रजनीश, सचिन यादव, कुशल त्रिपाठी, अंकुश चौधरी, आलोक कुमार, कल्पना यादव, मुस्कान यादव, चांदनी चौधरी, मनीषा कुमारी, सुधा पाण्डेय, सबा परवीन, नरगिस परवीन, करिश्मा यादव, सपना, व कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालयः कृषि संकाय, एलएलबी षष्ठम सेमेस्टर एवं बी.पी.एड. द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने बताया कि कुलपति के आदेशानुसार सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत संचालित एम.एससी. (कृषि) हॉर्टिकल्चर, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एवं एग्रोनॉमी तथा एलएलबी षष्ठम सेमेस्टर एवं बी.पी.एड. द्वितीय वर्ष परीक्षा-2025-26 का परीक्षा परिणाम दिनांक 05 जून 2026 को घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा परिणाम महाविद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन भरे गए परीक्षा प्रपत्रों के आधार पर जारी किया गया है। यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा प्रपत्र में कोई गलत अथवा भ्रामक सूचना प्रदान की गई पाई जाती है, तो उसका परीक्षा परिणाम निरस्त किए जाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने अभी तक (ABC

ID) में पंजीकरण नहीं कराया है, उनका परीक्षा परिणाम प्रदर्शित नहीं किया गया है। ऐसे छात्र-छात्राएं ABC ID में पंजीकरण पूर्ण कराने के उपरांत अपना परीक्षा परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है, जहां छात्र-छात्राएं अपना परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने परीक्षा में सफल सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिस्कोहर नगर पंचायत में किया गया पौधारोपण

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर के कार्यालय परिसर में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता व बिस्कोहर नगर मंडल अध्यक्ष कुंवर मिश्रा दोनों लोगों ने एक पेड़ माँ के नाम लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस दौरान राम नरेश पासवान, सभासद लाल जायसवाल, गणेश वरुण,सत्यनारायण दुबे, निर्पेंद्र सिंह, सूर्य मणि चौधरी, राज मणि दुबे, मिंटू मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद प्रवीण पटेल ने किया वृक्षारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

फूलपुर, प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर फूलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रवीण पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि मातृत्व के सम्मान और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देता है। इस अभियान के माध्यम से देशभर में करोड़ों लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सांसद ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधरोपण करें तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करता, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और मानव जीवन के लिए भी अत्यंत उपयोगी होता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने का वादा किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दिल्ली की सेहत बिगड़ी: प्रदूषण WHO मानक से 20 गुना ज्यादा, 80% इलाका 'डार्क जोन' में

दिल्ली। दिल्ली आज भी देश में सर्वाधिक प्रदूषित है। प्रमुख मुददों को लेकर भी शहर की स्थिति बहुत दयनीय है। इससे बड़ी चिंता की बात और क्या होगी कि देश की राजधानी न सिर्फ प्रदूषण, बल्कि जल संकट, कचरा निस्तारण एवं साल दर साल बढ़ती गर्मी सहित लचर स्वास्थ्य सेवाओं से भी हांफ रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा जारी रिपोर्ट ''स्टेट आफ इंडियाज एनवायरनमेंट 2026 : इन फिगर्स'' दिल्ली की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट बताती है कि आने वाले साल राजधानी के लिए पर्यावरण, सेहत और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। दिल्ली में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 100 से 110 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के बीच है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सुरक्षित मानक (पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर) से लगभग 20 गुना और भारत के राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर) से करीब तीन गुना अधिक है। पिछले एक दशक की तुलना में दिल्ली में ''अत्यधिक गर्म दिनों'' की संख्या में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। मास्टरप्लान व कंक्रीट के बढ़ते जाल के कारण दिल्ली के थर्मल हाटस्पाट (जैसे नजफगढ़, नरेला और आनंद विहार) में रात का तापमान भी सामान्य से 3.5 से 5.0 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया जा रहा है।

दिल्ली रोजाना लगभग 11,000 टन ठोस कचरा पैदा करती है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक, इसमें से केवल 65 से 70 प्रतिशत कचरे को ही प्रोसेस या रीसायकल किया जा पाता है। हर दिन लगभग 3,000 टन से अधिक कचरा बिना उपचार के सीधे गाजीपुर, भलस्वा एवं ओखला के लैंडफिल साइट पर जा रहा है। इससे इन पहाड़ों की ऊंचाई व मीथेन गैस का उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली में रोजाना करीब 720-750 मिलियन गैलन (एमजीडी) सीवेज पैदा होता है, लेकिन दिल्ली के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) की वास्तविक परिचालन क्षमता के चलते अभी भी लगभग 350 से 400 एमजीडी गंदा पानी बिना पूरी तरह उपचारित हुए सीधे यमुना में गिर रहा है।

इससे यमुना में फास्फेट और अमोनिया का स्तर सुरक्षित सीमा से 50 गुना अधिक तक पहुंच जाता है, जिससे नदी में सफेद झाग देखने को मिलते हैं। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड के सहयोग से तैयार आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अति-दोहित या ''डार्क ज़ोन'' श्रेणी में आ चुका है। राजधानी में सालाना जितना पानी जमीन के अंदर जाता है, उससे 150 प्रतिशत से अधिक पानी निकाला जा रहा है। इससे हर साल वाटर टेबल 0.5 से 2 मीटर तक नीचे खिसक रहा है।

हाईकोर्ट का यूपी सीएम से आग्रह- अब समय आ गया है कि बड़े अफ़सरों को आपराधिक रूप से ज़िम्मेदार ठहराया जाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को दिए गए एक अहम आदेश में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वह इस बात को स्वीकार करें कि अब वह समय आ गया है, जब वरिष्ठ अफ़सरों और शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को उनके विभागों या उनके अधीन काम करने वालों की चूकों के लिए जवाबदेह, और यहां तक कि आपराधिक रूप से भी ज़िम्मेदार ठहराया जाए। जस्टिस विनोद दिवाकर की बेंच ने कहा कि राज्य को 'उच्च ज़िम्मेदारी' का सिद्धांत अपनाना चाहिए, जिसके तहत प्रशासनिक पदानुक्रम में वरिष्ठ अफ़सरों को जवाबदेह ठहराया जाता है। बेंच ने आगे कहा कि उचित मामलों में उन्हें अपने अधीन काम करने वालों द्वारा किए गए गलत कामों या चूकों को रोकने या दंडित करने में उनकी विफलता के लिए आपराधिक रूप से भी ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। बेंच ने अपने 16-पृष्ठ के आदेश में कहा, 'वरिष्ठ अफ़सरों को अपने अधीन काम करने वालों के आचरण और प्रदर्शन के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करना उनकी पेशेवर और प्रशासनिक, दोनों तरह की ज़िम्मेदारी है।' ल्लेखनीय है कि बेंच ने संस्थागत पतन के दो अलग-अलग रूपों के प्रति आगाह किया: 'मन का भ्रष्टाचार' (corruption of the mind), जिसके तहत आधिकारिक सत्ता की आड़ में निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया को जानबूझकर विकृत किया जाता है। 'पैसे का भ्रष्टाचार' (corruption of the purse), जिसके तहत सार्वजनिक पद को व्यक्तिगत आर्थिक लाभ का ज़रिया बना लिया जाता है। हाईकोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता ने दलील दी कि एक FIR में जांच लगभग 2 दशकों से लंबित है। दूसरी स्नद्धक्र में 18 वर्षों की देरी के बाद वर्ष 2024 में ही आरोप-पत्र (Charge-Sheet) दाखिल किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोप उन्हें परेशान करने के लिए ही लगाए गए और हाईकोर्ट की एक कोऑर्डिनेट बेंच ने उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही पर पहले ही रोक लगा दी। बेंच ने 'मनीष कुमार सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' मामले में हाईकोर्ट के 2023 के आदेश का ज़िक्र किया, जिसमें राज्य सरकार को एक उच्च-स्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया गया। इस समिति का काम भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों में सरकारी विभागों द्वारा दर्ज FIR की जांच की निगरानी के लिए दिशानिर्देश तैयार करना था। उस मामले में अन्य निर्देशों के अलावा, डिवीज़न बेंच ने निर्देश दिया था कि जाँच को चरणबद्ध तरीके से और तेज़ी से पूरा किया जाए। मौजूदा मामले में बेंच को बताया गया कि 2023 के फैसले के बाद उच्च-स्तरीय समिति का गठन दिसंबर 2025 में ही किया गया–लगभग दो साल की अत्यधिक देरी के बाद–और वह भी तब, जब इस कोर्ट ने मौजूदा मामले का संज्ञान लिया।

अलग होने से पहले बेंच ने हालांकि यह बात नोट की कि कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने में एक बड़ी रुकावट नौकरशाही के कुछ वर्गों की मानसिकता में है, जिनका रवैया 'समावेशी नहीं' है और जो अपनी मनमानी शक्तियों को बनाए रखने को 'अपने आप में एक लक्ष्य' मानते हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि 'अपनी मनमानी शक्तियों को खोने का यही डर' ही लोक प्रशासन में 'लालफीताशाही' के पीछे मुख्य वजह है। जस्टिस दिवाकर ने राज्य को याद दिलाया कि नियम और कानून ठीक इसी अनियंत्रित शक्ति को सीमित करने और एक नियम-बद्ध संस्कृति को लागू करने के लिए ही बनाए गए हैं। मामले के गुण-दोषों के आधार पर कोर्ट ने याचिका स्वीकार की और क्षेत्रीय पासपोर्ट प्राधिकरण, बरेली को निर्देश दिया कि वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार याचिकाकर्ता के पक्ष में पासपोर्ट जारी करें/नवीनीकृत करें।

तुम भारत से हो, मुझे लगा जर्मनी से'? ट्रंप ने उड़ाया भारतीय पत्रकार का मजाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय पत्रकार का मजाक उड़ाया है। भारतीय पत्रकार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से भारत के साथ होने वाले ट्रेड डील को लेकर सवाल पूछा था। ट्रंप ने भारतीय रिपोर्टर के बोलने के लहजे और भारी आवाज को लेकर मजाक उड़ाते हुए पूछा तुम भारत से हो क्या, मुझे लगा जर्मनी से हो। हालांकि, ट्रंप ने आगे कहा 'मैं सिर्फ मजाक कर रहा हूं। तुम भारत से हो यह बहुत अच्छी बात है'। बाद में ट्रंप ने भारतीय पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा पीएम मोदी हमारे बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों देशों के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता होगा। वहीं नई दिल्ली के साथ संभावित ट्रेड डील को लेकर विश्वास व्यक्त करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों से काफी लाभान्वित हो रहा है। हम बहुत जल्द एक समझौते पर पहुंचेंगे।

सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना

इस बीच भारतीय पत्रकार को लेकर ट्रंप द्वारा उड़ाए गए मजाक की सोशल मीडिया पर कई लोगों ने आलोचना की। जिनमें से एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने एक जोकर को राष्ट्रपति चुना है। ऐसे में उनका इस तरह का बयान देना स्वाभाविक है।' एक अन्य यूजर ने कहा, 'यह नस्लवाद का चरम रूप है।' वहीं एक और यूजर ने लिखा है कि 'इस बीच उनका परिवार भारत में ज्ञान पाने के लिए गायों की पूजा कर रहा है।' विल नाम के यूजर ने लिखा है 'हर किसी का अपना एक लहजा होता है अगर कोई ट्रंप से कह दे कि उनकी बात किसी को समझ नहीं आती तो वह बच्चों की तरह गुस्सा करने लगेंगे।'

भारत अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर अंतिम चरण में बातचीत

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा यह टिप्पणी उनके प्रशासन द्वारा भारत सहित 60 अर्थव्यवस्थाओं से आयात पर अतिरिक्त 12.5 प्रतिशत टैरिफ लगाने के प्रस्ताव के एक दिन बाद आई है। हाल के दिनों में भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत में तेजी आई है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है, केवल कुछ ही मुद्दे सुलझाए जाने बाकी हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी संकेत दिया है कि समझौते के अधिकांश पहलुओं पर सहमति बन चुकी है और अब बातचीत शेष विवरणों को सुलझाने पर केंद्रित है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली पुलिस का मेगा पौधारोपण अभियान:सतीश गोलछा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस ने राजधानी के सभी जिलों और इकाइयों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।अभियान का नेतृत्व दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने किया।उन्होंने पुलिस मुख्यालय में पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की।इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त (प्रावधान एवं वित्त) राजेश खुराना,विशेष पुलिस आयुक्त (आर्थिक अपराध शाखा) गरिमा भटनागर,विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) डेविड लालरिनसांगा,विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था, जोन-1) देवेश चंद्र श्रीवास्तव तथा पुलिस आयुक्त के ओएसडी संजय कुमार जैन ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त एचआरडी रॉबिन हिबू,विशेष पुलिस आयुक्त यातायात मनीष कुमार अग्रवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात संजय त्यागी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात विजयंता गोयल आर्य, डीसीपी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन आलाप पटेल तथा डीसीपी यातायात एस.के. सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।दिल्ली पुलिस के सभी जिलों में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया तथा नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति जागरूक किया।

दिल्ली में भवनों की अग्नि सुरक्षा के लिए बनेगी नई नीति, इलेक्ट्रॉनिक लॉक पर भी होगा विचार

दिल्ली। आग लगने की कई घटनाओं में फिक्स्ड ग्लास वाली खिड़कियों और इलेक्ट्रानिक लाक से अधिक नुकसान हुआ है। इस कारण इसकी समीक्षा कर नई नीति बनाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि अग्नि सुरक्षा को ध्यान में रखकर सभी भवनों में खुलने योग्य खिड़कियां और बालकनी सुनिश्चित की जानी चाहिए। आग लगने की स्थिति में लोगों को भवन से बाहर निकलने या बचाव कार्य में सुविधा होती है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक में जिला स्तरीय और उपमंडल स्तरीय टास्क फोर्स को पूर्ण रूप से सक्रिय करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने टास्क फोर्स की गतिविधियों की दैनिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने, अवैध रूप से संचालित गेस्ट हाउसों और बड़े परिसरों को सील करने तथा आवश्यकता पड़ने पर बिजली और पानी की आपूर्ति भी बंद करने का निर्देश दिया। संयुक्त सर्वे के आधार पर जिला प्रशासन, निगम और अन्य एजेंसियां सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई करेंगी।उन्होंने 17.5 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों पर विशेष ध्यान देने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर ऊपरी मंजिलों को खाली कराने, सीलिंग और अन्य कार्रवाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम, मोगा में लोगों को अब तक 8.61 करोड़ रुपये से ज़्यादा का मुफ़्त इलाज मिला है

● मोगा में 1.71 लाख कार्ड जारी किए गए- अस्पतालों को 6.34 करोड़ रुपये से ज़्यादा के क्लेम मिले हैं

डिप्टी कमिश्नर ने हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम को और असरदार तरीके से लागू करने के आदेश दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोगा- डिप्टी कमिश्नर श्री सागर सेतिया ने कहा है कि पंजाब सरकार ने लोगों को 10 लाख रुपये तक का मुफ़्त इलाज देने के लिए मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत मोगा ज़िले में 8.61 करोड़ रुपये का मुफ़्त इलाज दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत हर योग्य परिवार को हर साल 10 लाख रुपये तक का मुफ़्त और कैशलेस इलाज दिया जाता है। यह सुविधा सभी सरकारी और लिस्टेड प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध है। इसमें लगभग सभी बीमारियों, टेस्ट और दवाओं का खर्च शामिल है। उन्होंने कहा कि मोगा ज़िले में मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत 1.71 लाख कार्ड जारी किए गए हैं। जिले के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों की तरफ से अब तक कुल 8 करोड़ 61 लाख 82 हजार 969 रुपये जमा कराए गए हैं, जिसमें से 6 करोड़ 34 लाख 40 हजार 717 रुपये जारी किए जा चुके हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि इस स्कीम के तहत हेल्थ वर्कर्स को पेमेंट एक साथ की जा रही है, ताकि किसी को इसका फायदा उठाने में कोई दिक्कत न हो। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि इस बारे में जल्द ही एक लोकल हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा, ताकि इस बारे में आने वाली दिक्कतों को सही तरीके से हल किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह कार्ड लोकल सरकारी अस्पतालों और सर्विस सेंटर्स से संपर्क करके बनवाया जा सकता है। मोबाइल पर 'आयुष्मान ऐप' डाउनलोड करके या आयुष्मान ऐप पोर्टल पर जाकर भी रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। डिप्टी कमिश्नर श्री सागर सेतिया ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन मोगा और हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से इस स्कीम के तहत ज्यादा से ज्यादा कार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अपना मुख्तार मंत्री सेहत बीमा योजना कार्ड बनवाएं। इस मौके पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर जसपिंदर सिंह, सभी स्ष्ठरू और हेल्थ डिपार्टमेंट और सोशल सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे। फोटो कैप्शन- डिप्टी कमिश्नर श्री सागर सेतिया मुख्तार मंत्री सेहत योजना के तहत प्रोग्रेस का रिव्यू करते हुए।

निशाने पर कैंसर, IIT BHU के वैज्ञानिकों ने खोजी कैंसर सेल को किल करने की अचूक दवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। IIT BHU के वैज्ञानिको ने कैंसर के इलाज को कीमोथेरेपी से मुक्त करने पर रिसर्च किया है. इससे न सिर्फ कैंसर उपचार में कीमोथेरेपी पर निर्भरता कम होगी, बल्कि मरीज को उपचार के दौरान होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों और स्वस्थ कोशिकाओं के नुकसान जैसी परेशानियों से भी नहीं गुजरना पड़ेगा। इस रिसर्च को IIT BHU के बायोकेमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. विकास कुमार दुबे और उनकी शोध टीम ने किया है. इनकी टीम ने ऐसा रासायनिक यौगिक खोजा है, जो शरीर के भीतर जाकर केवल कैंसर कोशिकाओं को ही निशाना बनाता है. यह यौगिक कैंसर कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि रोकने के साथ उन्हें स्वयं नष्ट होने के लिए मजबूर कर देता है। प्रो. विकास कुमार दुबे और उनकी शोध टीम डेढ़ सालों से कैंसर की नई दवा विकसित करने पर कार्य कर रही थी. इस दौरान उन्होंने जिंक डाटाबेस में मौजूद लाखों रासायनिक यौगिकों का विश्लेषण शुरू किया. इसमे उन्हें 'जिंक-000002107582' नामक एक विशेष यौगिक मिला. इस यौगिक का परीक्षण प्रयोगशाला में स्तन कैंसर से प्रभावित कोशिकाओं पर किया गया तो परिणाम बेहद उत्साहजनक मिले।

रिसर्च टीम ने पाया कि यह यौगिक कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि में अहम भूमिका निभाने वाले दो प्रमुख प्रोटीन यूवीरैग और बैक्स को डैमेज कर रहा है। प्रो विकास दुबे ने बताया कि यूवीरैग और बैक्स प्रोटीन कैंसर कोशिकाओं को जीवित रखने और तेजी से बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इनकी सक्रियता के कारण कैंसर कोशिकाओं को लगातार पोषण मिलता रहता है और वह अनियंत्रित रूप से फैलती जाती हैं. नया जिंक आधारित यौगिक इन दोनों प्रोटीनों के बीच पहुंचकर उनकी बांडिंग तोड़ने का काम करता है। इससे कैंसर कोशिकाओं को आवश्यक पोषण नहीं मिल पाता और उनकी वृद्धि रुक जाती है और धीरे-धीरे ये कोशिकाएं निष्क्रिय होकर नष्ट होने लगती हैं. अध्ययन में यह भी सामने आया कि यह यौगिक कैंसर कोशिकाओं के भीतर आरओएस (रिएक्टिव आक्सीजन स्पीशीज) का स्तर बढ़ा देता है. इससे कोशिकाओं में अत्यधिक तनाव उत्पन्न होता है और वह स्वयं को खत्म करने लगती हैं। वर्तमान में कैंसर उपचार में कीमोथेरेपी बहुत कारगर इलाज है, लेकिन यह कैंसर कोशिकाओं के साथ शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है. इसके कारण मरीजों को बाल झड़ना, कमजोरी, उल्टी, संक्रमण और थकान जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। प्रो. विकास दुबे का कहना है कि नया यौगिक केवल कैंसर प्रभावित कोशिकाओं पर लक्षित प्रभाव डालता है. इससे स्वस्थ कोशिकाएं सुरक्षित रह सकती हैं और उपचार अधिक प्रभावी व कम कष्टदायक बन सकता है। प्रो. विकास दुबे का कहना है कि उनके शोध को अमेरिकन केमिकल सोसायटी की प्रतिष्ठित पत्रिका 'बायोकेमिस्ट्री' के ऑनलाइन संस्करण में 7 मई को प्रकाशित किया गया है. शोधकर्ताओं ने इस खोज के पेटेंट के लिए भी आवेदन किया है। अभी इसका परीक्षण प्रयोगशाला में स्तन कैंसर कोशिकाओं पर किया गया है. इसे मरीजों के लिए दवा के रूप में विकसित करने से पहले पशुओं पर परीक्षण और फिर मानव क्लीनिकल ट्रायल की प्रक्रिया पूरी करनी होगी. इस शोध में प्रो. विकास कुमार दुबे के साथ शोध छात्र शिवकुमार और राज बहादुर सिंह भी शामिल हैं।

न धुआं, न प्रदूषण! देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जल्द दौड़ेगी

दिल्ली। देश में पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शीघ्र जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलने की उम्मीद है। कुछ दिनों पहले रेलवे बोर्ड ने इसे स्वीकृति दी है। शुक्रवार को शकूरबस्ती डिपो में इसका निरीक्षण किया। दस डिब्बों वाली यह स्वदेशी ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलेगी। इसमें हाइड्रोजन और आक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से बिजली पैदा होती है। उत्सर्जन के रूप में सिर्फ जल-वाष्प निकलेगा। यानी ट्रेन प्रदूषण मुक्त होगी। रेलवे ने इस परियोजना को स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन उत्सर्जन घटाने की रणनीति के रूप में तैयार किया है। इस परियोजना के लिए जींद-सोनीपत रेलखंड को पायलट रूट बनाया गया है। इसके लिए जींद में स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण और ईंधन भरने की सुविधा तैयार की गई है। ट्रेन में हाइड्रोजन रिसाव और आग का पता लगाने वाले सेंसर लगाए गए हैं, जिनकी नियमित जांच होगी। शकूरबस्ती डिपो में इस ट्रेन के रखरखाव सुविधा के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकाल और रेगुलर आडिट की व्यवस्था की गई है। शुरुआती चरण में ट्रेन के साथ प्रशिक्षित तकनीकी कर्मी भी उपस्थित रहेंगे, ताकि संचालन में किसी तरह की परेशानी न आए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सफदरजंग अस्पताल में पौधारोपण एवं एक पेड़ मां के नाम' अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के बाहर आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा ने किया। उन्होंने पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की और सभी कर्मचारियों से अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारू बंबा ने भी पौधारोपण किया और कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कर्मचारियों और आगंतुकों से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने की अपील की। संयुक्त निदेशक नीरज सचदेवा ने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ सीएमओ डॉ. आर.पी. अरोड़ा ने किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के आसपास स्नेक प्लांट सहित विभिन्न पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल और ऊर्जा की बचत करने तथा 'रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल' के सिद्धांतों को अपनाने की अपील की।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण और लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि संस्थान भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पूरे शहर में बड़ा सफ़ाई अभियान शुरू करेगा

● तय 10 km के रास्ते की सफ़ाई पक्का करने की ज़िम्मेदारी अधिकारियों की होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर हरजोत सिंह बैंस की लीडरशिप में काम करते हुए, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता सोमवार से पूरे शहर में एक बड़ा सफ़ाई अभियान शुरू करेंगी। सफ़ाई पक्का करने की इस बड़ी पहल के तहत, शहर के इलाकों को 10 km लंबे हिस्सों में बांटा जाएगा और हर हिस्से में सफ़ाई पक्का करने के लिए एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। संबंधित अधिकारी तय रास्ते पर सफ़ाई पक्का करने के लिए ज़िम्मेदार होंगे, चाहे वह मलबा, सीवेज, कचरा वगैरह हो। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता ने शुक्रवार को इस बारे में सीनियर म्युनिसिपल अधिकारियों के साथ एक मीटिंग भी की और पालन पक्का करने के लिए सख्त निर्देश दिए। नगर निगम के अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारियों को कोऑर्डिनेशन से काम करने का निर्देश दिया गया है, जबकि जोनल कमिश्नरों को अपने-अपने ज़ोन में कड़ी नज़र रखने का निर्देश दिया गया है। जॉइंट कमिश्नर विनीत कुमार पूरे काम के इंचार्ज होंगे। यह बताते हुए कि नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को इस बारे में सख्त निर्देश दिए गए हैं, नगर निगम कमिश्नर डॉ. गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे खुले इलाकों/खाली प्लॉटों में कचरा न फेंककर शहर को साफ रखने में अधिकारियों का साथ दें। डॉ. गुप्ता ने आगे कहा कि उनका फोकस मानसून की तैयारियों पर भी है और संबंधित अधिकारियों को शहर के निचले इलाकों, खासकर बुड्ढा नदी के आसपास के इलाकों में पहले से सभी इंतज़ाम करने का निर्देश दिया गया है। डॉ. गुप्ता ने आगे कहा कि वह नगर निगम के दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ आने वाले दिनों में ज़मीनी स्तर पर हालात का जायज़ा लेने के लिए सरप्राइज़ इंस्पेक्शन भी करेंगे।

लुधियाना ने दिखाई एकजुटता, प्लॉगर्स ड्राइव 2.0 में 1300 से अधिक लोगों ने लिया भाग

● डीसी हिमांशु जैन, नगर निगम कमिश्नर नीरू कत्याल समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने बढ़ाया प्रतिभागियों का हौसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फिलैंथ्रोपी क्लब द्वारा जिला प्रशासन, नगर निगम लुधियाना और सिटी नीड्स के सहयोग से आयोजित प्लॉगर्स ड्राइव 2.0 के माध्यम से शहरवासियों ने प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ एकजुट होकर स्वच्छ और हरित लुधियाना का संदेश दिया।इस अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, नगर निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल, एडीसी (जनरल) पायल गोयल तथा ज्वाइंट कमिश्नर जसदेव सेखों सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। अभियान में 1300 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सुबह 5:30 बजे शहर के 25 से अधिक विभिन्न रूटों से प्रतिभागियों ने जॉगिंग करते हुए प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। एकत्रित कचरे को रोज गार्डन के बाहर नगर निगम के निर्धारित स्थल पर जमा करवाया गया। इस मुहिम में लगभग 35 एनजीओ, स्कूल, कॉलेज, कॉर्पोरेट संस्थान और शैक्षणिक संस्थाएं शामिल हुईं। फिलैंथ्रोपी क्लब की संस्थापक लखमिंदर कौर (डिक्की छाबड़ा) ने बताया कि अभियान के तहत सराभा नगर, मल्हार रोड, घुमाड़ मंडी, मॉडल टाउन, शिमलापुरी, साउथ सिटी रोड, दुगरी, पीएयू रोड, मॉल रोड, प्रीत पैलेस, भारत नगर चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में 35 टीमों ने प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने सतलुज क्लब से एक टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं नगर निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल ने श्री राम ग्लोबल प्री स्कूल, मॉल रोड से एक अन्य टीम को रवाना किया। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह साबित करती है कि लुधियाना स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए तैयार है। नगर निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है। ऐसे अभियान लोगों में जागरूकता पैदा करते हैं और शहर को साफ-सुथरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियान के दौरान प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा बिंदिया सूद द्वारा विशेष नृत्य प्रस्तुति और योग सत्र का भी आयोजन किया गया।